राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

• बोकारो, मंगलवार, 4 अगस्त 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 79 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु.• RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले में पांच जिलों में 18 ठिकानों पर छापेमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में सोमवार को सीआईडी ने रांची, पलामू, हजारीबाग, बोकारो और धनबाद समेत पांच जिलों में एक साथ 18 ठिकानों पर छापेमारी की। पहले से दर्ज मामले की जांच के सिलसिले में स्थानीय पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की गई। छापेमारी के दौरान सीआईडी ने कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जब्त किए हैं। इनमें लैपटॉप, मोबाइल फोन, बैंक पासबुक, चेकबुक, कई अभ्यर्थियों की ओएमआर शीट की कार्बन कॉपी, प्रवेश पत्र, अंकपत्र तथा अन्य अभिलेख शामिल हैं। जब्त सामग्री की अब तकनीकी

एवं फोरेंसिक जांच कराई जाएगी। जांच में यह भी सामने आया है कि मामले का आरोपी अभय तिवारी कई सरकारी भर्ती परीक्षाओं में सफल रहा था। इनमें वर्ष 2018 की पुलिस अवर निरीक्षक लिखित परीक्षा, वर्ष 2013 की भारतीय नौसेना भर्ती परीक्षा, वर्ष 2014 में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में सहायक पद की परीक्षा, आईआरबी कांस्टेबल भर्ती परीक्षा, वर्ष 2018 की सीआरपीएफ हेड कांस्टेबल (लिखित एवं टाइपिंग) परीक्षा, वर्ष 2014 की नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की पीटी परीक्षा, जेएसएससी पीजीटी शिक्षक भर्ती परीक्षा, जेएसएससी सीजीएल परीक्षा तथा जेपीएससी की एसीएफ, एफआरओ, एफएसओ और 11वीं से 13वीं संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा शामिल हैं। सीआईडी अब इन सभी परीक्षाओं से जुड़े रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों का मिलान कर मामले की गहन जांच कर रही है। सीआईडी ने संबंधित भर्ती और परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों से आरोपी के आवेदन, चयन प्रक्रिया, मूल्यांकन रिकॉर्ड और अन्य जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने को कहा है। इन रिकॉर्ड की जांच के जरिए यह पता लगाने की कोशिश होगी कि कहीं अलग-अलग भर्ती परीक्षाओं में किसी संगठित नेटवर्क के जरिए गड़बड़ी तो नहीं की गई। जांच एजेंसी का कहना है कि जब्त किए गए दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की फोरेंसिक जांच के साथ एजेंसियों से मिलने वाले रिकॉर्ड का मिलान किया जाएगा।

सांप के डसने से दो चचेरे भाइयों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गया। बिहार के गया जिले के अतरी प्रखंड के मिसिर बिगहा गांव में करैत सांप के डसने से दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। दोनों बच्चे फूस के घर में जमीन पर चटाई बिछाकर सो रहे थे, तभी देर रात विषैला सांप घर में घुस आया और उन्हें डस लिया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मृतकों की पहचान कृष्ण मांझी के नौ वर्षीय पुत्र लिटिल कुमार और चौथी मांझी के 11 वर्षीय पुत्र बुद्धू कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, रविवार तड़के करीब पांच फुट लंबा करैत सांप घर में घुसा और सोते समय दोनों बच्चों को काट लिया। सांप के डसने के बाद परिजनों ने तत्काल अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक का सहारा लिया, जिससे उपचार में देरी हो गई। जब दोनों बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी तो उन्हें मगध मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया। रास्ते में लिटिल कुमार की मौत हो गई, जबकि बुद्धू कुमार ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना है कि समय पर एंटी-वेनम और चिकित्सकीय उपचार मिल जाता तो दोनों बच्चों की जान बचाई जा सकती थी।

शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि पर नए स्वरूप में आमजन को समर्पित होगी गुरुजी वाटिका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री गुरुजी शिबू सोरेन की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार को चास के सोलागडीह स्थित बाबा बैद्यनाथ वृद्धाश्रम के समीप विकसित गुरुजी वाटिका का सौंदर्यीकरण कार्य पूरा होने के बाद इसे नए स्वरूप में बुजुर्गों और आमजन को समर्पित किया जाएगा। कार्यक्रम से एक दिन पूर्व सोमवार की शाम उपायुक्त अजय नाथ झा ने गुरुजी वाटिका और बाबा बैद्यनाथ वृद्धाश्रम परिसर का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परिसर की साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की गरिमा के अनुरूप परिसर को स्वच्छ,

आकर्षक और सुव्यवस्थित रखा जाए। इस संबंध में उन्होंने चास नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने बुजुर्गों के बीच फल वितरित किए और उनके उत्तम स्वास्थ्य व सुखद जीवन की कामना की। प्रशासन के अनुसार, गुरुजी शिबू सोरेन की स्मृति में विकसित गुरुजी वाटिका का उद्देश्य बुजुर्गों को स्वच्छ, हरित और शांत वातावरण उपलब्ध कराना है। साथ ही यह परिसर आमजन के लिए भी प्रेरणा और आकर्षण का केंद्र बनेगा। वाटिका का विकास पर्यावरण संरक्षण और सौंदर्यीकरण की अवधारणा को ध्यान में रखकर किया गया है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस डॉ. अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चंद्र, चास नगर निगम के महापौर भोलू पासवान, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, उप महापौर पूजा कुमारी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नीट पेपर लीक के प्रदर्शनकारी छात्रों पर दर्ज प्राथमिकी होगी वापस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि नीट पेपर लीक के विरोध-प्रदर्शनों में शामिल छात्रों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी संबंधित राज्य सरकारें वापस ले सकती हैं या जांच बंद कर सकती हैं, बशर्ते छात्रों का गंभीर या जघन्य अपराधों का कोई आपराधिक इतिहास न हो। अदालत ने स्पष्ट किया कि "आपराधिक इतिहास" का अर्थ केवल हत्या, बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों से है, न कि छोटे-मोटे मामलों या यातायात नियमों के उल्लंघन से। साथ ही, शीर्ष अदालत ने पैलेट गन के इस्तेमाल को लेकर मानक प्रोटोकॉल तैयार करने की आवश्यकता पर भी संकेत दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष सुनवाई के

दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि केंद्र सरकार गंभीर एवं जघन्य अपराधों में संलिप्त लोगों को छोड़कर प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज मामलों को आगे नहीं बढ़ाने के पक्ष में है। उन्होंने बताया कि गंभीर अपराधों के इतिहास वाले 2,000 से अधिक लोगों के खिलाफ दर्ज एफआईआर वापस नहीं ली जाएंगी। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन, एन. हरिहरन, कॉलिन गोंजाल्विस और वृंदा ग्रोवर ने पुलिस कार्रवाई, बायोमेट्रिक निगरानी, फेशियल रिकग्निशन तकनीक और कथित पुलिस ज्यादती से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। याचिकाकर्ताओं की ओर से अदालत को सैकड़ों वीडियो भी उपलब्ध कराए गए, जिनमें पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए गए हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि 28 जुलाई के अपने आदेश में प्रयुक्त "आपराधिक इतिहास" शब्द का आशय केवल गंभीर और जघन्य अपराधों से था। अदालत ने यह भी कहा कि ऐसा संदेश नहीं जाना चाहिए कि एक ओर पुलिस ज्यादती के आरोपों में शामिल अधिकारियों को संरक्षण दिया जा रहा है और दूसरी ओर छात्र आंदोलन की आड़ में शातिर अपराधियों को राहत मिल रही है।

महिला पहलवान यौन उत्पीड़न मामले में बृजभूषण शरण सिंह बरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी कर दिया है। करीब तीन वर्ष पुराने इस बहुचर्चित मामले में अदालत के फैसले से उन्हें बड़ी कानूनी राहत मिली है। यह विवाद जनवरी 2023 में सामने आया था, जब विनेश फोगाट, साक्षी मलिक समेत छह महिला पहलवानों ने बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न, पीछा करने और डराने-धमकाने जैसे गंभीर आरोप लगाए थे। पहलवान बजरंग पूनिया सहित कई खिलाड़ियों ने भी उनके खिलाफ आंदोलन का समर्थन किया था। मामले के एक प्रकरण में पॉक्सो अधिनियम के तहत भी केस दर्ज हुआ था, जिसे बाद में दिल्ली पुलिस की रिपोर्ट के आधार पर अदालत ने बंद कर दिया था।

जेल शिफ्टिंग के दौरान पुलिस मुठभेड़ में गैंगस्टर सुजीत सिन्हा ढेर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर सुजीत सिन्हा की रविवार देर रात जामताड़ा जिले में पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, साहिबगंज मंडल कारा से धनबाद जेल शिफ्टिंग के दौरान उसने एक जवान का हथियार छीनकर फायरिंग करने का प्रयास किया, जिसके बाद आत्मरक्षा में की गई जवाबी कार्रवाई में वह मारा गया। जानकारी के अनुसार, जेल स्थानांतरण के आदेश के बाद सुजीत सिन्हा को कड़ी सुरक्षा के बीच साहिबगंज जेल से धनबाद ले जाया जा रहा था। रास्ते में जामताड़ा के पास पुलिस वाहन का टायर पंचर हो गया। इसके बाद उसे दूसरी गाड़ी में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी

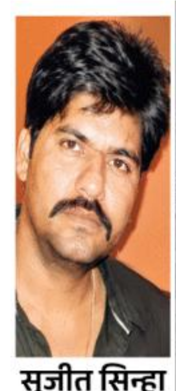

सुजीत सिन्हा
गैंगस्टर

दौरान उसने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी की सर्विस राइफल छीन ली और पुलिस पर गोली चलाने की कोशिश की। जवाबी फायरिंग में वह गंभीर रूप से घायल हुआ और उसकी मौत हो गई। साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित सिंह और जामताड़ा के पुलिस अधीक्षक शंभु सिंह ने घटना की पुष्टि की है। पुलिस का कहना है कि पूरी घटना की नियमानुसार जांच की जा रही है। सुजीत सिन्हा झारखंड के कुख्यात अपराधियों में शामिल था। उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, फायरिंग, आर्म्स एक्ट और संगठित अपराध से जुड़े कई मामले दर्ज थे। पुलिस के अनुसार, जेल में बंद रहने के बावजूद वह अपने गिरोह का संचालन कर रहा था तथा मोबाइल और अपने गुर्गों के माध्यम से रंगदारी व अन्य आपराधिक गतिविधियों को निर्देशित करता था। पुलिस के मुताबिक, सुजीत सिन्हा का नेटवर्क धनबाद, बोकारो, रामगढ़, रांची समेत आसपास के कई जिलों तक फैला हुआ था। सुरक्षा और प्रशासनिक कारणों से ही उसे साहिबगंज जेल से धनबाद जेल स्थानांतरित किया जा रहा था।

30 साल का गढ़ 30 दिनों में ढहा, सरकार पढ़ाई-रोजगार पर काम करे : प्रशांत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव के रुझानों में भारतीय जनता पार्टी के पारंपरिक गढ़ में जन सुराज के प्रत्याशी प्रशांत किशोर की बढ़त ने बिहार की राजनीति में नई चर्चा छेड़ दी है। मतगणना के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए प्रशांत किशोर ने केंद्र और राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला तथा शिक्षा और रोजगार को सबसे बड़ा मुद्दा बताया। उन्होंने

कहा कि "30 वर्ष का गढ़ 30 दिनों में ढह गया। केंद्र हो या राज्य सरकार, यदि पढ़ाई और रोजगार पर काम नहीं करेगी तो आगे भी उसका यही हाल होगा।" उनके इस बयान को सत्ता पक्ष के लिए स्पष्ट राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। प्रशांत किशोर ने बिहार की प्रशासनिक व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि किसी अपराधी प्रवृत्ति के व्यक्ति के नेतृत्व में राज्य का समुचित विकास संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाने की अपेक्षा कर रही है, जिसके पास राज्य के विकास का स्पष्ट विजन हो और जो बच्चों की शिक्षा, युवाओं के रोजगार तथा प्रदेश की समग्र तरक्की के लिए गंभीरता से काम करे। उन्होंने कहा, "किसी अपराधी को बिहार का नेतृत्व सौंपने से राज्य की तरक्की नहीं होगी। जनता चाहती है कि बिहार को ऐसा मुख्यमंत्री मिले, जो शिक्षा, रोजगार और विकास को प्राथमिकता दे।"

बोल बम के जयघोष से गूंज उठी बाबानगरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। सावन की पहली सोमवारी पर विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में शिवभक्तों की आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सोमवार तड़के से ही मंदिर परिसर, शिवगंगा, क्यू कॉम्प्लेक्स और आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयघोष से पूरी बाबानगरी शिवमय हो गई। झारखंड के साथ-साथ बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और देश के कई राज्यों से पहुंचे लाखों कांवरिए और श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जलार्पण के लिए लंबी कतारों में नजर आए। जिला प्रशासन के अनुसार, पहली सोमवारी पर दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के जलार्पण करने की संभावना है। हालांकि सुबह से लगातार बढ़ रही भीड़ को देखते हुए यह संख्या तीन लाख के करीब पहुंचने का अनुमान भी लगाया जा रहा है। मंदिर परिसर के अलावा

शहर के प्रमुख मार्गों पर भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली, जिससे पूरा देवघर भक्तिमय माहौल में डूबा रहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुचारु जलार्पण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। मंदिर परिसर, क्यू कॉम्प्लेक्स, शिवगंगा, प्रमुख चौक-चौराहों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिस बल, दंडाधिकारी और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। भीड़ पर नजर रखने के लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहीं, भीड़ प्रबंधन के लिए बैरिकेडिंग, चरणबद्ध प्रवेश और निकास की व्यवस्था भी लागू की गई है। पहली सोमवारी पर उमड़ी अभूतपूर्व भीड़ के बीच प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती श्रद्धालुओं को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु तरीके से जलार्पण कराना है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि अधिकारियों द्वारा पहले से तैयार की गई रणनीति और सुरक्षा व्यवस्था इतनी बड़ी भीड़ के बीच कितनी प्रभावी साबित होती है। प्रशासन ने सभी श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने, निर्धारित कतारों का पालन करने और सुरक्षा नियमों का पूरी तरह पालन करने की अपील की है, ताकि सभी श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के बाबा बैद्यनाथ का जलार्पण और दर्शन कर सकें।

नशामुक्त युवा अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की जरूरत : डॉ. प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रविवार को शुरू किए गए "नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान" को देश के भविष्य के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए बिहार की व्यापक और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव हैं और इस अभियान को केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाना चाहिए। सोमवार को औरंगाबाद

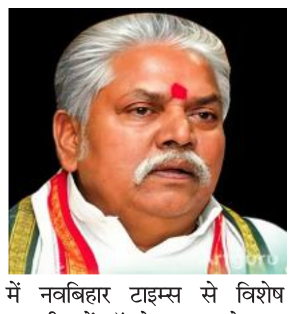

में नवबिहार टाइम्स से विशेष बातचीत में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच के अनुरूप नशामुक्त भारत का संकल्प तभी साकार होगा, जब समाज का प्रत्येक वर्ग, विशेषकर युवा, इस अभियान से जुड़ेगा। उन्होंने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को भी प्रभावित करती है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखकर उनकी ऊर्जा को शिक्षा, खेल, नवाचार, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।डॉ. प्रेम कुमार ने राज्य के सभी जनप्रतिनिधियों, विशेषकर विधायकों और विधान पार्षदों से अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों में परिचर्चा, संगोष्ठी, जनजागरूकता अभियान, छात्र-युवा संवाद, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विशेष कार्यक्रम तथा सामाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी से यह अभियान गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचेगा तथा समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा, जब देश का युवा स्वस्थ, जागरूक, अनुशासित और नशामुक्त होगा। नशामुक्त भारत और विकसित भारत एक-दूसरे के पूरक हैं। यदि युवा नशे से दूर रहकर अपनी प्रतिभा और क्षमता का सही उपयोग करेंगे तो भारत विश्व में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा।

घूसखोर जेई और क्लर्क रंगे हाथ गिरफ्तार, निगरानी की कार्रवाई से हड़कंप

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बांका। बिहार के बांका जिला परिषद कार्यालय में सोमवार को पटना निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कनीय अभियंता (जेई) ओमप्रकाश मंडल और कार्यालय के क्लर्क जागेश्वर मंडल को 1 लाख 26 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई से जिला परिषद कार्यालय सहित अन्य सरकारी दफ्तरों में हड़कंप मच गया है। निगरानी विभाग के डीएसपी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि एक संवेदक ने शिकायत दर्ज कराई थी कि कार्य से संबंधित फाइल आगे बढ़ाने के लिए जेई की ओर से रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग ने मामले का सत्यापन कराया, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाया। सोमवार को जैसे ही संवेदक ने तय की गई 1.26 लाख रुपये की रिश्वत की राशि सौंपी, पहले से मौजूद निगरानी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए जेई ओमप्रकाश मंडल और क्लर्क जागेश्वर मंडल को रंगेहाथ दबोच लिया। कार्रवाई के दौरान निगरानी टीम दो वाहनों से जिला परिषद कार्यालय पहुंची और मुख्य द्वार बंद कर दिया गया। छापेमारी के दौरान किसी भी व्यक्ति को कार्यालय से बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई।

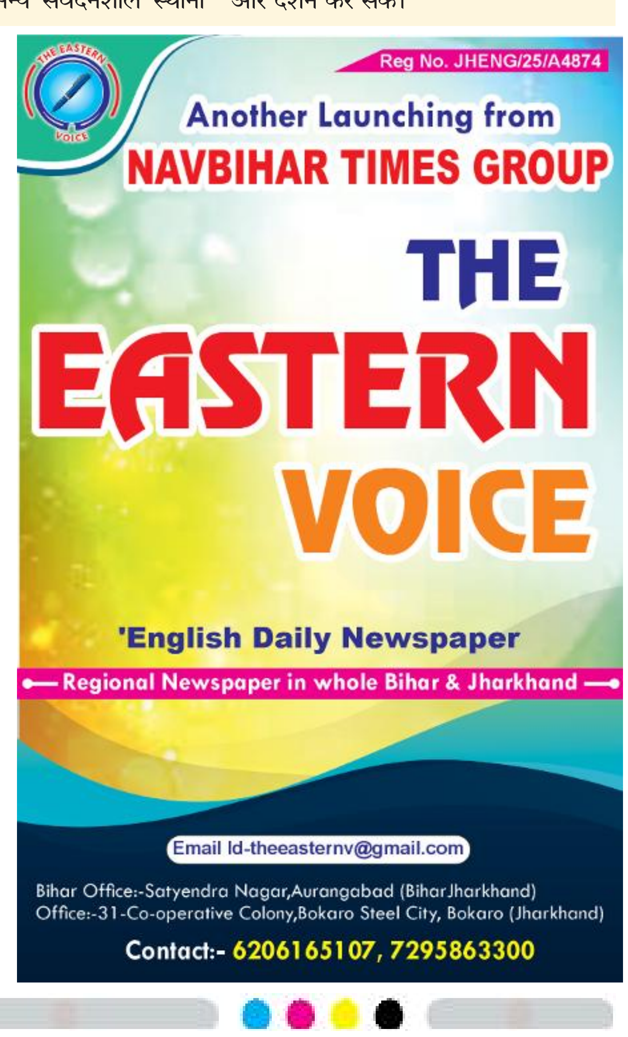

सिमरी बख्तियारपुर स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सहरसा। बिहार के सहरसा जिले के सिमरी बख्तियारपुर रेलवे स्टेशन पर सोमवार तड़के समस्तीपुर–सहरसा पैसेंजर ट्रेन (63344) में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। प्लेटफॉर्म संख्या-2 पर सुबह करीब 3:25 बजे हुई इस घटना में ट्रेन की तीन बोगियां आग की चपेट में आ गई। हालांकि समय रहते सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ट्रेन के मध्य स्थित इंजन के पास से शुरू हुई और देखते ही देखते तीन बोगियों तक फैल गई। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठते ही स्टेशन परिसर में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। यात्री तत्काल ट्रेन से उतर गए और कुछ लोगों ने कूदकर अपनी जान बचाई। प्रत्यक्षदर्शी एवं सुपौल निवासी यात्री मोहम्मद युसुफ ने बताया कि सबसे पहले बोगी के नीचे से तेज गर्मी महसूस हुई। नीचे उतरकर देखा तो आग की लपटें उठ रही थीं। इसके बाद अन्य यात्रियों को सतर्क किया गया, जिससे सभी सुरक्षित बाहर निकल सके। वहीं यात्री सोनू कुमार ने बताया कि ट्रेन के सिमरी बख्तियारपुर पहुंचते ही इंजन के पास आग दिखाई दी, जो कुछ ही देर में विकराल हो गई। सूचना मिलते ही स्टेशन मास्टर ने बोगियां खाली कराने का निर्देश दिया। घटना की सूचना पर अग्निशमन विभाग की कई गाड़ियां, रेलवे अधिकारी और स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, हालांकि रेलवे ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। सिमरी बख्तियारपुर के स्टेशन अधीक्षक संजय कुमार सज्जन ने बताया कि हादसे के कारण रेल परिचालन प्रभावित हुआ। इसके चलते कोसी एक्सप्रेस (सहरसा–पटना), जानकी एक्सप्रेस (मनिहारी–जयनगर), सहरसा–समस्तीपुर पैसेंजर तथा श्रावणी स्पेशल (सहरसा–देवघर) अपने निर्धारित समय से विलंब से संचालित हुई।

गर्भवती महिलाओं को समय पर मिले पीएमएमवी वाई का लाभ : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। समाहरणालय सभाकक्ष में सोमवार को उप विकास आयुक्त श्रीमती स्मृता कुमारी की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) की समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में वित्तीय वर्ष 2026 27 के तहत प्रखंडवार प्रगति लाभुकों के पंजीकरण आधार सीडिंग एनपीसीआई मैपिंग फेस ऑथेंटिकेशन सत्यापन स्वीकृति भुगतान तथा लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई समीक्षा के दौरान बताया गया कि जुलाई की तुलना में अगस्त माह तक योजना के तहत लाभुकों के नामांकन और स्वीकृत मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए सभी प्रखंडों को और अधिक सक्रियता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना गर्भवती एवं धात्री महिलाओं के स्वास्थ्य पोषण और सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण योजना है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पात्र महिलाओं का समय पर पंजीकरण आधार एवं बैंक खाते की सीडिंग एनपीसीआई मैपिंग और फेस ऑथेंटिकेशन जैसे लंबित कार्यों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे बैठक में अपेक्षाकृत कम प्रगति वाले प्रखंडों को विशेष अभियान चलाकर लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने नियमित मॉनिटरिंग करने तथा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया इस अवसर पर सहायक समाहर्त यश कुमार जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनिता कुजूर सहित विभाग के सभी संबंधित पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

रक्तदान जागरूकता अभियान को मिलेगी नई गति : डीडीसी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को जनआंदोलन का स्वरूप देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सोमवार को उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी की अध्यक्षता में ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग एवं संबंधित संस्थाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए रक्तदान जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया बैठक में डीडीसी ने कहा कि "रक्तदान महादान है" और इसके प्रति आमजन में व्यापक जागरूकता पैदा करना समय का आवश्यकता है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जाएं तथा स्कूल कॉलेजों औद्योगिक प्रतिष्ठानों सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से अधिकाधिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएं।

खेल और पर्यटन योजनाओं में तेजी लाने के निर्देश, गुणवत्ता से समझौता नहीं : स्मृता कुमारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी ने सोमवार को खेल एवं पर्यटन विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को सभी विकास कार्य समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए पारदर्शिता नियमित मॉनिटरिंग और विभागों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है बैठक में पर्यटन विभाग की समीक्षा के दौरान जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर चल रहे विकास कार्यों साफ सफाई, सौंदर्यीकरण और आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए उप विकास आयुक्त ने कहा कि बेहतर पर्यटन सुविधाओं से पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा खेल विभाग की समीक्षा में खेल सामग्री के समय पर वितरण, निमार्णाधीन फुटबॉल स्टेडियमों एवं अन्य खेल

अवसंरचनाओं के कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया गया साथ ही खेल परिसरों के बेहतर रखरखाव और पे-एंड-प्ले मॉडल को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए गए, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें उन्होंने पंचायत और प्रखंड स्तर पर नियमित खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करने का भी निर्देश दिया जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिल सके बैठक में जिला खेल पदाधिकारी अर्जुन बारला जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर एनआरईपी के कार्यपालक अभियंता भवन प्रमंडल के सहायक अभियंता तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

अवैध खनन पर राजद का बड़ा हमला, खान निदेशक से की सख्त कार्रवाई की मांग : इरफान आलम

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के गिरिडीह जिला अध्यक्ष मो. इरफान आलम ने जिले में बड़े पैमाने पर हो रहे कथित अवैध खनन को लेकर खान निदेशक रांची को ज्ञापन सौंपते हुए तत्काल जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग की है ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले कई महीनों से जिले के विभिन्न खनन क्षेत्रों में माफियाओं द्वारा खुलेआम अवैध खनन किया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन को कई बार सूचना दिए जाने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कारोबार लगातार जारी है राजद जिला अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि अवैध खनन के कारण सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है वहीं उसरी जैसी नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है और आदिवासी एवं किसानों की जमीन भी प्रभावित हो रही है ज्ञापन के माध्यम से खान निदेशक से तीन प्रमुख मांगें की गई हैं। इसमें उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर अवैध खनन स्थलों की जांच कराने संबंधित पदाधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करने तथा दोषियों के खिलाफ

प्राथमिकी दर्ज कर खनन में प्रयुक्त मशीनों एवं वाहनों को जब्त करने की मांग शामिल है मो. इरफान आलम ने कहा कि यह जनहित और पर्यावरण से जुड़ा गंभीर मामला है उन्होंने उम्मीद जताई कि खान विभाग इस पूरे मामले में शीघ्र हस्तक्षेप कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगा।

5 से 25 अगस्त तक पंचायत और वार्ड स्तर पर लगेंगे विशेष शिविर

गिरिडीह (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। गिरिडीह जिला प्रशासन आम नागरिकों को सरकारी सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 5 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक जिले के सभी प्रखंडों की ग्राम पंचायतों एवं शहरी क्षेत्रों के सभी वार्डों में विशेष प्रमाण-पत्र शिविर आयोजित करेगा इन शिविरों में जाति आय आवासीय जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन लेकर त्वरित निष्पादन किया जाएगा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी रामनिवास यादव के निर्देश पर आयोजित होने वाले इन शिविरों का उद्देश्य प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को सरल पारदर्शी और समयबद्ध बनाना है इसके लिए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्र में शिविर आयोजित कराने के निर्देश दिए गए हैं प्रत्येक शिविर में पंचायत सचिव एवं हल्का कर्मी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी, ताकि आवेदन प्राप्त कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए निर्धारित समय के भीतर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया जा सके।

गांधी मैदान में ओपन जिम का उद्घाटन, शहर के अन्य स्थानों पर भी लगेंगे जिम

हजारीबाग (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। शहरवासियों को आधुनिक व्यायाम सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बुधवार को मतवारी स्थित गांधी मैदान में ओपन जिम का उद्घाटन किया गया। जिला प्रशासन एवं एक्सिस बैंक के सीएसआर के सहयोग से स्थापित जिम का उद्घाटन उपायुक्त हेमंत सती, महापौर अरविंद कुमार राणा, उप विकास आयुक्त रिया सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी आदित्य पांडेय, एडीपीओ पंकज तिवारी, वार्ड-12 के पार्षद मिथिलेश सिन्हा तथा एक्सिस बैंक के क्लस्टर

पदाधिकारी राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उपायुक्त हेमंत सती ने कहा कि ओपन जिम लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने शहरवासियों से नियमित रूप से इसका उपयोग करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। महापौर अरविंद कुमार राणा ने कहा कि नगर निगम ने शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर ओपन जिम स्थापित करने का प्रस्ताव जिला प्रशासन को दिया था। उन्होंने बताया कि उपायुक्त को पत्र लिखकर आधा दर्जन स्थानों पर ओपन जिम लगाने का अनुरोध किया गया था, ताकि सुबह-शाम टहलने और व्यायाम करने आने वाले लोगों को आधुनिक फिटनेस सुविधाएं मिल सकें। महापौर अरविंद कुमार राणा ने जिला प्रशासन एवं एक्सिस बैंक के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह पहल "स्वस्थ हजारीबाग, सक्षम हजारीबाग और स्वच्छ हजारीबाग" की परिकल्पना को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में जिला प्रशासन, नगर निगम, एक्सिस बैंक के अधिकारियों के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

बरही चौक के नामकरण व प्रतिमा स्थापना पर उठे सवाल, एसडीओ व बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

बरही (नवबिहार टाइम्स ब्यूरो)। सोमवार को बरही चौक स्थित गोलंबर में अचानक प्रतिमा स्थापना व नामकरण को लेकर आम जनमानस अचंभित हैं । जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया है । इसे लेकर स्थानीय लोगों का एक प्रतिनिधिमंडल एसडीओ जोहान टुडू और बीडीओ जयपाल को ज्ञापन

सौंपकर आपत्ति दर्ज कराई। ज्ञापन में कहा गया है कि बिना आमसभा और सरकार की अधिसूचना के चौक का नामकरण तथा प्रतिमा स्थापित करने की प्रक्रिया संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि बरही चौक पर स्वर्गीय दिशोम गुरु शिवू सोरेन की प्रतिमा स्थापित किए जाने की सूचना मिल रही है, जबकि इस संबंध में अब तक कोई लिखित सरकारी नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है। साथ ही आमसभा भी आयोजित नहीं की गई है। ज्ञापनकर्ताओं ने इसे स्थानीय जनता की भावना के विपरीत बताते हुए प्रतिमा स्थापना की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन से आग्रह किया है कि मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए आमजन की भावनाओं का सम्मान किया जाए तथा किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति से बचने के लिए प्रतिमा स्थापना और नामकरण की प्रक्रिया को तत्काल रोका जाए। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में सांसद प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, विहिप जिला कोषाध्यक्ष नन्द किशोर कुमार, विहिप प्रखंड सह मंत्री कैलाश ठाकुर, प्रदीप कुमार, निरंजन केसरी, सुरेंद्र शर्मा, परमेश्वर यादव, ब्रजेश ठाकुर सहित अन्य लोग शामिल थे।

डीडीसी स्मृता कुमारी ने की रक्तदान अभियान की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिले में स्वैच्छिक रक्तदान को जनआंदोलन का रूप देने और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी की अध्यक्षता में ब्लड डोनेशन अवेयरनेस एवं मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में रक्तदान जागरूकता अभियान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए डीडीसी ने कहा कि रक्तदान महादान है और इसके प्रति आमजन में व्यापक जागरूकता फैलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले में नियमित रूप से रक्तदान जागरूकता

अभियान चलाए जाएं तथा शैक्षणिक संस्थानों औद्योगिक प्रतिष्ठानों सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से अधिक से अधिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएं बैठक में रक्त की उपलब्धता संभावित रक्तदाताओं के पंजीकरण रक्तदान शिविरों के आयोजन और समन्वय व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया, ताकि आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके डीडीसी ने विभागों के बीच बेहतर समन्वय और रेडक्रॉस सोसाइटी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए बैठक में सिविल सर्जन डॉ. बच्चा प्रसाद सिंह जिला नजारत उप समाहर्ता आशुतोष ठाकुर रेडक्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन सोसाइटी के सदस्य तथा स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

15 अगस्त की तैयारियों में जुटा नगर निगम, सफाई और सौंदर्यीकरण कार्यों की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। स्वतंत्रता दिवस को लेकर नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं सोमवार को नगर आयुक्त विजय सिंह बीरूआ ने निगम कार्यालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर शहर में साफ-सफाई सौंदर्यीकरण और महापुरुषों की प्रतिमाओं की देखरेख की तैयारियों का जायजा लिया बैठक में नगर आयुक्त ने निर्देश दिया कि शहर के प्रमुख चौक चौराहों सार्वजनिक स्थलों सरकारी परिसरों और महापुरुषों की प्रतिमाओं के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाए प्रतिमाओं की साफ सफाई रंग रोगन आसपास की व्यवस्था और माल्यार्पण की सभी तैयारियां निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरी करने को कहा गया उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस राष्ट्रीय गौरव का पर्व है, इसलिए शहर को स्वच्छ सुंदर और आकर्षक बनाने में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करते हुए यह सुनिश्चित करें कि 15 अगस्त के अवसर पर नागरिकों को साफ सुथरा और व्यवस्थित वातावरण मिले बैठक में उप नगर आयुक्त अब्दुल समद अर्बन प्लानर मंजूर आलम स्वच्छता निरीक्षक गौरी शंकर यादव साबिर अंसारी निशांत वर्मा अशोक हाड़ी रवि वर्मा शबीर अंसारी प्रवीण हाड़ी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

दिशोम गुरू शिबू सोरेन की पुण्यतिथि पर आज होगा मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। दिशोम गुरू शिबू सोरेन की पुण्यतिथि के अवसर पर मंगलवार, 4 अगस्त को गिरिडीह के झंडा मैदान में 'दिशोम गुरू शिबू सोरेन मेमोरियल फुटबॉल टूनार्मेंट' का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्देश्य दिशोम गुरू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ-साथ युवाओं में खेल भावना को प्रोत्साहित करना और स्थानीय फुटबॉल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है टूनार्मेंट के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू होंगे कार्यक्रम में झामुमो जिला अध्यक्ष संजय सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता भी शामिल होंगे प्रतियोगिता में जिले की

चार प्रमुख टीमें स्टार क्लब गांडेय ताज स्पोर्टिंग क्लब सिकदारडीह फूलो झानो क्लब गिरिडीह तथा लोकल बॉय बेंगाबाद मैदान में उतरेंगी आयोजकों का कहना है कि सभी मुकाबले रोमांचक होंगे और खेल प्रेमियों को उच्चस्तरीय फुटबॉल देखने का अवसर मिलेगा आयोजन को सफल बनाने के लिए झारखंड युवा मोर्चा गिरिडीह के कार्यकर्ता लगातार तैयारियों में जुटे हुए हैं युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष कोलेश्वर सोरेन जिला सह सचिव दिलीप कुमार रजक संगठन सचिव मेहताब मिर्जा प्रखंड सचिव सरफुद्दीन अंसारी जिला सचिव फरदीन इम्तियाज अहमद तथा योगेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी आयोजन की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं आयोजन समिति ने जिले के खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में झंडा मैदान पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने तथा दिशोम गुरू शिबू सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है आयोजकों का कहना है कि यह टूनार्मेंट खेल सामाजिक एकता और युवाओं के उत्साह का प्रतीक बनेगा।

इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने दोस्ती को सेवा से जोड़कर मनाया फ्रेंडशिप डे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सच्ची दोस्ती केवल साथ निभाने का नाम नहीं बल्कि जरूरत के समय एक दूसरे का हाथ थामकर जीवन में खुशियाँ और आत्मविश्वास भरने का नाम है। इसी संदेश को साकार करते हुए इनर व्हील क्लब ऑफ गिरिडीह सनशाइन ने फ्रेंडशिप एंड सर्विस के मूल मंत्र के साथ फ्रेंडशिप डे बड़े ही उत्साह एवं आत्मीयता के साथ मनाया इस अवसर पर क्लब ने मित्रता का उत्सव मनाने के साथ-साथ सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर सिलाई कार्य में दक्ष दो जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन भेंट की ताकि वे

आत्मनिर्भर बनकर सम्मानपूर्वक अपने परिवार का भरण पोषण कर सके लिए साथ ही क्लब परिवार का विस्तार करते हुए अंजू सिन्हा एवं पूजा जमवार का नए सदस्य के रूप में आत्मीय स्वागत किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ क्लब की अध्यक्ष राखी झुनझुनवाला द्वारा फ्रेंडशिप डे के उपलक्ष्य में केक कटवाकर किया गया इसके पश्चात आईएसओ नमिता जमुवार माला जलान नेऔर फर्स्ट प्रेसिडेंट सुमन गौरीसरीया ने सभी सदस्यों को फ्रेंडशिप बैंड बांधने के साथ साथ सच्ची मित्रता के महत्व आपसी विश्वास सहयोग सम्मान एवं सेवा की भावना पर सुंदर एवं प्रेरणादायक विचार साझा किए आयोजित फ्रेंडशिप बैंड डेकोरेशन प्रतियोगिता में विभूति रंजना प्रथम तथा सुमन गुप्ता द्वितीय स्थान पर रहीं वहीं लकी फ्रेंडशिप बैंड प्रतियोगिता की विजेता मनीषा कपिश्वे रहीं सभी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर पीडीसी पुनम सहाय पास्ट प्रेसिडेंट सुमन गौरसरिया उपाध्यक्ष स्मृति आनंद पास्ट प्रेसिडेंट कविता राजगोड़िया आईएसओ नमिता जमुवार कोषाध्यक्ष रश्मि गुप्ता सदस्य माला जालान सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे अंत में सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया यह आयोजन मित्रता सेवा और सामाजिक सरोकारों का सुंदर संगम बनकर सभी के लिए यादगार रहा।

सावन की पहली सोमवारी पर शिवालयों में उमड़ा जनसैलाब

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सावन की पहली सोमवारी पर जिले के सभी छोटे-बड़े शिवालयों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें मंदिरों के बाहर लग गईं हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का गंगाजल, दूध दही शहद बेलपत्र धतूरा और पुष्प अर्पित कर जलाभिषेक किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की कामना की देवघर से लौटे कांवरियों ने भी विभिन्न शिवालयों में जलार्पण कर अपनी मनोकामनाएं मांगीं भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। प्रमुख मंदिरों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे पुलिस बल दंडाधिकारी और स्वयंसेवकों की तैनाती के साथ बैरिकेडिंग एवं कतारबद्ध दर्शन की व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक पूजा-अर्चना की दिनभर मंदिर परिसरों में भजन कीर्तन शंखनाद और घंटियों की मधुर ध्वनि गूंजती रही श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला महिलाओं युवाओं और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में लोगों ने भोलेनाथ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया सावन की पहली सोमवारी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि भगवान शिव के प्रति लोगों की आस्था आज भी अटूट है।

पहली सोमवारी पर बाबा दुखहरण नाथ धाम में शिवभक्तों की सेवा में जुटे कार्यकर्ता

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सावन माह की पहली सोमवारी के अवसर पर प्रसिद्ध बाबा दुखहरण नाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल गिरिडीह के संयुक्त तत्वावधान में कांवरियों और शिवभक्तों की सेवा के लिए विशेष सेवा शिविर का आयोजन किया गया सेवा शिविर में संगठन के कार्यकताओं ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न व्यवस्थाएं संभालीं और पूरे दिन सेवा कार्य में सक्रिय भूमिका निभाई। दूर-दराज से आए कांवरियों और श्रद्धालुओं ने संगठन के इस सेवा भाव की सराहना की कार्यक्रम में राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकारी अध्यक्ष शुभम झा अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिला मंत्री पंकज कन्धवे नगर मंत्री

निकेश बर्णवाल सदर प्रखंड के अंकुश कुमार तथा मजदूर परिषद के जिला महामंत्री राजेंद्र रवानी सहित संगठन के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने श्रद्धालुओं की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोजन को सफल बनाया संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सावन माह में शिवभक्तों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

प्रेमचंद आज भी समाज को दिशा देने वाले साहित्यकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जन संस्कृति मंच जसम गिरिडीह की ओर से गिरिडीह कॉलेज में रविवार को 'प्रेमचंद स्मृति व्याख्यान' के तहत 'साहित्य का उद्देश्य : संदर्भ प्रेमचंद' विषय पर संगोष्ठी, सम्मान समारोह एवं मुशायरा सह कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रेमचंद के साहित्य को सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम बताते हुए उनकी प्रासंगिकता पर विस्तार से विचार रखे संगोष्ठी में विषय प्रवेश कराते हुए गिरिडीह कॉलेज के हिंदी विभाग के प्रोफेसर एवं जसम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. बलभद्र ने कहा कि प्रेमचंद ने प्रगतिशील लेखक आंदोलन को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि साहित्य का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं बल्कि समाज में चेतना और परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करना है। उन्होंने

गिरिडीह के साहित्यिक वातावरण को नई संभावनाओं से भरपूर बताया मुख्य वक्ता डॉ. गुलाम समदानी ने प्रेमचंद से पूर्व उर्दू साहित्य की प्रगतिशील परंपरा और सज्जाद जहीर मौलवी अब्दुल हक तथा जोश मलीहाबादी जैसे साहित्यकारों के योगदान पर प्रकाश डाला वहीं डॉ. शैलेन्द्र कुमार शुक्ल और परिवर्तन पत्रिका के संपादक डॉ. महेश सिंह ने प्रेमचंद के विचारों को उद्धृत करते हुए कहा कि साहित्य समाज और राजनीति के आगे मशाल लेकर चलने वाली शक्ति है कार्यक्रम की अध्यक्षता जसम झारखंड के कार्यकारी अध्यक्ष जावेद इस्लाम ने की जबकि संचालन शंकर पाण्डेय ने किया संगोष्ठी के बाद गिरिडीह के वरिष्ठ कवि प्रदीप कुमार गुप्ता को 'प्रेमचंद स्मृति सम्मान 2026 से सम्मानित किया गया इसके बाद आयोजित मुशायरा सह कवि सम्मेलन का संचालन उर्दू शायर कलीम साजिद ने किया। कार्यक्रम में गगन शाहा नवीन सिन्हा संजय करुणेश शमीम अख्तर हलीम हसद उदय शंकर उपाध्याय भीम कुमार नेतलाल महेश अमन परवेज शीतल सहित अनेक कवियों एवं शायरों ने अपनी रचनाओं का पाठ किया। रचनाओं में समकालीन सामाजिक विषमता लोकतांत्रिक मूल्यों और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दे प्रमुखता से उभरे इस अवसर पर भाकपा माले के जिला सचिव अशोक पासवान सामाजिक कार्यकर्ता रामदेव विश्वबंधु नेहरू युवा केंद्र के अरुण कुमार राजेंद्र त्रिपाठी सहित साहित्य समाज और राजनीति से जुड़े बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर ने मां-बेटे को रौंदा

- गुस्साये लोगों ने किया सड़क जाम
- गंगा स्नान कर लौट रहे थे मां-बेटे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पानगाछी मोड़ के समीप सोमवार को हुए भीषण सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान मटिहानी थाना क्षेत्र के छितरौर गांव निवासी नरेश राय के 25 वर्षीय पुत्र हरिओम कुमार एवं उनकी 50 वर्षीय पत्नी गीता देवी के रूप में हुई है। हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने मटिहानी-बेगूसराय मुख्य सड़क जाम कर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लोगों ने इस मार्ग पर तेज रफ्तार ट्रैक्टरों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की।

बताया जाता है कि नरेश राय का परिवार वर्तमान में बेगूसराय शहर के हेमरा में रहकर जीवन-यापन करता है। सोमवार को हरिओम अपनी मां के साथ बाइक से चाक छितरौर गंगा घाट स्नान करने गए थे। स्नान कर दोनों लौट रहे थे। इसी दौरान पानगाछी मोड़ के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी और दोनों को कुचल दिया।

हादसे में गीता देवी की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गंभीर रूप से घायल हरिओम कुमार को स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें भी मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और सड़क जाम कर दिया। प्रदर्शन कर रहे लोगों का कहना था कि मटिहानी-बेगूसराय सड़क पर दिन-रात तेज रफ्तार ट्रैक्टरों का परिचालन होता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

कई बार प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ। सूचना पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आक्रोशित लोगों को समझाने का प्रयास किया।

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ट्रैक्टर और उसके चालक की पहचान कर कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। घटना के बाद मृतकों के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सर्पदंश से छात्र की मौत

कौआकोल। थाना क्षेत्र के सरौनी गांव में सोमवार को विषैले सांप के डंसने से एक छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान शैलेन्द्र उर्फ वालों पासवान के 15 वर्षीय पुत्र दीपांशु पासवान के रूप में हुई है। वह नवम वर्ग का छात्र था। परिजनों के अनुसार, रविवार की रात दीपांशु घर की छत पर सो रहा था। इसी दौरान किसी विषैले सांप ने उसे डंस लिया, लेकिन उसे इसका आभास नहीं हो सका। सोमवार सुबह उसके मुंह से झाग निकलने लगा, जिसके बाद परिजनों को किसी विषैले जीव के काटने की आशंका हुई। जब उसके पैर की जांच की गई तो वहां सांप के दांत के निशान मिले। इसके बाद परिजन उसे तत्काल पीएचसी कौआकोल ले गए,जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया। नवादा में भी हालत में सुधार नहीं होने पर परिजन उसे बेहतर इलाज के लिए शेखपुरा ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। दीपांशु की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई।

पीके की जीत ने गढ़ा नया समीकरण

छात्र आंदोलन और पेपर लीक मुद्दे का दिखा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार की सबसे चर्चित और हाईप्रोफाइल सीटों में शामिल बांकीपुर का चुनाव परिणाम राज्य की राजनीति में नए समीकरणों की ओर इशारा करता है।

लंबे समय से भाजपा का गढ़ मानी जाने वाली इस सीट पर प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज कर न केवल बड़ा राजनीतिक संदेश दिया, बल्कि यह भी दिखाया कि शहरी क्षेत्रों में भी चुनावी रणनीति, संगठन और स्थानीय मुद्दे पारंपरिक राजनीतिक समीकरणों पर भारी पड़ सकते हैं।

जीत का अंतर बहुत बड़ा नहीं रहा, लेकिन यह परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण और प्रभावशाली जीत माना जा रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर वे कौन से कारण रहे, जिनकी वजह से भाजपा अपने सबसे मजबूत माने जाने वाले शहरी गढ़ को भी बचा नहीं सकी। चुनाव से पहले भाजपा ने पहले अभिषेक सिन्हा 'बंटी' को उम्मीदवार बनाया था, लेकिन उनके चुनाव लड़ने में असमर्थता जताने के बाद पार्टी को अंतिम समय में नीरज सिन्हा को मैदान में उतारना पड़ा। उसमें भी पार्टी की किरकिरी हुई।

उम्मीदवार बदलने के इस फैसले से कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति बनी। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अंतिम समय में प्रत्याशी बदलने से पार्टी को संगठनात्मक और चुनावी दोनों स्तरों पर नुकसान हुआ।

प्रशांत किशोर ने पूरे चुनाव अभियान के दौरान रोजगार, शिक्षा, भ्रष्टाचार, महंगाई और नागरिक सुविधाओं जैसे स्थानीय मुद्दों को लगातार प्रमुखता दी।

प्रशांत किशोर ने चुनाव प्रचार को केवल सभाओं तक सीमित नहीं रखा। वे लगातार मोहल्लों, बाजारों और स्थानीय इलाकों में जनसंपर्क करते रहे।

चुनावी अभियान के दौरान तेजस्वी यादव अपेक्षाकृत कम सक्रिय नजर आए। विदेश से लौटने के बाद अंतिम समय में वे सक्रिय जरूर हुए, लेकिन विपक्षी राजनीति में जो खाली स्थान बना, उसे प्रशांत किशोर ने भरने की कोशिश की। उन्होंने खुद को सरकार के सबसे मुखर आलोचक के रूप में स्थापित किया। सीधा सीएम सम्राट चौधरी को निशाने पर रखा। भाजपा के कई नेताओं के आत्मविश्वास से भरे बयान और चुनावी माहौल को लेकर अति-आश्वस्त रवैये की भी चर्चा रही। कुत्ते-बिल्ली वाले बयान की भी खूब चर्चा रही।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इससे जमीनी स्तर पर संगठन की सक्रियता अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी। दूसरी ओर प्रशांत किशोर की टीम लगातार मतदाताओं के बीच काम करती रही। चुनाव से ठीक पहले नीट प्रश्नपत्र लीक को लेकर छात्रों का आंदोलन चर्चा में रहा। इस दौरान प्रशांत किशोर लगातार छात्रों के समर्थन में सक्रिय दिखे और सरकार तथा भाजपा पर तीखे सवाल उठाते रहे। इससे युवाओं और पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के बीच उनकी स्वीकार्यता बढ़ी।

आने वाले विधानसभा चुनावों में यह जीत प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी के लिए मनोबल बढ़ाने वाली साबित हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

नागपंचमी को ले मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु

बिहारशरीफ। जिले भर में नागपंचमी का पावन पर्व श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही शिव मंदिरों एवं नाग देवता के मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने नाग देवता को दूध, लावा, दूब, पुष्प और फल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा तथा संतान की लंबी आयु की कामना की।ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरा के अनुसार घरों के मुख्य द्वार और आंगन में नाग देवता के प्रतीक चित्र बनाकर उनकी विधिवत पूजा की गई। महिलाओं ने व्रत रखकर लोकगीत गाए तथा परिवार की खुशहाली की मंगलकामना की। कई स्थानों पर धार्मिक अनुष्ठान, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।पौराणिक मान्यता के अनुसार नागपंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से कालसर्प दोष, भय और संकटों से मुक्ति मिलती है तथा जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का वास होता है। इसी आस्था के कारण हर वर्ष यह पर्व पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है।मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर स्थानीय प्रशासन एवं स्वयंसेवकों की भी तैनाती रही। पर्व को लेकर बाजारों में पूजा सामग्री, दूध, मिठाई और फूलों की दुकानों पर दिनभर चहल-पहल बनी रही। नागपंचमी के इस पावन अवसर पर जिले में धार्मिक वातावरण देखने को मिला और लोगों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं।

बाबा अभयनाथ धाम में भव्य गंगा आरती

हिलसा। नगर परिषद क्षेत्र स्थित बाबा अभयनाथ धाम मंदिर सह मानव सेवा आश्रम में सोमवार की रात भव्य गंगा आरती का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। गंगा आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। रात मंदिर परिसर स्थित तालाब के किनारे आयोजित आरती में श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव के साथ भाग लिया।वैदिक मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच पंडितों ने विधि-विधान से मां गंगा और भगवान शिव की आराधना कराई। दीप प्रज्वलन के साथ हुई भव्य गंगा आरती ने पूरे परिसर को आध्यात्मिक आभा से आलोकित कर दिया। श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर हर-हर महादेव और जय मां गंगे के जयकारे लगाते रहे। आरती के दौरान श्रद्धालुओं ने क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। दीपों की मनमोहक रोशनी और भक्ति संगीत से पूरा बाबा अभयनाथ धाम परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। गंगा आरती की भव्यता देखने के लिए देर रात तक श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटी रही।

एसपी ने किया लूटकांड का निरीक्षण

नगरनौसा (नालंदा)। नालंदा एसपी भरत सोनी सोमवार की संध्या नगरनौसा थाना क्षेत्र के महमदपुर गांव पहुंच एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र में हुई लूट की घटना का जायजा लिया। उन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया तथा पुलिस अधिकारियों से अब तक की जांच और कार्रवाई की जानकारी प्राप्त की। गौरतलब है कि शनिवार की दोपहर महमदपुर गांव स्थित एसबीआई के ग्राहक सेवा केंद्र में चार हथियारबंद अपराधियों ने गन पॉइंट पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। अपराधियों ने सीएसपी संचालक को पिस्तौल के बल पर बंधक बनाकर करीब पांच हजार रुपये नकद और एक लैपटॉप लूट लिया था। घटना को अंजाम देने के बाद सभी बदमाश मौके से फरार हो गए थे।निरीक्षण के दौरान एसपी भरत सोनी ने घटनास्थल पर मौजूद पुलिस अधिकारियों को मामले के हर पहलू की गहन जांच करने तथा तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की शीघ्र पहचान कर गिरफ्तारी सुनि■त करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि लूट की घटना में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा और जल्द ही पूरे गिरोह का पदार्फाश किया जाएगा।एसपी ने आसपास के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली तथा सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और अन्य उपलब्ध सुरागों के आधार पर जांच को तेजी से आगे बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाने और बैंक एवं ग्राहक सेवा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने पर भी जोर दिया।मौके पर डीबाई एसपी रंजन कुमार, चंडी सर्किल इंस्पेक्टर चंदन कुमार सिंह,चंडी थानाध्यक्ष अखिलेश झा,नगरनौसा थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा आदि उपस्थित थे।

ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

शिवाजीनगर (समस्तीपुर)। सावन माह के प्रथम सोमवार को शिवाजीनगर प्रखंड पूरी तरह शिवमय हो उठा। सुबह से ही क्षेत्र के प्रमुख शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। विशेष रूप से बंधार स्थित प्राचीन बाबा ओंकारेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर परिसर और आसपास का वातावरण ₹ॐ नमः शिवाय₹, ₹हर-हर महादेव₹ और ₹बम-बम भोले₹ के जयघोष से गुंजायमान रहा।

मान्यता है कि बंधार स्थित बाबा ओंकारेश्वर नाथ के दरबार में सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने और गंगाजल अर्पित करने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में कांवरिए और श्रद्धालु सिमरिया धाम से पवित्र गंगाजल लाकर बाबा का जलाभिषेक करने पहुंचे। सुबह ब्र■ मुहूर्त से ही श्रद्धालुओं का मंदिर पहुंचना शुरू हो गया, जो दिनभर जारी रहा।

शिवाजीनगर प्रखंड के बंधार, करियन, बल्लीपुर, रहटोली, भटोरा, मथुरापुर, डुमरा मोहन, शंकरपुर, राजौर, रामभद्रपुर, रानीपरती, जखर, धरमपुर, दासौत, घिवाही, परसा, दहिया, रहियार नॉर्थ और रहियार साउथ सहित आसपास के अनेक गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचे। महिलाओं, पुरुषों, युवाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। कई श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में भजन-कीर्तन करते हुए मंदिर पहुंचे।

मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर स्थानीय समिति एवं स्वयंसेवकों द्वारा व्यवस्था की गई थी। जलाभिषेक के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव से परिवार की सुख-समृद्धि, अच्छी वर्षा, उत्तम स्वास्थ्य और क्षेत्र में शांति एवं खुशहाली की कामना की।

डीसी ने गुरुजी रात्रि पाठशाला का किया निरीक्षण

प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से किया संवाद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। सोमवार शाम उपायुक्त अजय नाथ झा ने जोधाडीह स्थित राम रूद्र सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालय परिसर में संचालित गुरुजी रात्रि पाठशाला का निरीक्षण कर यहां रेलवे सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन की व्यवस्था, उपलब्ध सुविधाओं एवं उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना।

इस क्रम में विद्यार्थियों ने अध्ययन के दौरान आने वाली विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं एवं आवश्यक सुविधाओं से उपायुक्त को अवगत कराया। इस पर उपायुक्त ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं त्वरित समाधान सुनि■त करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने कहा कि गुरुजी रात्रि पाठशाला में अध्ययनरत विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं अनुकूल अध्ययन वातावरण उपलब्ध कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने वाई-फाई सुविधा को शीघ्र सुदृढ़ एवं निर्बाध रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों को ऑनलाइन अध्ययन सामग्री एवं डिजिटल संसाधनों का अधिकतम लाभ मिल सके।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने वर्तमान वाटर प्यूरीफायर के स्थान पर अधिक क्षमता वाला वाटर प्यूरीफायर स्थापित करने का निर्देश दिया, जिससे सभी विद्यार्थियों को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो सके। साथ ही, उन्होंने गुरुजी रात्रि पाठशाला परिसर में कैंटीन का संचालन शीघ्र प्रारंभ कराने का भी निर्देश दिया, ताकि

विद्यार्थियों को अध्ययन के दौरान आवश्यक खाद्य एवं अल्पाहार की सुविधा मिल सके।

डीसी ने निरीक्षण के दौरान कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन की स्मृति में उनकी प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर गुरुजी रात्रि पाठशाला का संचालन मंगलवार से देर रात्रि तक होगी।

इसको लेकर मंगलवार को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों की भी डीसी ने समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनि■त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि देर रात्रि तक गुरूजी रात्रि पाठशाला का संचालन प्रारंभ होने से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी निर्बाध रूप से अध्ययन कर सकेंगे और उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध होगा।

परीक्षा को लेकर चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

छात्रों को होगी सहूलियत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। 16 दिन तक चलने वाली रेलवे भर्ती बोर्ड बोर्ड की लेवल-1 सीबीटी परीक्षा में परीक्षार्थियों की भीड़ को देखते हुए पूर्व रेलवे ने भागलपुर और किऊल के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन के साथ ही एक और परीक्षा स्पेशल ट्रेन 08601/02 रांची से सबौर तक चलाएगी।

दो स्पेशल ट्रेनों के संचालन से परीक्षार्थियों को सहूलियत होगी। ट्रेन में चढ़ने के लिए मारामारी नहीं करनी पड़ेगी। ट्रेन संख्या 08601 रांची-सबौर स्पेशल ट्रेन रांची से शाम सात बजे चलेगी और दूसरे दिन आठ बजे भागलपुर पहुंचेगी।

रांची से यह ट्रेन 03, 04, 05, 06, 09, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 20, 21 अगस्त को (कुल 15 ट्रिप) चलेगी।

वहीं, ट्रेन नंबर 08602 सबौर-रांची स्पेशल ट्रेन सबौर से 9.50 बजे चलेगी और उसी दिन 8.45 बजे रांची पहुंचेगी। सबौर से यह ट्रेन 04, 05, 06, 07, 10 11, 12, 13, 14, 15, 18, 19, 20, 21, 22 अगस्त (15 ट्रिप) चलेगी।

भागलपुर, अजगैवीनाथ धाम (सुल्तानगंज), जमालपुर और अभयपुर स्टेशन पर दोनों दिशाओं में ट्रेन का ठहराव दिया है। इस ट्रेन में जनरल और स्लीपर कोच जोड़ा गया है। दूसरी ओर, भागलपुर और किऊल के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन 03409 भागलपुर■किऊल एग्जामिनेशन स्पेशल (बिना आरक्षण वाली) ट्रेन भागलपुर से शाम 7:30 बजे चलेगी और रात 10:30 बजे किऊल पहुंचेगी। यह ट्रेन 03, 04, 05, 06, 09, 10, 11, 12, 13, 14, 17, 18, 19, 20, 21, 25 अगस्त को (कुल 16 फेरे) चलेगी।

अवकाश प्राप्त प्राचार्य डॉ. कृष्णदेव पासवान के निधन पर शोकसभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा औरंगाबाद। हसपुरा प्रखंड के रामदेव प्रसाद सैनिक महिला महाविद्यालय के अवकाश प्राप्त प्राचार्य कृष्ण देव पासवान का रविवार को निधन हो गया। उनके निधन पर महिला महाविद्यालय सहित कई स्थानों पर शोकसभा का आयोजन किया गया। महिला महाविद्यालय में आयोजित शोकसभा की अध्यक्षता प्रोफेसर नित्यानंद प्रसाद ने की। इसमें शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी शामिल हुए। उपस्थित सभी शिक्षकों व कर्मचारियों ने दिवंगत कृष्ण देव पासवान के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार, महेंद्र कुमार, बृजनंदन सिंह और धनराज पासवान ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कृष्ण देव पासवान एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे। उन्होंने जीवन भर शिक्षा को बढ़ावा देने का कार्य किया और हमेशा महाविद्यालय के विकास के बारे में सोचते रहे। प्रोफेसर नित्यानंद प्रसाद ने कहा कि भले ही वे हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी सोच हमेशा प्रेरणादायक रहेगी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

दूसरी ओर, हसपुरा ब्लॉक कैंपस स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में भाजपा उत्तरी मंडल की ओर से भी शोकसभा का आयोजन किया गया। भाजपा उत्तरी मंडल अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना, वीरेंद्र कुमार, नंदन यादव, धर्मेंद्र कुमार लाला, संतोष शर्मा और सुरेश प्रसाद आर्य ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि कृष्ण देव पासवान भाजपा के पूर्व अध्यक्ष रह चुके थे और उन्होंने पार्टी में मजबूती से काम किया था।

इसके अतिरिक्त, सरदार वल्लभ भाई पटेल पुस्तकालय में चंद्रेश पटेल की अध्यक्षता और फैज अहमद फैज के संचालन में एक और शोकसभा आयोजित की गई।

अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या

- लोगों ने लगाया दुष्कर्म के प्रयास का आरोप
- घर से घसीटकर 300 मीटर दूर ले गए आरोपी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुमारडुंगी। प■म सिंहभूम जिले के कुमारडुंगी थाना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को ठेंगा दिखाने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। गंडकिदा गांव में दंपती की कुल्हाड़ी से हत्या के मामले का खुलासा हुए महज दो दिन ही बीते थे कि पतारहातु गांव के बारुसाई टोला में भीड़ ने मॉब लिंचिंग की वारदात को अंजाम दे दिया।

ग्रामीणों ने 53 वर्षीय कुंडिया सिंकु पर एक महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाते हुए पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

हालांकि, पुलिस ने दुष्कर्म के प्रयास के इस आरोप की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है और मामले की पड़ताल जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब छह बजे कुंडिया सिंकु अपने घर पर बैठा था। इसी दौरान गांव के ही 10 से 12 लोग उसके घर धमके।

आरोप है कि हमलावरों ने उसे जबरन घर से बाहर निकाला और घसीटते तथा मारपीट करते हुए करीब 300 मीटर दूर कुशनु हेम्ब्रम के नवनिर्मित मकान के पास ले गए। वहां आरोपियों ने लाठी-डंडों से उस पर बेरहमी से हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पिटाई इतनी भयावह थी कि कुंडिया सिंकु ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हत्याकांड को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी शव को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गए। मृतक का शव पूरी रात कुशनु हेम्ब्रम के नवनिर्मित मकान के आंगन में अर्धनग्न अवस्था में पड़ा रहा।

सोमवार सुबह जब कुंडिया सिंकु रातभर घर नहीं लौटा, तो उसकी पत्नी तलाश में निकली। खोजबीन करते हुए वह आंगन तक पहुंची, तो वहां पति का रक्तरंजित शव देख स्तब्ध रह गई।

घटना की खबर फैलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर जुट गए, जिससे गांव में भारी तनाव व्याप्त हो गया। घटना के बाद मृतक के बड़े बेटे रघुनाथ सिंकु ने कुमारडुंगी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंचे और साक्ष्य जुटाने शुरू किए। हालांकि, परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए उठाने से साफ इनकार कर दिया। परिजनों की मांग थी कि जब तक सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे शव नहीं ले जाने देंगे। इतना ही नहीं, परिजनों ने एक अनोखी शर्त रखी कि जिन लोगों ने हत्या की है, उन्हीं के घरों से चारपाई लाकर शव को उठाया जाए तथा अंतिम संस्कार का पूरा खर्च और व्यवस्था भी आरोपी ही वहन करें।

घटनास्थल पर काफी देर तक गतिरोध और तनाव का माहौल बना रहा, जिसे शांत कराने में पुलिस जुटी रही। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वारदात स्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र कर लिए गए हैं।

समारोह आयोजित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। बहेड़ी रोड स्थित होली पार्क स्कूल बहेड़ी में विद्यालय के संस्थापक रामदेव बाबू की जयंती के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विद्यालय परिवार द्वारा संस्थापक के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शैक्षणिक योगदान को याद किया गया इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को सप्रेम कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही सत्र 2025-26 में अपने-अपने वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल, मोमेंटो एवं कलम देकर प्रोत्साहित किया गया सम्मान समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व प्राचार्य लाल बाबू पटेल ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन वर्तमान प्राचार्य दिवाकर कुमार ने किया।

जनगणना को ले प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को जनगणना 2027 की तैयारियों को लेकर पंचायत सचिवों एवं राजस्व कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण की अध्यक्षता बीडीओ वीरेंद्र कुमार सिंह ने की। प्रशिक्षण के दौरान बीडीओ ने कहा कि जनगणना देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न सरकारी योजनाओं का निर्माण और क्रियान्वयन किया जाता है। उन्होंने सभी पंचायत सचिवों एवं राजस्व कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे जनगणना से संबंधित सभी दिशा-निर्देशों का गंभीरता से पालन करें तथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी कार्यों को पूरी जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ संपन्न करें।

प्रशिक्षक के रूप में शिक्षक मृत्युंजय कुमार सिंह, उमेश प्रसाद राय एवं सोहन कुमार चौधरी ने प्रतिभागियों को जनगणना की प्रक्रिया, प्रपत्रों के सही तरीके से भरने, परिवार एवं मकानों के विवरण के संकलन, डिजिटल प्रणाली के उपयोग तथा आंकड़ों की शुद्धता पर जोर दिया।

उपचुनाव परिणाम देश की राजनीति को नई दिशा देगा : प्रो. विजय कुमार मि■

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। बिहार, मध्यप्रदेश एवं गुजरात में हुए विधानसभा उपचुनाव में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन क्षेत्र भाजपा शासित बिहार के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र तथा मध्यप्रदेश के दतिया विधानसभा क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवारों को बुरी तरह हारना आमजनों के बदलाव की ज्वालामुखी जिसके आगे धन, बल, सत्ता, धर्म, कोई भी चीज आड़े नहीं आया।

उपर्युक्त बातें बिहार प्रदेश कॉंग्रेस कमिटी के प्रदेश प्रतिनिधि प्रोफेसर विजय कुमार मि■, पूर्व विधायक मोहम्मद खान अली, जिला कॉंग्रेस उपाध्यक्ष बाबूलाल प्रसाद सिंह, दामोदर गोस्वामी, राम प्रमोद सिंह, टिंकू गिरी, सुनील कुमार पासवान, मुन्ना मांझी आदि ने कहा कि देश के विधानसभा उपचुनाव परिणाम पर मुख्य रूप से लोकतंत्र, शिक्षा, आस्था जैसे जमीनी जज्बातों से खिलवाड़ करने यानी वोट चोरी, पेपर चोरी, चंदा चोरी जैसे कुकृत्य 12 वर्षों की मोदी सरकार में होते, ऐसा ज्वालामुखी फूटी जिसके खिलाफ देश के छात्र, युवा, किसान, मजदूर, आमजनों का विशाल आंदोलन का परिणाम है।

पेपर लीक का आंदोलन जिस प्रकार दिल्ली के जंतर-मंतर से बिहार के राजनीतिक के सबसे उर्वरा भूमि से ऐसा ज्वाला फूटा की केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा, तथा आज तक संसद से सड़क तक लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष छात्रों के आवाज राहुल गांधी अब देश के गृहमंत्री के भी इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, जिसके समर्थन में देश भर में उबाल है, क्योंकि वर्षो बाद भाजपा ने इस्तीफा देने का परम्परा शुरू किया है । नेताओं ने कहा कि देश के गृह मंत्री के रूप में अमित शाह के रहते हुए कितने बार देश के किसानों, मजदूरों, छात्रों, युवाओं, कर्मचारियों पर पुलिस की बर्बरतापूर्ण कार्रवाई की गई है।

महिला को थूक चटाने का वीडियो वायरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। बलिया नगर परिषद क्षेत्र में एक महिला से कथित तौर पर सरेआम थूक चटवाए जाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस-प्रशासन हरकत में आ गया है। पीड़िता के बयान पर बलिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि दो माह पूर्व 2 एवं 4 जून को मोहल्ले के एक पड़ोसी युवक ने उसके घर में घुसकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

महिला का कहना है कि घटना के दौरान आरोपित खिड़की के रास्ते भागने का प्रयास कर रहा था, तभी ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया। इसके बाद कथित रूप से महिला को पंचायत में सार्वजनिक रूप से थूक चटवाकर अपमानित किया गया।

महिला ने बताया कि उसका पति बाहर मजदूरी करता है। घर में अकेली होने के कारण वह तत्काल विरोध या शिकायत दर्ज कराने का साहस नहीं जुटा सकी। पति के घर लौटने के बाद उसने थाना पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए डीएसपी सुबोध कुमार एवं थानाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू की।

बेगूसराय मुख्यालय डीएसपी निखिल कुमार ने बताया कि प्रसारित वीडियो की सत्यता का सत्यापन किया जा रहा है।

आद्रा मंडल के तहत विविध संविदाओं के लिए ई-नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा नीचे उल्लेखित संविदाओं के लिए ई-नीलामियां आमंत्रित की जाती हैं: **श्रेणी; नीलामी सूचीपत्र सं.; लॉट सं./श्रेणी; नीलामी शुरू; नीलामी बंद होने की तारीख/समय:** ● **पे एंड यूज;** पेएनयू37; **(i)** पीएनयू-आद्रा-बीकेएससी-टीओआई-59-26-1 (पे एंड यूज-शौचालय); 17.08.2026, 12:00:00 बजे; 17.08.2026, 12:30:00 बजे, **(ii)** पीएनयू-आद्रा-बीकेएससी-टीओआई-47-25-3 (पे एंड यूज-शौचालय); 17.08.2026, 12:00:00 बजे; 17.08.2026, 12:40:00 बजे। ● **कैटरिंग;** सीएटीजी54; सीएटीजी-आद्रा-सीडीजीआर-जीएमयू-96-26-1 (कैटरिंग जनरल माइनर यूनिट (जीएमयू)); 20.08.2026, 12:00:00 बजे; 20.08.2026, 12:30:00 बजे। ● **एमपीएस;** सीएटीजी55; एमपीएस-आद्रा-पीआरआर-एमपीएस-10-26-1 (एमपीएस-बहु उद्दशीय स्टॉल); 21.08.2026, 12:00:00 बजे; 21.08.2026, 12:30:00 बजे। **टिप्पणी:** प्रस्तावित बोलीदाताओं से आईआरईपीएस वेबसाइट (**www.ireps.gov.in**) पर ई-नीलामी प्रारूप देखने का अनुरोध किया जाता है। पूछताछ/स्पष्टीकरण, यदि कोई हो, के लिए कृपया अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से सम्पर्क करें।

(PR-564) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

C M Y K

राष्ट्रीय लोक अदालत में वादों के निष्पादन को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली एवं बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निर्देश के आलोक में विद्वान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा के निर्देश पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार के प्रकोष्ठ में 3 अगस्त 2026 को एक बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में नवादा न्यायमंडल के सभी न्यायालयों में लंबित सुलहनीय वन वादों, खनन वादों, श्रम वादों एवं माप-तौल वादों का अधिक से अधिक सुलह के आधार पर निष्पादन करने के संबंध में चर्चा की गई। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार द्वारा बैठक में उपस्थित वन विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी प्रकार के सुलहनीय मामलों में पक्षकारों को नोटिस निर्गत करें तथा वन विभाग, श्रम विभाग, माप-तौल विभाग एवं खनन विभाग के सुलहनीय लंबित वादों की सूची जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा कार्यालय में दाखिल की जाए, ताकि अधिक से अधिक सुलहनीय मामलों के निष्पादन हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा सके। इस मौके पर सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, नवादा अरविन्द कुमार के अतिरिक्त वन विभाग के रेंजर, निरीक्षक, माप-तौल विभाग एवं खनन विभाग के प्रतिनिधि, श्रम अधीक्षक के प्रतिनिधि तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, स्थायी लोक अदालत, नवादा के सहायक सुशील कुमार उपस्थित हुए।

जनसुनवाई के माध्यम से आमजनों की समस्याओं का हो रहा त्वरित निष्पादन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। बिहार सरकार के सात निश्चय-3 के सातवें निश्चय "सबका सम्मान-जीवन आसान" का मुख्य उद्देश्य राज्य के सभी नागरिकों के दैनिक जीवन में आने वाली कठिनाइयों को कम कर उनके जीवन को अधिक सरल, सहज एवं सम्मानजनक बनाना है। इस निश्चय के अंतर्गत यह सुनिश्चित किया गया है कि आमजनों को सरकारी कार्यालयों से संबंधित कार्यों के निष्पादन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उक्त उद्देश्य की प्राप्ति हेतु प्रत्येक सप्ताह सोमवार एवं शुक्रवार को जिले के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई की व्यवस्था लागू की गई है। जिला पदाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना गया तथा उनके त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन हेतु आवश्यक कार्रवाई की गई। जिला स्तर पर जनसुनवाई का आयोजन जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देश के आलोक में जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी शम्भू शरण पाण्डेय की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया। इस जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों द्वारा कुल 15 शिकायतें दर्ज कराई गईं। कार्यक्रम के दौरान जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को संबंधित विभागीय अधिकारियों को जांचोपरांत आवश्यक कार्रवाई हेतु अग्रसारित किया गया। जनसुनवाई के दौरान थाना वारिसलीगंज, ग्राम मिरचक के शशिभूषण कुमार द्वारा मनरेगा से संबंधित, थाना अकबरपुर, ग्राम छोटकी अमावां की रौशन आरा द्वारा भूमि विवाद से संबंधित तथा थाना नारदीगंज, ग्राम सहजपुरा के बालेश्वर चौहान द्वारा मुआवजा से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य परिवादियों द्वारा भी विभिन्न प्रकार की शिकायतें दर्ज कराई गईं। जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी एवं नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। इसी क्रम में नवादा सदर एवं रजौली अनुमंडल सहित जिले के ग्राम पंचायत, थाना, अंचल, प्रखंड, अनुमंडल एवं जिला स्तर के सभी सरकारी कार्यालयों में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया।

बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से किसान की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नारदीगंज (नवादा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत वनगंगा-डोहरा मार्ग पर सोमवार की सुबह एक हादसा हो गया। चौरमा स्थित प्राथमिक विद्यालय के समीप अनियंत्रित बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आने से 70 वर्षीय किसान मोती यादव की मौत हो गई। घटना के बाद ट्रैक्टर पलट गया प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक अपने घर के निकट मूत्र त्याग के लिए सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें कुचल दिया। हादसे की खबर फैलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने बालू के अवैध व अनियंत्रित उठाव पर रोक लगाने और वनगंगा चौक पर चेकपोस्ट की मांग को लेकर शव के साथ लगभग दो घंटे तक सड़क जाम रखा। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष राजेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों को कार्रवाई और माइनिंग विभाग के समन्वय से चेकपोस्ट की व्यवस्था का आश्वासन देकर शांत कराया। ट्रैक्टर को जब्त कर चालक शरण कुमार (सांगोवर निवासी) को गिरफ्तार कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेज दिया गया है। मूल रूप से बरियो गांव के रहने वाले मोती यादव चौरमा में रहकर खेती-बाड़ी से अपने तीन पुत्रों और एक पुत्री के परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। इस घटना ने क्षेत्र में बालू परिवहन से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए है।

'सखी वार्ता' आयोजित, दहेज निषेध, पॉश अधिनियम एवं साइबर सुरक्षा पर महिलाओं को किया जागरूक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। महिला एवं बाल विकास निगम, समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत जिला हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन, नवादा द्वारा 3 अगस्त 2026 को आकाश जीविका महिला विकास स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड, नवादा सदर में 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान के तहत 'सखी वार्ता' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को उनके अधिकारों, कानूनी संरक्षण, सरकारी योजनाओं तथा सुरक्षा संबंधी विषयों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में मयंक प्रियदर्शी ने दहेज प्रतिषेध अधिनियम, 1961 की जानकारी देते हुए बताया कि दहेज लेना, देना अथवा उसकी मांग करना दंडनीय अपराध है। उन्होंने दहेज उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए ऐसी स्थिति में तत्काल पुलिस एवं संबंधित विभाग से संपर्क करने की अपील की। वित्तीय साक्षरता विशेषज्ञ अमन कुमार ने कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न (पॉश एक्ट), 2013 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी तथा महिलाओं को सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्यस्थल के अधिकार के प्रति जागरूक किया। लैंगिक विशेषज्ञ पंकज कुमार ने घरेलू हिंसा, बाल विवाह, लैंगिक भेदभाव एवं महिला अधिकारों पर जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी प्रकार की हिंसा की स्थिति में महिलाएं महिला हेल्पलाइन-181 का उपयोग कर सकती हैं। वहीं, वन स्टॉप सेंटर की केस वर्कर दीपा चौधरी ने महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर एवं सामाजिक पुनर्वास कोष के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।

अवैध पार्किंग एवं अनियमित वाहन परिचालन के विरुद्ध विशेष जांच अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

नवादा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र में सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला परिवहन पदाधिकारी रंजीत कुमार के नेतृत्व में अवैध वाहन पार्किंग एवं अनियमित वाहन परिचालन के विरुद्ध विशेष जांच अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सद्भावना चौक सहित विभिन्न चौक-चौराहों पर बड़े बसों एवं ट्रकों की पार्किंग की सघन जांच की गई। इस अवसर पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अभियंता भी उपस्थित रहे। जांच के क्रम में एनएच-20, सर्विस रोड एवं राष्ट्रीय राजमार्ग पर किए गए अतिक्रमण तथा अवैध वाहन पार्किंग का निरीक्षण किया गया। बस, टेम्पो एवं टोटो चालकों को सुरक्षित एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात नियमों का पालन करने तथा निर्धारित स्थलों पर ही वाहन पार्किंग एवं परिचालन करने के संबंध में जागरूक किया गया। अभियान के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा आठ वाहनों के विरुद्ध शमन की कार्रवाई करते हुए 19,000 का चालान किया गया, जबकि पूरी जांच टीम द्वारा कुल 13 वाहनों से 27,500 की शमन राशि वसूल की गई। उल्लेखनीय है कि शहीद भगत सिंह चौक के समीप जिला परिषद की खाली पड़ी भूमि पर संचालित अवैध बस पार्किंग एवं बस परिचालन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए दो वाहनों से शमन राशि वसूल की गई। साथ ही संबंधित वाहन संचालकों को सख्त निर्देश दिया गया कि सभी बसों का परिचालन एवं पार्किंग केवल निर्धारित बस पड़ाव से ही किया जाए। जिला पदाधिकारी के निर्देशानुसार एनएच-20 एवं सर्विस रोड पर अवैध वाहन पार्किंग, अतिक्रमण एवं अनियमित वाहन परिचालन के विरुद्ध विशेष अभियान भी संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 05 अगस्त से 11 अगस्त 2026 तक मस्तानगंज से खरांट मोड़, 17 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक रामदेव मोड़ से मस्तानगंज तथा 22 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक हरदिया से रामदेव मोड़ के बीच सघन जांच अभियान चलाया जाएगा।

एक नजर

सरकारी दफ्तरों में की गई जनसमस्याओं की सुनवाई

कौआकोल। कौआकोल में विभिन्न सरकारी दफ्तरों में जनसमस्याओं की सुनवाई के लिए अधिकारी एवं अन्य कर्मी मौजूद रहे। प्रखंड कार्यालय में बीडीओ डा. अखिलेश कुमार,थाना में थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर अनील कुमार सिंह,अंचल कार्यालय में सीओ चंदन चौधरी, बीआरसी में प्रभारी बीईओ अजित कुमार,पंचायती राज में बीपीआरओ शमा बानो,बिजली कार्यालय में विभाग के कनीय अभियंता अनीश कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने आम लोगों से उनकी समस्याओं को सुना। बता दें कि जनसुनवाई के लिए लगाए गए इस शिविर में सबसे अधिक भूमि, पेंशन तथा जनवितरण से संबंधित मामले पहुंचे। शिविर के दरम्यान अधिकारियों द्वारा सरल समस्याओं को ऑन स्पॉट निष्पादन किया गया। जबकि जटिल समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित कागजात के साथ अगली तिथि को उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

पाली पंचायत में सहयोग शिविर 5 अगस्त को

कौआकोल। प्रखंड के पाली पंचायत में सहयोग शिविर का आयोजन मंगलवार की जगह 5 अगस्त बुधवार को किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार ने बताया कि मंगलवार को चेहल्लुम का अवकाश रहने के कारण शिविर का आयोजन मंगलवार की जगह बुधवार को होगा। शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान पेंशन, राशन कार्ड, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन स्वीकार किए जाएंगे तथा पात्र लाभार्थियों को आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी। बीडीओ ने सभी ग्रामीणों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ समय पर शिविर में पहुंचकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और अपनी समस्याओं का समाधान कराएं। शिविर के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को सरकारी सेवाओं का लाभ देने का प्रयास किया जाएगा।

33 केवी लाइन के मेंटेनेंस को लेकर पाली फीडर की बिजली तीन घंटे रहेगी बंद

कौआकोल। वारिसलीगंज के बासोचक स्थित 132/33 केवी ग्रिड में विद्युत लाइन के निर्धारित मेंटेनेंस कार्य के कारण पाली फीडर से जुड़े क्षेत्रों में मंगलवार को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी देते हुए कौआकोल के कनीय विद्युत अभियंता अनीश कुमार ने बताया कि 33 हजार वोल्ट लाइन पर आवश्यक रखरखाव कार्य किया जाना है। इस कारण सुरक्षा की दृष्टि से पाली फीडर की विद्युत आपूर्ति निर्धारित अवधि तक बंद रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वे निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए अपने आवश्यक कार्य पहले ही पूरा कर लें तथा विभाग के मेंटेनेंस कार्य में सहयोग करें। मेंटेनेंस कार्य पूरा होने के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

4 अगस्त का सहयोग शिविर अब 5 अगस्त को आयोजित होगा

नवादा। बिहार सरकार के निर्देशानुसार प्रत्येक माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को नवादा जिले के प्रखंड अंतर्गत पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डों में सहयोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है। निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार यदि प्रथम अथवा तृतीय मंगलवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित रहता है, तो सहयोग शिविर का आयोजन अगले कार्य दिवस को पूर्व निर्धारित स्थल पर किया जाता है। इसी क्रम में 04 अगस्त 2026 (मंगलवार) को आयोजित होने वाला सहयोग शिविर चेहल्लुम के अवसर पर घोषित सार्वजनिक अवकाश के कारण अब 05 अगस्त 2026 (बुधवार) को पूर्व निर्धारित पंचायतों एवं नगर निकायों के वार्डों में आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी रवि प्रकाश ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में सहयोग शिविर के सफल आयोजन हेतु सभी आवश्यक तैयारियां एवं व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करें।

नालंदा

79वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों को लेकर डीएम सक्रिय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों और विभिन्न विभागों के लंबित मामलों के समयबद्ध निष्पादन को लेकर सोमवार को समाहरणालय स्थित न्यू एनआईसी सभाकक्ष में जिलाधिकारी उदिता सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों को जवाबदेही के साथ योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।जिलाधिकारी ने सहयोग पोर्टल पर 60 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संबंधित सभी मामलों को समय पर मुख्यालय भेजने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिला स्तर पर किसी भी प्रकार की अनावश्यक लंबितता स्वीकार्य नहीं होगी।बैठक में राशन कार्ड निर्माण, हर घर नल का जल योजना के लंबित भुगतान, अभियान बसेरा-2 तथा डिग्री कॉलेज के लिए भूमि उपलब्ध कराने की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कम प्रगति वाले क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर राशन कार्ड निर्माण में तेजी लाने और डिग्री कॉलेज के लिए बेहतर सड़क एवं परिवहन सुविधा वाली भूमि का चयन करने का निर्देश दिया।स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए डीएम ने बताया कि तिरंगा यात्रा तीन चरणों में आयोजित होगी। 11 अगस्त को प्रखंड स्तर, 12 अगस्त को जिला स्तर तथा 13 अगस्त को पटना में राज्य स्तरीय तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर घर तक तिरंगा पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही विद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में स्लोगन लेखन, चित्रकला, सेल्फी प्रतियोगिता, सामूहिक वंदे मातरम् गायन सहित विभिन्न राष्ट्रभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उत्कृष्ट प्रतिभागियों को जिला स्तर पर सम्मानित भी किया जाएगा।इसके अलावा समाहरणालय से कारगिल पार्क तक भव्य तिरंगा यात्रा निकालने, स्वतंत्रता सेनानियों पर वॉल पेंटिंग कराने तथा सभी सरकारी कार्यालयों में नियमानुसार राष्ट्रीय ध्वज फहराने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने लोक शिकायत, न्यायालयीन मामलों एवं अन्य विभागीय कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बनाकर एक करोड़ की लूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। दीपनगर थाना क्षेत्र के देवीसराय मोहल्ले में रविवार देर रात हथियारबंद और नकाबपोश बदमाशों ने खाद व्यवसायी राजीव रंजन कुमार के घर में धावा बोलकर परिवार को बंधक बना लिया। करीब एक घंटे तक बदमाशों ने घर में उत्पात मचाया और लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य की नकदी व आभूषण लूटकर फरार हो गए। परिजनों के अनुसार, रात करीब एक बजे छत के रास्ते घर में घुसे बदमाशों ने सबसे पहले व्यवसायी के माता-पिता को बंधक बनाया। इसके बाद दूसरे तल्ले पर पहुंचकर पूरे परिवार को कब्जे में ले लिया। विरोध करने पर व्यवसायी की पिटाई की गई तथा बच्चों की कनपटी पर पिस्तौल सटाकर गोली मारने और अगवा करने की धमकी दी गई। इसके बाद परिवार ने तिजोरी और नकदी की जानकारी दी। व्यवसायी के अनुसार, बदमाश 45 लाख रुपये नकद, करीब 40 भर सोने के आभूषण, तीन किलोग्राम चांदी के जेवर, दो हीरे के सेट तथा अन्य कीमती गहने लूट ले गए। वारदात के बाद बदमाश मुख्य गेट से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक भारत सोनी, सदर डीएसपी-1 अमरनाथ, दीपनगर थाना पुलिस और डीआईयू की टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए गए। एसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए विशेष टीमों का गठन किया गया है और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

विश्वभर के विद्यार्थियों के साथ नालंदा विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र का आगाज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

राजगीर। नालंदा विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-28 का शुभारंभ सोमवार को ओरिएंटेशन एवं इंडक्शन कार्यक्रम के साथ हुआ। देश-विदेश से आए नवप्रवेशी विद्यार्थियों का औपचारिक स्वागत किया गया। इस वर्ष विश्वविद्यालय ने 1,000 से अधिक विद्यार्थियों के नामांकन का महत्वपूर्ण पड़ाव पार किया है, जबकि विभिन्न देशों से मिले आवेदनों में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। इससे विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान और मजबूत हुई है। इंडक्शन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संस्कृति, परिसर जीवन और शोध-आधारित शिक्षा प्रणाली से परिचित कराया गया। कुलपति प्रो. सचिन चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों से जिज्ञासु बने रहने, स्थापित धारणाओं पर सवाल उठाने और विभिन्न विषयों के बीच संवाद स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नालंदा में शिक्षा का उद्देश्य केवल उत्तर देना नहीं, बल्कि नए प्रश्नों के माध्यम से ज्ञान के नए आयाम खोलना है। कुलपति ने विश्वविद्यालय की नेट-जीरो प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद की क्षेत्रीय निदेशक स्वधा रिजवी (आईएफएस) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए समय के महत्व, शैक्षणिक अनुशासन और विभिन्न संस्कृतियों के प्रति सम्मान की सीख दी। इस अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. रमेश प्रताप सिंह परिहार, सभी स्कूलों के डीन एवं विभिन्न समितियों के प्रमुख भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. किशोर धावला ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. इंद्राणी बरपुजारी ने दिया। इंडक्शन कार्यक्रम के समापन के तहत 4 अगस्त को स्पिक मैके के सहयोग से विश्वामित्रालय सभागार में प्रसिद्ध वायलिन वादक डॉ. मैसूर मंजूनाथ एवं सुमंत मंजूनाथ की कर्नाटक वायलिन युगल संगीत संध्या का आयोजन होगा।

बंद मकान से 10 लाख की चोरी, जेवर-नकदी समेट ले गए चोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

राजगीर। थाना क्षेत्र के महादेवपुर गांव में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाते हुए करीब 10 लाख रुपये मूल्य की नकदी, जेवरात और अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय मकान मालिक अशोक सिंह चंदेल अपने प्रोफेसर पुत्र से मिलने जम्मू गए हुए थे। उनकी गैरमौजूदगी का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के अनुसार, अशोक सिंह चंदेल करीब छह दिन पहले जम्मू रवाना हुए थे। घर की सुरक्षा के लिए उन्होंने बाउंड्री पर लगे लोहे के ग्रिल के ऊपर नुकीले कांटेदार तार भी लगवाए थे, लेकिन चोर सुरक्षा व्यवस्था को धता बताते हुए चारदीवारी फांदकर परिसर में प्रवेश कर गए।मकान मालिक के भतीजे प्रवीण सिंह ने बताया कि बदमाशों ने मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ने के बाद घर के छह कमरों के ताले भी तोड़ दिए। इसके बाद गोदरेज अलमारियों, बक्सों और अन्य सामान को खंगालते हुए 35 हजार रुपये नकद, पांच चांदी की पायल, तीन जोड़ी सोने के झुमके, चांदी का नारियल, कांसे एवं पीतल के बर्तन समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। चोरों ने एक गुल्लक भी तोड़ दी और उसमें रखे नए-पुराने सिक्के भी अपने साथ ले गए। वारदात की सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि चोरों ने चोरी के दौरान घर के किचन में रखे बिस्कुट और ड्राई फ्रूट्स भी खाए। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि बदमाशों ने बिना किसी डर या जल्दबाजी के काफी देर तक घर में आराम से चोरी की। इसके बावजूद आसपास के लोगों को इसकी भनक तक नहीं लगी।घटना की सूचना मिलने पर राजगीर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। थाना प्रभारी ने बताया कि पीडिति परिवार के बाहर रहने के कारण अभी तक लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने के बाद प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नालंदा में जन सुराज की जीत पर जश्न

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र में जन सुराज की ऐतिहासिक जीत पर नालंदा में भी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल है। जन सुराज व्यवसायी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र कुमार विभूति ने इस जीत को जनता के विश्वास, बदलाव की उम्मीद और नई राजनीतिक सोच की जीत बताया। उन्होंने जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को इस शानदार विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उपेंद्र विभूति ने कहा कि वर्षों से चली आ रही पारंपरिक राजनीति के बीच बांकीपुर की जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अब बिहार की राजनीति विकास, शिक्षा, रोजगार और जवाबदेह नेतृत्व के मुद्दों पर आगे बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह जीत केवल एक विधानसभा क्षेत्र की सफलता नहीं, बल्कि बिहार में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने इस ऐतिहासिक जीत के लिए बांकीपुर की देवतुल्य जनता, जन सुराज के सभी समर्पित कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता का यह भरोसा पार्टी के लिए नई जिम्मेदारियों का संदेश भी है।इस अवसर पर सतेंद्र पासवान, दिनेश कुमार, उपेंद्र यादव और आनंद सिन्हा ने भी जन सुराज की जीत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। सभी नेताओं ने विश्वास जताया कि यह जीत बिहार की राजनीति में नई दिशा और नए विकल्प का मार्ग प्रशस्त करेगी।

राजगीर के दर्शनीय स्थलों पर कांवरियों की भारी भीड़

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

राजगीर। श्रावणी मेले के चरम पर पहुंचते ही धर्मनगरी राजगीर में आस्था और पर्यटन का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में बोल बम कांवरिये यहां पहुंचकर धार्मिक अनुष्ठानों और तीर्थाटन के साथ-साथ राजगीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों का भी आनंद ले रहे हैं। इसके कारण शांति स्तूप, रोपवे, घोड़ाकटोरा झील, वीरायतन म्यूजियम, नेचर सफारी, जू सफारी और ग्लास ब्रिज सहित विभिन्न ऐतिहासिक एवं दर्शनीय स्थलों पर दिनभर कांवरियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। श्रावणी मेले में पहुंचे श्रद्धालु मेले में लगे खेल-तमाशों, झूलों और सांस्कृतिक आकर्षणों का भी भरपूर आनंद उठा रहे हैं। इससे स्थानीय व्यापारियों के चेहरे भी खिल उठे हैं। चाय-नाश्ते की दुकानों, बर्तन एवं सजावटी सामानों की दुकानों तथा अन्य अस्थायी व्यवसायों में अच्छी बिक्री हो रही है। मेले के कारण स्थानीय रोजगार को भी नई गति मिली है। विशेष रूप से नेचर सफारी, जू सफारी और ग्लास ब्रिज युवाओं एवं कांवरियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बने हुए हैं। धार्मिक आस्था के साथ प्राकृतिक सौंदर्य और आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का आनंद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु इन स्थलों का रुख कर रहे हैं। श्रावणी मेले के दौरान बढ़ी भीड़ से पूरे राजगीर में उत्साह और रौनक का माहौल बना हुआ है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

बिहारशरीफ। बिहार थाना क्षेत्र के थवई मोहल्ले में 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से दर्दनाक हादसा हो गया। करंट की चपेट में आए एक किशोर को बचाने के प्रयास में एक महिला और उसके दो बेटे समेत कई लोग झुलस गए। गंभीर रूप से घायल 24 वर्षीय फिरोज की हायर सेंटर ले जाने के दौरान रास्ते में मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार मोहम्मद महताब का पुत्र सागर घर की छत पर बैठा था। इसी दौरान उसका हाथ छज्जे के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया और उसके बाएं हाथ की उंगलियां क्षतिग्रस्त हो गईं। सागर को बचाने के लिए रौशन खातून, उनके बेटे फिरोज और राजा आगे बढ़े, लेकिन वे भी करंट की चपेट में आ गए। मोहल्लेवासियों ने तत्काल ट्रांसफार्मर से बिजली आपूर्ति बंद कराई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।सभी घायलों को सदर अस्पताल लाया गया, जहां से गंभीर हालत में फिरोज समेत अन्य घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। फिरोज की रास्ते में मौत होने की सूचना मिलते ही परिजनों ने सदर अस्पताल में इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए करीब एक घंटे तक हंगामा किया। सूचना पर सदर डीएसपी-1 के नेतृत्व में बिहार व लहेरी थाना पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। मामले की जांच की जा रही है।

अनियंत्रित होकर पलटा ई-रिक्शा, तीन जख्मी

सरमेरा। थाना क्षेत्र के मलावा गांव के समीप रविवार की रात एक ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों की पहचान कन्हैया कुमार, दीपक तिवारी और कुंदन कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिंद पहुंचाया।अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने तीनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मॉडल अस्पताल, बिहारशरीफ रेफर कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ई-रिक्शा तेज रफ्तार में था। इसी दौरान चालक का संतुलन बिगड़ गया, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। घटना के बाद कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

सन्नी पासवान हत्याकांड के दो और आरोपितों ने किया कोर्ट में आत्मसमर्पण

बिहारशरीफ। खुदागंज थाना क्षेत्र के सेरथुआ खुर्द गांव में सन्नी पासवान हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मामले के दो और नामजद अभियुक्तों ने सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अब घटना में प्रयुक्त हथियार की बरामदगी और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई 2026 की सुबह करीब 11 बजे सेरथुआ खुर्द निवासी 25 वर्षीय सन्नी पासवान की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस की लगातार छापेमारी और दबिश के कारण सोमवार को मामले के दो अन्य नामजद अभियुक्त विवेक सिंह पुत्र मथुरा सिंह तथा गणेश सिंह पुत्र भूनेश्वर सिंह, दोनों निवासी सेरथुआ विगहा, थाना खुदागंज ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया।पुलिस ने बताया कि हत्याकांड में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी तथा हत्या में प्रयुक्त आग्नेयास्त्र की बरामदगी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

हाइवा की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

नगरनौसा। नगरनौसा थाना क्षेत्र के नगरनौसा बस स्टैंड के पास सड़क पार करने के दौरान हाइवा के चपेट में आने से अधेड़ की मौत हो गया। मृतक की पहचान नगरनौसा निवासी आस मोहम्मद के रूप में किया गया। घटना के सम्बंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक नगरनौसा बस स्टैंड के पास सड़क पार कर रहा था इसी दौरान तेज गति से आ रहा हाइवा के चपेट में आ गया। जिससे आस मोहम्मद की घटनास्थल पर मौत हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही नगरनौसा थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा घटनास्थल पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बिहार शरीफ भेज दिया। थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा ने बताया कि हाइवा चालक के साथ हाइवा को भी जब्त कर पुलिस अग्रतर कार्यवाई में जुट गई है।

बिहार एसडीआरएफ में 78 पूर्व सैनिकों की संविदा पर नियुक्ति

अनुभव, अनुशासन एवं सेवा भाव का पालन करें नवनियुक्तकर्मी : रत्नेश सदा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने सोमवार को राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) में संविदा के आधार पर चयनित पूर्व सैनिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्य आपदा मोचन बल में कुल 78 पूर्व सैनिकों को संविदा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इनमें निरीक्षक (कार्यपालक) के 19, अवर निरीक्षक (कार्यपालक) के 32, हेड कांस्टेबल (ग्राउंड ड्यूटी/रेडियो ऑपरेटर) के 23 और हेड कांस्टेबल/कांस्टेबल (चालक) के 4 पद शामिल हैं। इस अवसर पर विभागीय सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री सदा ने सभी चयनित पूर्व सैनिकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य आपदा मोचन बल का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण एवं चुनौतीपूर्ण है। यह केवल एक नौकरी नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में लोगों का जीवन बचाने का संकल्प है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारतीय सेना में अर्जित अनुभव, अनुशासन एवं सेवा भावना के साथ सभी नियुक्त कर्मी राज्य आपदा मोचन बल को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे। इसकी अध्यक्षता कर रहे आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव संतोष कुमार मल्ल ने कहा कि भारतीय सेना से प्राप्त प्रशिक्षण, अनुशासन एवं कार्य संस्कृति राज्य आपदा मोचन बल के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि संविदा पर नियुक्त सभी पूर्व सैनिक समर्पण, प्रतिबद्धता एवं अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और आपदा के समय त्वरित एवं प्रभावी राहत एवं बचाव कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव मो. नदीमुल गफ्फार सिद्दीकी, समादेष्टा, राज्य आपदा मोचन बल राजेश कुमार, मंत्री के आप्त सचिव दुर्गेश कुमार, सुनील कुमार वर्मा, राज्य आपदा मोचन बल के उप समादेष्टा मो. अनवर जावेद अंसारी, आपदा प्रबंधन विभाग के उप-सचिव पंकज कुमार कमल सहित विभागीय अधिकारियों एवं राज्य आपदा मोचन बल के पदाधिकारी उपस्थिति रहे।

52वीं बिहार राज्य जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप आज से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में 52वीं बिहार राज्य जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप का आयोजन 4 से 6 अगस्त 2026 तक पाटलिपुत्र खेल परिसर के इंडोर हॉल, पटना में किया जाएगा। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों की 16 टीमें भाग लेंगी, जिन्हें चार पूल में विभाजित किया गया है। यह जानकारी बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि इस चैंपियनशिप में राज्य के आठ विभिन्न जोनों में आयोजित क्वालीफाइंग प्रतियोगिताओं की विजेता एवं उपविजेता कुल 16 टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता में राज्य के उभरते जूनियर कबड्डी खिलाड़ियों के बीच खिताब के लिए कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा। पूल एः बक्सर, मधेपुरा, गया जी , पूर्वी चंपारण। पूल बीः बेगूसराय, सिवान, भोजपुर, सहरसा।

जनसुनवाई में पहुंच लोगों की समस्याएं सुनीं, विकास और सुशासन के लिए सरकार प्रतिबद्ध : श्रवण कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। जनता दल (यूनाइटेड) प्रदेश कार्यालय, पटना में सोमवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार एवं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने राज्य के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मीडिया से बातचीत में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में बिहार ने विकास और सुशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2005 से पहले बिहार की पहचान जंगलराज से होती थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने कानून का राज स्थापित कर विकास की नई इबारत लिखी है। राज्य में न्याय के साथ विकास की अवधारणा को साकार करते हुए बिहार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया गया है। वहीं ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जनता की प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से विचार कर संबंधित विभागों को कार्रवाई के निर्देश दिए जाते हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। बैठक के दौरान प्रदेश महासचिव एवं मुख्यालय प्रभारी सुमित कुमार सिंह भी मौजूद रहे। उन्होंने जनसुनवाई कार्यक्रम को आम जनता और सरकार के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से लोगों की समस्याओं के समाधान में तेजी आती है।

राज्यपाल ने बिहार लोक भवन के जर्नल प्रज्ञा बिहार के प्रथम अंक का किया लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन ने बिहार लोक भवन के दरबार हॉल में लोक भवन के जर्नल प्रज्ञा बिहार के प्रथम अंक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि बिहार सदियों से ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है। इसकी गौरवशाली विरासत को देश और दुनिया के सामने नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने की आवश्यकता है। इस संदर्भ में उन्होंने अपने हाल में प्रकाशित लेख रीडिस्कवरिंग द स्ट्रेटेजिक ज्योग्राफी ऑफ बिहार का उल्लेख करते हुए बिहार के ऐतिहासिक और सामरिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ज्ञान ही प्रगति का आधार है। ज्ञान हमें दिशा देता है, हमारी सोच को समृद्ध बनाता है और हमें अपनी वास्तविक शक्ति को पहचानने का अवसर देता है। राज्यपाल ने कहा कि हयप्रज्ञा बिहारहृण को एक उच्च स्तरीय त्रैमासिक जर्नल के रूप में विकसित किया जाएगा, जिसमें शिक्षाविदों, शोधकताओं, सिविल सेवकों, नीति-निमार्ताओं और बुद्धिजीवियों के विचार प्रकाशित होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में यह जर्नल राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएगी। उन्होंने प्रथम अंक के सभी लेखकों, संपादकीय टीम और प्रकाशन से जुड़े सभी लोगों की सराहना करते हुए कहा कि भविष्य के अंकों को और अधिक उपयोगी, गुणवत्तापूर्ण तथा व्यापक बनाया जाएगा। कार्यक्रम में पत्रिका को और प्रभावी बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए गए जिनका स्वागत करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उपयुक्त सुझावों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा, ताकि प्रज्ञा बिहार शोध, ज्ञान और बौद्धिक संवाद का एक प्रतिष्ठित मंच बन सके। उन्होंने सभी से हयप्रज्ञा बिहारहृण के आगामी अंकों को और अधिक समृद्ध बनाने में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।कार्यक्रम में राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने जर्नल के विषयवस्तु एवं विभिन्न आलेखों के लेखकों के बारे में बताया। इस अवसर पर बिहार विद्युत विनियामक आयोग के अध्यक्ष आमिर सुबहानी, रेरा के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह, राज्य सूचना आयुक्त ब्रजेश मेहरोत्रा, राजस्व पर्षद की अध्यक्ष हरजोत कौर बम्हरा, पूर्व मुख्य सचिव बीएस दूबे व एके सिन्हा, भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी आरयू सिंह तथा जर्नल के विभिन्न आलेखों के लेखकगण, बिहार लोक भवन के पदाधिकारीगण एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

पटना के डॉ शिवनारायण को मिला नार्वे का अंतर्राष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। प्रसिद्ध कवि, आलोचक एवं संपादक डॉ शिवनारायण को भारतीय-नार्वेजीय सूचना एवं सांस्कृतिक फोरम, नार्वे द्वारा 2026 का प्रतिष्ठित 'अंतर्राष्ट्रीय प्रेमचंद सम्मान-2026' से नवाजा गया। ओस्लो स्थित फोरम के अध्यक्ष डॉ सुरेशचन्द्र शुक्ल 'शरद आलोक' ने कहा कि डॉ शिवनारायण को यह सम्मान उनकी सुदीर्घ साहित्य साधना के लिए प्रदान किया गया। डॉ शरद आलोक ने कहा कि बीते 77 वर्षों से अनवरत प्रकाशित होती आ रही चर्चित साहित्यिक पत्रिका 'नयी धारा' का 1990 से ही संपादन कर रहे डॉ शिवनारायण की कविता, आलोचना, पत्रकारिता आदि विधाओं में अब तक 58 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है।

'बेजोड़ टॉक्स' का 18वां एपिसोड बिहार की राजकीय पक्षी गौरैया संरक्षक संजय कुमार पर केंद्रित

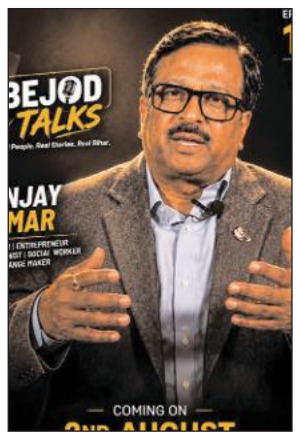

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नितिन नीरा चंद्रा की चंपारण टॉकीज के 'बेजोड़ टॉक्स', बिहार के जाने माने हस्ताक्षर और गुमनाम प्रतिभाओं को वैश्विक मंच दे रहा है। 'बेजोड़ टॉक्स' का 18वां एपिसोड दो अगस्त को यूट्यूब पर रिलीज किया गया। इस एपिसोड में बिहार की राजकीय पक्षी 'गौरैया' के संरक्षण में सक्रिय संजय कुमार पर केंद्रित किया गया है। क्षेत्रीय सिनेमा और कला को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाली प्रसिद्ध प्रोडक्शन कंपनी 'चंपारण टॉकीज' ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म 'बेजोड़ ओटीटी' पर एक नए और क्रांतिकारी टॉक शो 'बेजोड़ टॉक्स' की शुरुआत की है। इस टॉक शो में बिहार और देश के अन्य हिस्सों से आने वाले उन असाधारण उद्यमियों, नवप्रवर्तकों, पर्यावरणविदों और कलाकारों की प्रेरणादायक कहानियों को दुनिया के सामने ला रहा है जिन्होंने सीमित संसाधनों में समाज में बड़ा बदलाव किया है। 'बेजोड़ टॉक्स' के 18वें एपिसोड के अतिथि गौरैया संरक्षक संजय कुमार ने भोजपुरी में गौरैया संरक्षण की हर छोटी-बड़ी बातें बतायी है। कैसे जुड़ें और गौरैया संरक्षण की तस्वीर बिहार सहित देश भर में कैसी है को कहानीनुमा अंदाज में बताया। पूरा एपिसोड सिनेमायी अंदाज में प्रस्तुत किया गया है जो उसकी खूबसूरती है। यह दूसरों से इसलिए अलग है कि 'बेजोड़ टॉक्स' लोकल बोलियों में अतिथियों से टॉक्स करता है जो जमीनी पुट को लिए रहता है। इसमें सिर्फ टॉक्स ही नहीं है बल्कि संबंधित व्यक्ति के काम को टीम जमीनी खोज कर एपिसोड को जीवंत बनाते हैं। शो के सह-निर्माता ऋषि राज ने गौरैया संरक्षण में किए गए संजय कुमार के कामों का आंकलन दौरा कर किया। टॉक्स के बीच में गौरैया संरक्षण पहल की फुटेज डाल रोचक बनाया है। शो की सिनेमैटोग्राफी और शानदार कैमरा वर्क कुंदन आर्य द्वारा किया गया है जो दर्शकों को एक बेहतरीन विजुअल ट्रीट देता है। मंच की खूबसूरती और थीम आधारित आर्ट वर्क को प्रेमचंद महतो ने जीवंत किया है। वहीं शो की क्रिएटिविटी को चन्द्रा निशा के रचनात्मक इनपुट्स ने और अधिक मजबूती प्रदान की है। लीक से हटकर काम करने वालों को समर्पित मंच 'बेजोड़ टॉक्स' का मुख्य उद्देश्य समाज के उन हीरों को सामने लाना है जो अक्सर मुख्यधारा के मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर जमीनी स्तर पर काम करते हैं। शो में शामिल होने वाले मेहमानों में जैविक खेती करने वाले किसान, जल संरक्षण और पक्षियों में जुटे पर्यावरणविद, ग्रामीण पृष्ठभूमि के स्टार्टअप संस्थापक और पारंपरिक कला को सहेजने वाले कलाकार शामिल हैं। यह मंच उनकी सफलता के साथ-साथ उनके संघर्ष और विजन की वास्तविक यात्रा को साझा करता है।

पहली सोमवारी पर प्रोफेसर रणबीर नंदन ने किया गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में रुद्राभिषेक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद प्रोफेसर रणवीर नंदन ने आज श्रावण माह की पहली सोमवारी, कृष्ण पक्ष पंचमी तिथि को स्थित शिववास में गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में विधि विधान से रुद्राभिषेक संपन्न किया एवं बिहार राज्य की उन्नति, समृद्धि की कामना की। प्रोफेसर नंदन ने कहा कि भगवान नारायण आषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि को निद्रा में चले जाते हैं एवं कार्तिक शुक्ल पक्ष देवउठनी एकादशी को शयन से जागृत होते हैं। इस चातुर्मास में भगवान नारायण इस लोक का भार भगवान शंकर को सौंप देते हैं। इसलिए इन चारों माह के आराध्य देव भगवान शिव हैं। इसलिए इन चारों माह में भगवान शंकर की आराधना करने से सनातनियों को सभी सुख समृद्धि भक्ति प्राप्त होती है जब समुद्र मंथन से हलाहल विष निकला तो भगवान शंकर ने जगत को बचाने हेतू हलाहल विष का पान किया और जगत को बचाया। हलाहल विष का पान करने से भगवान शिव के शरीर में ताप उत्पन्न हुआ। इसलिए इस ताप को ठंडा करने हेतू सावन मास में भगवान शंकर को जलाभिषेक किया जाता है। प्रोफेसर नंदन ने कहा है धार्मिक न्यास पर्षद के अंतर्गत पूरे बिहार में मठ मंदिरों में बड़े धूमधाम से श्रावण पर्व मनाया जा रहा है और सभी जनता से आग्रह है कि भगवान शंकर को पूरे सावन जलाभिषेक कर पुण्य प्राप्त करें।

नगर निकाय कर्मियों की हड़ताल का पांचवां दिन, कचरे में घुटता पटना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना नगर निगम सहित पूरे बिहार के नगर निकाय कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल सोमवार को पांचवें दिन में प्रवेश कर गई। हड़ताल का सबसे बड़ा असर राजधानी पटना की सफाई व्यवस्था पर देखने को मिल रहा है। शहर की सड़कों, गलियों और मोहल्लों में कचरे के ढेर लग गए जिससे बदबू और गंदगी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। बरसात के मौसम में बिगड़ती स्वच्छता व्यवस्था को लेकर नागरिकों की चिंता भी लगातार बढ़ती जा रही है।

वहीं हड़ताल के दौरान कथित हंगामे और मारपीट के मामले में भी कानूनी कार्रवाई शुरू हो गई है। पटना नगर निगम के उप नगर आयुक्त रामाशीष शरण तिवारी की शिकायत पर सचिवालय थाना में हड़ताली कर्मचारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। आरोप है कि निमार्णाधीन नगर निगम कार्यालय के पास निगम के वाहनों की मरम्मत कर रहे कर्मियों के साथ हड़ताली कर्मचारियों ने गाली-गलौज, धक्का-मुक्की और मारपीट की। हालांकि एफआईआर में फिलहाल किसी आरोपी को नामजद नहीं किया गया है।

दानापुर मंडल के टिकट जांच अभियान से आय में उल्लेखनीय उपलब्धि

जुलाई 2026 में टिकट जांच से 8.33 करोड़ की वसूली

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पूर्व मध्य रेल का दानापुर मंडल यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं सुविधाजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर सघन टिकट जांच अभियान संचालित कर रहा है। इन अभियानों के परिणामस्वरूप माह जुलाई 2026 में टिकट जांच के क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। पिछले वर्ष के जुलाई माह की तुलना में इस वर्ष टिकट जांच से प्राप्त राजस्व में 29.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जुलाई 2026 के दौरान दानापुर मंडल में 1,02,217 अनाधिकृत/अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया जिनसे 8,32,69,958 (आठ करोड़ बत्तीस लाख उन्हत्तर हजार नौ सौ अट्ठावन रुपये) की वसूली की गई। यह उपलब्धि मंडल द्वारा चलाए जा रहे नियमित एवं विशेष टिकट जांच अभियानों का परिणाम है। माह जुलाई के दौरान वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के निर्देशानुसार दानापुर मंडल के विभिन्न रेलखंडों में 24 'लाल गाड़ी' विशेष टिकट जांच अभियान, 13 मजिस्ट्रेट टिकट जांच अभियान तथा 05 फोर्ट्रेस टिकट जांच अभियान सफलतापूर्वक संचालित किए गए। इन विशेष अभियानों के माध्यम से बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वालों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई तथा यात्रियों में वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई गई। दानापुर मंडल भविष्य में भी ऐसे विशेष टिकट जांच अभियान निरंतर संचालित करता रहेगा, ताकि बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके तथा रेलवे की आय की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

संसद की कार्यवाही में सहभागिता के उपरांत केंद्रीय कार्यालय पहुंचे नीतीश कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। संसद की कार्यवाही में सक्रिय सहभागिता के उपरांत जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य नीतीश कुमार जंतर-मंतर स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय पहुंचे जहां वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनका भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। केंद्रीय कार्यालय में नीतीश कुमार ने पार्टी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक विषयों, वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि जदयू की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पार्टी की विचारधारा और जनकल्याणकारी नीतियों को पहुँचाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने, जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने तथा विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। नीतीश कुमार ने विश्वास जताने हुये कहा कि कार्यकताओं की प्रतिबद्धता और जनसमर्थन के आधार पर पार्टी आने वाले दिनों में और अधिक मजबूती के साथ जनसेवा के अपने संकल्प को आगे बढ़ाएगी।

सोलर क्रॉप ड्रायर पर मिलेगा 1.40 लाख तक का अनुदान : कृषि मंत्री

फसल की बर्बादी होगी कम, किसानों की आय में होगी वृद्धि : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि तथा फसल कटाई के बाद होने वाली क्षति को न्यूनतम करने के उद्देश्य से कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा सोलर क्रॉप ड्रायर योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के तहत किसानों को आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल एवं ऊर्ज़ा-कुशल तकनीक उपलब्ध कराई जाएगी जिससे उनकी उपज की गुणवत्ता सुरक्षित रहेगी तथा बेहतर मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। कृषि मंत्री ने बताया कि योजना के अंतर्गत 100 किलोग्राम क्षमता वाले सोलर क्रॉप ड्रायर की स्थापना पर अधिकतम 1.40 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया जाएगा। इस उपकरण की अनुमानित लागत 3.50 लाख रुपये है। सौर ऊर्जा आधारित होने के कारण इसके संचालन में किसानों को बिजली अथवा ईंधन पर अतिरिक्त खर्च नहीं करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि पारंपरिक रूप से खुले में फसल सुखाने की तुलना में सोलर क्रॉप ड्रायर अधिक सुरक्षित एवं प्रभावी है। इसमें फसल धूल, नमी तथा कीटों से सुरक्षित रहती है जिससे उसका प्राकृतिक रंग, स्वाद एवं सुगंध बरकरार रहता है। इसके माध्यम से किसान अपनी उपज को सुखाकर अथवा प्रसंस्कृत कर अधिक समय तक सुरक्षित रख सकते हैं तथा बाजार में अनुकूल मूल्य मिलने पर बिक्री कर बेहतर आय अर्जित कर सकते हैं। श्री सिन्हा ने किसानों से इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील करते हुए बताया कि इच्छुक किसान उद्यान निदेशालय के आधिकारिक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए आधार कार्ड, बैंक पासबुक तथा डीबीटी किसान पंजीकरण संख्या अनिवार्य होगी। कृषि मंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि सोलर क्रॉप ड्रायर योजना राज्य में फसल कटाई उपरांत होने वाली क्षति को कम करने, कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने तथा किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

सावन माह के प्रथम सोमवार पर डॉ. आनन्द रंजन झा ने दी शुभकामनाएं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। सावन माह के प्रथम सोमवार के पावन अवसर पर डॉ. आनन्द रंजन झा, निदेशक, कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी, जन्दाहा ने भगवान भोलेनाथ के समस्त भक्तों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने कहा कि सावन का प्रथम सोमवार भगवान शिव की आराधना, श्रद्धा, संयम और आध्यात्मिक ऊर्जा का विशेष पर्व है। इस पावन अवसर पर सभी श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर परिवार, समाज एवं राष्ट्र के सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करें। आज देशभर में श्रद्धालु प्रथम सावन सोमवार का व्रत और पूजा-अर्चना कर रहे हैं। डॉ. झा ने अपने संदेश में कहा भगवान भोलेनाथ की कृपा आप सभी पर सदैव बनी रहे। सावन का यह पावन महीना आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य और नई ऊर्जा का संचार करे। हर-हर महादेव।

अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला शक्ति, पटना ने किया अभिज्ञान उत्सव का आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा महिला शक्ति, पटना की ओर से आज बुद्धा हेरिटेज, पटना में अभिज्ञान उत्सव का भव्य आयोजन दोपहर 3 बजे से किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. माया शंकर उपस्थित रहीं। ए बी के एम की प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अंजलि सिन्हा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनूप श्रीवास्तव, एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष ब्रिगेडियर अनिल श्रीवास्तव के द्वारा जो मार्गदर्शन दिया जा रहा है, ओ कायस्थों के लिए एक सुनहरा प्रयास है और इससे सभी कायस्थ को देश की दिशा तय करने में बहुत मददगार साबित हो रहा है। उनसे प्रेरित हो कर उन्होंने कहा कि सावन के महीने में अभिज्ञान उत्सव केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि संगठन की महिलाओं को एक मंच पर लाकर आपसी आत्मीयता, परिचय, सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को सशक्त बनाने का माध्यम है। उपाध्यक्ष नीमा कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नई ऊर्जा हमारी संस्था समाज के वंचित, जरूरतमंद और कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्यरत है। हमारा विश्वास है कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन तभी संभव है जब हम सभी मिलकर सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच संचालिका अंजू श्रीवास्तव के स्वागत संबोधन से हुआ।

प्रसिद्ध गायक मोहम्मद रफी को दी गई संगीतमय श्रद्धांजलि, 'ओल्ड इज गोल्ड' कार्यक्रम में गूंजे सदाबहार गीत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। सुरों के बेताज बादशाह और हिंदी सिनेमा के महान पार्श्वगायक मोहम्मद रफी की स्मृति में पटना सिटी के पाटलिपुत्र परिषद सभागार में सोमवार को भव्य संगीतमय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्रिएटिव आर्ट इवेंट के तत्वावधान में आयोजित 'ओल्ड इज गोल्ड' कार्यक्रम में बिहार के चर्चित कलाकारों ने रफी साहब के अमर गीतों की शानदार प्रस्तुति देकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम के दौरान 'आदमी मुसाफिर है', 'रोते हुए आते हैं सब', 'सजन रे झूठ मत बोलो', 'पर्दा है पर्दा', 'बड़े अच्छे लगते हैं' और 'तेरे जैसा यार कहां' जैसे सदाबहार गीतों की प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने खूब तालियां बजाईं और रफी साहब को भावभीनी संगीत श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोक भवन नॉलेज कंसोर्टियम का सदस्य बना आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय

सक्रिय सहभागिता के साथ कार्य करेगा आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय : कुलपति

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना ने बिहार लोक भवन द्वारा प्रस्तावित 'लोक भवन नॉलेज कंसोर्टियम' की सदस्यता का स्वागत किया है। विश्वविद्यालय ने इसे बिहार में ज्ञान-आधारित विकास, संस्थागत सहयोग तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक संवाद को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल बताया है। बिहार लोक भवन द्वारा विश्वविद्यालय को प्रेषित पत्र के अनुसार 'लोक भवन नॉलेज कंसोर्टियम' एक सहयोगात्मक मंच के रूप में विकसित किया जा रहा है जिसमें आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, नालंदा विश्वविद्यालय, विवेकानंद इंटरनेशनल फाउंडेशन तथा चाणक्य राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इस कंसोर्टियम में बिहार लोक भवन प्रधान समन्वयक की भूमिका निभाएगा। इस कंसोर्टियम का उद्देश्य बिहार की अकादमिक एवं नागरिक चेतना को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ज्ञान परंपराओं से जोड़ना, विश्वविद्यालयों एवं अनुसंधान संस्थानों के बीच ज्ञान-साझेदारी को बढ़ावा देना तथा सभ्यतागत इतिहास, संवैधानिक शासन, रणनीतिक अध्ययन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सार्वजनिक नीति, नवाचार और समकालीन वैश्विक विषयों पर गंभीर बौद्धिक विमर्श को प्रोत्साहित करना है। इसके माध्यम

संपादकीय

हाईवे बढ़े, हादसे भी बढ़े- 2025 में 5.13 लाख सड़क दुर्घटनाएं

सरकार अब ईंधन की खपत और वाहनों से प्रदूषण को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की नीति को जमीन पर उतारने की कोशिश कर रही है, लेकिन सड़क हादसों के मूल प्रश्न पर ध्यान कम ही दिया जा रहा है।दुर्घटनाओं के इन आंकड़ों से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार के लिए सिर्फ सड़कों का निर्माण ही प्राथमिकता है, सुरक्षा के पहलू का उसके लिए कोई महत्त्व नहीं है? सड़क एवं परिवहन सुविधाओं का विकास किसी भी देश की प्रगति, आर्थिक वृद्धि और सामाजिक उत्थान की रीढ़ होता है। व्यापार को गति देने, दूरदराज के क्षेत्रों को आपस में जोड़ने और आम जनजीवन को सरल बनाने में इसकी अहम भूमिका होती है। भारत में भी नई सड़कों के निर्माण और पहले से बने मार्गों के चौड़ीकरण पर जोर दिया जा रहा है, लेकिन सवाल है कि विकास के इस पथ पर सुरक्षित सफर की प्रतिबद्धता पीछे क्यों छूटती जा रही है?एक तरफ केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से सड़क सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, तो दूसरी तरफ देश भर में सड़क दुर्घटनाएं साल-दर-साल बढ़ती जा रही हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की ओर से बीते गुरुवार को लोकसभा में जो आंकड़े पेश किए गए, वे स्थिति के भयावह होने की ओर इशारा करते हैं। मंत्रालय के मुताबिक, देश में वर्ष 2025 में सड़क दुर्घटनाओं में 5.3 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान 5.13 लाख से ज्यादा सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.83 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई।दुर्घटनाओं के इन आंकड़ों से यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सरकार के लिए सिर्फ सड़कों का निर्माण ही प्राथमिकता है, सुरक्षा के पहलू का उसके लिए कोई महत्त्व नहीं है? कहने को सरकार की ओर से सड़क हादसों को कम करने के लिए कई योजनाएं, कार्यक्रम और विशेष अभियान शुरू किए गए हैं, फिर क्या वजह है कि सड़कों पर लोगों की जान जाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है!पिछले वर्ष देश में वाहनों की तेज रफ्तार के कारण सबसे ज्यादा 82 हजार से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जो कुल सड़क हादसों का लगभग सोलह फीसद है। इस मामले में देखा जाए, तो राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरी क्षेत्र की सड़कों पर जगह-जगह वाहनों की गति मापने के लिए सीसीटीवी और दूसरे यंत्र लगाए गए हैं। ऐसे में अगर आज भी सबसे ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं वाहनों की तेज गति के कारण ही हो रही हैं, इसे किस तरह देखा जाएगा। जाहिर है कि जब किसी व्यवस्था की सही तरीके से निगरानी, देखरेख और उसके आधार पर ईमानदारी से सुधार की दिशा में कार्य नहीं होगा, तो सकारात्मक नतीजे की उम्मीद भी कैसे की जा सकती है!सरकारी रिपोर्ट से पता चलता है कि गलत दिशा में वाहन चलाने और लेन के नियमों का पालन न करने के कारण पिछले वर्ष करीब चार हजार सड़क दुर्घटनाएं हुईं।

आंदोलन की संस्कृति: अधिकार नहीं, उत्तरदायित्व भी आवश्यक

(ललित गर्ग)

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं।

भारत का लोकतंत्र केवल चुनावों की व्यवस्था नहीं है, बल्कि संवाद, असहमति और संवैधानिक मर्यादाओं का जीवंत तंत्र है। इस व्यवस्था में प्रत्येक नागरिक को अपनी मांगों और विचारों को शांतिपूर्ण ढंग से रखने का अधिकार प्राप्त है। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण प्रदर्शन का अधिकार दिया है, लेकिन यह अधिकार कभी भी हिंसा, अराजकता, सार्वजनिक संपत्ति के विनाश या सुरक्षा बलों पर हमले का लाइसेंस नहीं बन सकता। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति यही है कि वह विरोध को भी सम्मान देता है, किंतु विरोध की भी अपनी सीमाएं और जिम्मेदारियां होती हैं। हाल के वर्षों में कुछ आंदोलनों ने यह गंभीर प्रश्न खड़ा किया है कि क्या लोकतांत्रिक अधिकारों की आड़ में कानून और व्यवस्था को चुनौती देना स्वीकार्य हो सकता है? यदि कोई प्रदर्शन बैरिकेड तोड़ने, पुलिस पर हमला करने, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने अथवा संसद जैसे सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्थान की ओर जबरन बढ़ने का प्रयास करे, तो सरकार और सुरक्षा एजेंसियों से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वे केवल मूकदर्शक बनी रहें। राज्य का पहला दायित्व नागरिकों की सुरक्षा और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा करना है।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पैलेट गन के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने से इनकार करते हुए यह कहना कि असाधारण परिस्थितियों में इसका प्रयोग किया जा सकता है, इसी संतुलित दृष्टिकोण का परिचायक है। न्यायालय ने किसी भी प्रकार के असीमित बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया, बल्कि यह स्पष्ट संकेत दिया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य के पास आवश्यक साधन भी होने चाहिए। यदि सुरक्षा बलों से हर प्रभावी उपाय छीन लिया जाएगा, तो हिंसक भीड़ पर नियंत्रण कैसे स्थापित होगा? यह प्रश्न केवल सरकार का नहीं, बल्कि पूरे समाज का है। इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियों को असीमित अधिकार मिल जाने चाहिए। लोकतंत्र में प्रत्येक कार्रवाई न्यायिक समीक्षा और जवाबदेही के दायरे में रहती है। यदि कहीं बल प्रयोग आवश्यकता से अधिक हुआ हो, तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई भी होनी चाहिए। लेकिन जांच का आधार तथ्य होने चाहिए, पूर्वाग्रह नहीं। जिस प्रकार प्रदर्शनकारियों की पीड़ा सुनी जानी चाहिए, उसी प्रकार घायल हुए पुलिसकर्मियों और सुरक्षा बलों का पक्ष भी उतनी ही गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

आज आवश्यकता इस बात की है कि आंदोलन की संस्कृति पर पुनर्विचार किया जाए। स्वतंत्रता आंदोलन के समय महात्मा गांधी ने सत्याग्रह की ऐसी परंपरा विकसित की थी, जिसमें नैतिक बल सबसे बड़ा हथियार था। सत्याग्रह में विरोध था, परंतु वैमनस्य नहीं। संघर्ष था, परंतु हिंसा नहीं। दृढ़ता थी, परंतु अराजकता नहीं। दुर्भाग्य से आज कुछ आंदोलनों में संवाद की जगह टकराव, संयम की जगह उग्रता और तर्क की जगह भीड़ की शक्ति को महत्व दिया जाने लगा है। यह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में परिवर्तन सड़क पर पत्थर फेंकने से नहीं, बल्कि विचार, संगठन, जनजागरण और संवैधानिक प्रक्रियाओं से आता है। यदि हर असहमति हिंसक रूप ले लेगी, तो सबसे अधिक नुकसान उन्हीं युवाओं का होगा, जिनके भविष्य के नाम पर आंदोलन किए जाते हैं। लोकतंत्र की रक्षा भावनाओं से नहीं, बल्कि अनुशासन और उत्तरदायित्व से होती है।

यदि यह मान लिया जाए कि किसी राजनीतिक दल या उसके समर्थकों द्वारा आयोजित आंदोलन में कुछ असामाजिक और हिंसक तत्वों ने प्रवेश कर उसे अराजक दिशा देने का प्रयास किया, तो ऐसी स्थिति में सरकार का प्राथमिक दायित्व कानून-व्यवस्था, संवैधानिक संस्थाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना होता है। समय रहते प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई, भले ही

उससे कुछ अप्रिय घटनाएं हुई हों, व्यापक अराजकता और राष्ट्रीय संस्थानों को संभावित क्षति से बचाने के उद्देश्य से देखी जा सकती है। साथ ही, लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह भी अपेक्षित है कि विपक्ष जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करते हुए हिंसा और तोड़फोड़ से स्पष्ट दूरी बनाए तथा वैध मांगों के समर्थन और अवैध कृत्यों के विरोध के बीच स्पष्ट रेखा खींचे। लोकतंत्र तभी सुदृढ़ होता है जब सरकार कानून के शासन का पालन करे, विपक्ष जिम्मेदार आचरण करे और आंदोलन संविधान की मर्यादाओं एवं शांतिपूर्ण तरीकों के भीतर संचालित हों।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। किसी भी दल का यह दायित्व है कि वह जनभावनाओं को सकारात्मक दिशा दे। यदि कोई राजनीतिक संगठन या उसके समर्थक आंदोलन के दौरान हिंसा, तोड़फोड़ या कानून हाथ में लेने को प्रोत्साहित करते हैं, तो उसकी लोकतांत्रिक विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। विपक्ष लोकतंत्र का अनिवार्य अंग है, लेकिन उसका धर्म केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। यदि किसी भी पक्ष द्वारा जनआंदोलनों का उपयोग केवल राजनीतिक लाभ के लिए किया जाता है, तो अंततः लोकतंत्र ही कमजोर होता है। सरकारों को भी यह आत्ममंथन करना चाहिए कि जनआक्रोश की स्थितियां क्यों बनती हैं। संवाद के द्वार हमेशा खुले रहने चाहिए। पारदर्शी निर्णय, समय पर संवाद और शिकायतों के समाधान की प्रभावी व्यवस्था अनेक आंदोलनों को उग्र होने से पहले ही शांत कर सकती है। लोकतंत्र में शासन का अर्थ केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि विश्वास अर्जित करना भी है।

भविष्य के लिए कुछ स्पष्ट सिद्धांत निर्धारित किए जाने चाहिए। प्रत्येक बड़े आंदोलन के लिए पूर्व अनुमति, निर्धारित मार्ग, आयोजकों की स्पष्ट जवाबदेही, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा, हिंसा की स्थिति में त्वरित पहचान और दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित हो। साथ ही पुलिस को भी भीड़ नियंत्रण के आधुनिक, वैज्ञानिक और न्यूनतम आवश्यक बल के सिद्धांतों पर निरंतर प्रशिक्षित किया जाए। इससे नागरिक अधिकारों और कानून-व्यवस्था के बीच बेहतर संतुलन स्थापित होगा। लोकतंत्र का सौंदर्य इस बात में नहीं कि कितनी जोर से नारे लगाए गए, बल्कि इस बात में है कि कितनी गंभीरता से संवाद हुआ। संसद जनता की आकांक्षाओं का मंदिर है। यदि कोई समूह अपनी बात संसद तक पहुंचाना चाहता है, तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन संसद पर दबाव बनाने या उसे घेरने की संस्कृति लोकतांत्रिक परंपराओं को कमजोर करती है। लोकतंत्र में जनमत सर्वोपरि है, भीड़तंत्र नहीं।

आज भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के साथ-साथ विश्वगुरु बनने की दिशा में भी अग्रसर है। ऐसे समय में हमें विरोध की भी ऐसी संस्कृति विकसित करनी होगी जो विश्व के सामने अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करे। हमारे आंदोलन व्यवस्था को तोड़ने के नहीं, व्यवस्था को बेहतर बनाने के माध्यम बनें। हमारे प्रदर्शन राष्ट्र को विभाजित करने के नहीं, लोकतांत्रिक चेतना को समृद्ध करने के साधन बनें। अंततः यह स्मरण रखना होगा कि अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब कर्तव्यों का भी समान रूप से पालन किया जाए। यदि आंदोलन संविधान की मर्यादाओं में रहकर होंगे, तो सरकार भी अधिक उत्तरदायी बनेगी और लोकतंत्र भी अधिक सशक्त होगा। भारत को ऐसे आंदोलनों की आवश्यकता है जो व्यवस्था को चुनौती देने के बजाय उसे सुधारने की प्रेरणा दें। जो युवाओं को उग्रता नहीं, उत्तरदायित्व सिखाएं और जो राष्ट्रहित को दलगत हितों से ऊपर रखकर लोकतंत्र को और अधिक परिपक्व, अनुशासित तथा जनोन्मुख बनाने का मार्ग प्रशस्त करें। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है)। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।

स्विट्ज़रलैंड का 'टाइम बैंक'- जहां सेवा बनती है भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी

(अमिताभ स.)

अगर किसी मजबूरी की स्थिति में कभी उसे अपनी देखभाल करवाने की जरूरत पड़े, तो वह अपने कार्ड के जरिए सेवा का समय और अर्जित ब्याज निकाल सकता है। सुना-पढ़ा है कि स्विट्ज़रलैंड में पेंशन बहुत अच्छी मिलती है, इसलिए वहां बुजुर्गों को आखिरी दम तक भोजन और निवास की चिंता नहीं सताती। फिर भी, वहां कई लोग परोपकार के काम में जुटे हैं ङ्क अस्सी की उम्र पार किसी वृद्ध की देखभाल करने जैसे। वहां ऐसे काम पैसा कमाने के लिए नहीं, बल्कि अपना आज का समय 'टाइम बैंक' में जमा करने के लिए किए जाते हैं, क्योंकि जब आज दूसरे की सेवा करने वाला बुजुर्ग होकर खुद असहाय होगा, चल-फिर नहीं सकेगा, तब वह अपने 'टाइम बैंक' में जमा सेवा के समय को निकालकर अपने लिए इस्तेमाल करवा सकता है।'टाइम बैंक' की व्यवस्था स्विट्ज़रलैंड के सामाजिक सुरक्षा विभाग की योजना है। लोग अपनी युवावस्था में बुजुर्गों की सेवा करके अपना 'समय' जमा करते हैं और जब वे स्वयं बूढ़े, बीमार या असहाय हो जाते हैं, तब उस समय को अपने लिए निकलवा कर निशुल्क उपयोग करते हैं। इस योजना में शामिल होने के लिए व्यक्ति का सेहतमंद, मिलनसार और दयालु होना लाजिमी है। उनकी सेवा के घंटों को सामाजिक सुरक्षा प्रणाली के तहत व्यक्तिगत 'टाइम अकाउंट' में जमा किया जाता है।

इस प्रक्रिया में अपना पेशा और काम-धंधा छोड़कर, दफ्तर की ड्यूटी की तरह या नर्सिंग पेशे की तरह बुजुर्ग की सेवा नहीं करनी होती। हर हफ्ते केवल दो बार, दो-दो घंटे के लिए ही मदद की जाती है। बाजार ले जाकर खरीदारी करवाना, उनका कमरा साफ करना, बाग में टहलाना और समय बचे तो बातचीत करना। सेवा समझौते के मुताबिक, एक साल बाद 'टाइम बैंक' हर मददगार के कुल कार्य घंटों की गणना करता है। उसी के आधार पर उन्हें टाइम बैंक कार्ड जारी किया जाता है।

अगर किसी मजबूरी की स्थिति में कभी उसे अपनी देखभाल करवाने की जरूरत पड़े, तो वह अपने कार्ड के जरिए सेवा का समय और अर्जित ब्याज निकाल सकता है। खाते की जांच कर टाइम बैंक कार्यालय किसी स्वयंसेवक को सहायता के इच्छुक व्यक्ति के घर या अस्पताल भेज देता है।

बेशक यह नई सामाजिक व्यवस्था विकसित हो रही है, लेकिन सेवा की ऐसी परिकल्पना सभी देशों में लागू हो, तो कितना अच्छा हो। खासतौर पर भारत जैसे देशों में, जहां ज्यादातर युवा अपने बेहतर भविष्य की उम्मीद में दूसरे शहरों और देशों में हमेशा के लिए चले जाते हैं और उनके बुजुर्ग माता-पिता अकेला जीवन जीने को विवश हैं।

हालांकि यह अपने आप में एक त्रासद विडंबना है कि जो माता-पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए अपना जीवन अर्पित कर देते हैं, अपना सुख, संतोष और खुशी बच्चों के हित के अनुकूल बनाकर इसी को अपना भाग्य मान लेते हैं, उन्हें जीवन की सांध्यवेला में अपने भरोसे छोड़ दिया जाता है।

इसके बावजूद यही माना जाता है कि भारतीय संस्कृति और संस्कारों में 'सेवा का मेवा' की कहानी सदियों से रची-बसी है। विचारक जैक कैनफील्ड का कथन इसी सेवा के काम को उजागर करता है कि आपकी मौजूदा आदतें ही आपका भविष्य तय करती हैं। अपने माता-पिता, गुरुजन और बुजुर्ग परिजनों की सेवा करना शुरू से परम धर्म माना जाता है। भारतीय सेना का आदर्श वाक्य 'स्वयं से पहले सेवा' भी मानव सेवा के भाव का संचार करता है।

कहते भी हैं कि किसी भी पेशे में जाने या अपनाने से पहले नेक इंसान बनना जरूरी है। मानव सेवा से बड़ा कोई कर्म और धर्म नहीं है। इसीलिए हमारे पौराणिक ग्रंथ भी 'मानव धर्म सर्वोपरि' के पाठ को जीवन में उतारने की सलाह देते हैं। मानव मात्र की सेवा करने से ही सच्चे सुख की प्राप्ति और अनुभूति होती है, असीम सुख और सुकून मिलता है। मनोविज्ञान भी मानता है कि अगर खुशी, समृद्धि और संतोष जैसे गुणों को जीवन में लाना है, तो सेवा को अपने जीवन में जोड़ना जरूरी है। यानी हरेक का पहला धर्म, पहली काबिलियत और पहली अहमियत मददगार इंसान बनना होनी चाहिए।

सबके प्रति सेवा भाव रखने वालों का सबसे अच्छा साथी उनका अंतर्मन होता है, जो खुद की अच्छी बातों पर शाबाशी देता है और बुरी बातों पर झकझोरता है। सवाल है कि इसके बावजूद ऐसा कैसे हो रहा है कि समाज में आपसी दूरियां बढ़ती जा रही हैं और इसे रोकने के लिए क्या किया जा सकता है। इसका साधारण-सा जवाब हो सकता है कि हम अपने आसपास के संवेदनशील लोगों को गले लगाएं और अपना कदम आगे बढ़ाकर दूसरों के पास जाएं। उनकी दिक्कत जानने-समझने और फिर उसका समाधान ढूंढ़ने की कोशिश करें।

परमाणु आत्मनिर्भरता- भारत की सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत और वैश्विक नेतृत्व की नई नींव

(विजन कुमार पांडेय)

यह प्रश्न इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत की परमाणु यात्रा सामान्य नहीं रही। दुनिया के अधिकतर देशों ने जहां विकसित तकनीक के सहारे अपने परमाणु कार्यक्रम शुरू किए, वहीं भारत को लंबे समय तक तकनीकी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ा। वर्ष 1974 के पोखरण परीक्षण के बाद और विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। परमाणु ईंधन, उन्नत उपकरणों और महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तक पहुंच लगभग बंद हो गई।

ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता आज केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता का भी आधार बन चुकी है। बदलती वैश्विक राजनीति, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और आपूर्ति शृंखलाओं पर बढ़ती निर्भरता ने स्पष्ट कर दिया है कि जिन देशों के पास अपनी तकनीक और उत्पादन क्षमता है, वही भविष्य की वैश्विक व्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएंगे। भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में पिछले सात दशकों में ऐसी ही क्षमता विकसित की है। मगर प्रश्न यह है कि क्या देश अपनी इस उपलब्धि को नीति-निर्माण के केंद्र में रख पा रहा है या विदेशी तकनीक का आकर्षण अभी भी स्वदेशी आत्मविश्वास पर भारी पड़ रहा है?

यह प्रश्न इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि भारत की परमाणु यात्रा सामान्य नहीं रही। दुनिया के अधिकतर देशों ने जहां विकसित तकनीक के सहारे अपने परमाणु कार्यक्रम शुरू किए, वहीं भारत को लंबे समय तक तकनीकी प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ा। वर्ष 1974 के पोखरण परीक्षण के बाद और विशेष रूप से 1998 के परमाणु परीक्षणों के बाद भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए। परमाणु ईंधन, उन्नत उपकरणों और महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों तक पहुंच लगभग बंद हो गई।

उस समय यह माना गया कि भारत का परमाणु कार्यक्रम लंबे समय तक पिछड़ जाएगा, लेकिन भारतीय वैज्ञानिकों ने इस चुनौती को अवसर में बदल दिया। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, परमाणु ऊर्जा आयोग और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने सार्वजनिक और निजी उद्योगों के सहयोग से धीरे-धीरे ऐसी तकनीक विकसित की, जिसने विदेशी निर्भरता को काफी हद तक समाप्त कर दिया। रिएक्टरों के डिजाइन से लेकर भारी उपकरणों, नियंत्रण प्रणालियों और सुरक्षा तंत्र तक भारत ने अपनी क्षमता विकसित की।

वर्ष 2008 के भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौते ने भारत को वैश्विक परमाणु व्यापार व्यवस्था में सम्मानजनक स्थान दिलाया और यूरेनियम आयात का मार्ग खोला। इससे उन परमाणु बिजलीघरों को राहत मिली जो ईंधन की कमी के कारण अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे थे। मगर इस समझौते की एक ऐसी व्याख्या भी सामने आई, जिसमें यह मान लिया गया कि अब भारत को बड़े पैमाने पर विदेशी परमाणु संयंत्रों और तकनीकों पर निर्भर होना चाहिए।

सवाल है कि किसी देश ने कठिन परिस्थितियों में विश्वस्तरीय घरेलू तकनीक विकसित कर ली हो, तो क्या उसकी प्राथमिकता उसी क्षमता का विस्तार नहीं होनी चाहिए। भारत के स्वदेशी 'प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर' आज विश्व के सबसे किफायती परमाणु संयंत्रों में गिने जाते हैं। देश 700 मेगावाट क्षमता वाले आधुनिक रिएक्टरों का निर्माण कर रहा है और आगे उनकी संख्या बढ़ाने की योजना भी है।

ऊर्जा क्षेत्र में लागत का बहुत महत्त्व होता है। किसी परियोजना की व्यावहारिकता केवल उसकी तकनीकी श्रेष्ठता से तय नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह कितनी किफायती है और उसके संचालन पर भविष्य में कितना व्यय होगा। यदि भारत कम लागत में सुरक्षित और विश्वसनीय परमाणु संयंत्र बना सकता है, तो यह केवल घरेलू आवश्यकता की पूर्ति का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक अवसर भी है।

आने वाले वर्षों में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक देशों को स्वच्छ और निरंतर ऊर्जा की आवश्यकता होगी। भारत उनके लिए एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार बन सकता है।

इसी संदर्भ में हाल में तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना से जुड़े दस्तावेजों के कथित डेटा लीक की घटना ने एक नया सवाल खड़ा किया है। हालांकि सरकारी एजेंसियों ने स्पष्ट किया कि परमाणु संयंत्र के संचालन तंत्र, रिएक्टर नियंत्रण प्रणाली या राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी कोई संवेदनशील सूचना प्रभावित नहीं हुई। फिर भी यह घटना इसका संकेत देती है कि परमाणु क्षेत्र की सुरक्षा अब केवल ऊंची दीवारों, कड़े पहरे और बहुस्तरीय भौतिक सुरक्षा तक सीमित नहीं रह गई है।

वास्तव में, परमाणु क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल स्वदेशी तकनीक विकसित करना नहीं, बल्कि उस तकनीक पर पूर्ण नियंत्रण बनाए रखना भी है। सेमीकंडक्टर, दुर्लभ खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और दूरसंचार की तरह परमाणु प्रौद्योगिकी भी अब भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। ऐसे में यदि भारत अपनी मूलभूत ऊर्जा संरचना के लिए अत्यधिक विदेशी तकनीक या उपकरणों पर निर्भर रहता है, तो भविष्य में किसी भी अंतरराष्ट्रीय तनाव का प्रभाव उसकी ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ सकता है।

भारत की सबसे बड़ी ताकत यह है कि उसने अपनी परमाणु क्षमता को वैज्ञानिक अनुसंधान और घरेलू औद्योगिक सहयोग के आधार पर विकसित किया है। यही कारण है कि भारतीय परमाणु संयंत्रों की निर्माण लागत विश्व के कई विकसित देशों की तुलना में काफी कम मानी जाती है। लागत में यह प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त केवल आर्थिक लाभ नहीं देती, बल्कि भारत को वैश्विक बाजार में भी अलग पहचान प्रदान करती है।

एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के अनेक देश स्वच्छ तथा निरंतर ऊर्जा की तलाश में हैं, लेकिन पश्चिमी देशों के महंगे परमाणु संयंत्र उनके लिए व्यावहारिक विकल्प नहीं हैं। भारत यदि अपनी तकनीक, निर्माण क्षमता और प्रशिक्षण व्यवस्था को सुव्यवस्थित रूप से विकसित करे, तो वह इन देशों का भरोसेमंद साझेदार बन सकता है।

भारत के पास विश्व के सबसे बड़े थोरियम भंडार हैं। यदि तीसरे चरण के परमाणु कार्यक्रम को अपेक्षित गति मिलती है, तो भारत न केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को अधिक सुरक्षित ढंग से पूरा कर सकेगा, बल्कि भविष्य की परमाणु प्रौद्योगिकी में भी अग्रणी भूमिका निभा सकता है। इसके अलावा, आधुनिक विज्ञान साझेदारी और ज्ञान-विनिमय से आगे बढ़ता है। इसलिए जहां नई तकनीकों, सुरक्षा मानकों और अनुसंधान के क्षेत्र में सहयोग भारत की क्षमता को मजबूत करता हो, वहां उसका स्वागत किया जाना चाहिए।

सरकार को इस दिशा में तीन स्तरों पर विशेष ध्यान देना होगा। पहला, स्वदेशी परमाणु उद्योग और अनुसंधान संस्थानों को दीर्घकालीन वित्तीय एवं नीतिगत समर्थन दिया जाए, ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप तकनीक विकसित कर सकें। दूसरा, परमाणु क्षेत्र की साइबर सुरक्षा, आपूर्ति शृंखला और डिजिटल संरचना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जिससे कुडनकुलम जैसी घटनाओं से मिलने वाले सबक भविष्य में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बना सकें। तीसरा, भारतीय परमाणु तकनीक को वैश्विक स्तर पर निर्यात योग्य बनाने के लिए कूटनीतिक, वित्तीय और औद्योगिक रणनीति तैयार की जाए। जिन परिस्थितियों में दुनिया ने भारत को तकनीकी रूप से अलग-थलग करने का प्रयास किया, उन्हीं परिस्थितियों में भारतीय वैज्ञानिकों और अभियंताओं ने आत्मनिर्भरता की ऐसी नींव रखी, जो आज देश की सबसे बड़ी रणनीतिक पूंजी बन चुकी है। ऊर्जा सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और तकनीकी प्रतिस्पर्धा के इस दौर में भारत के सामने चुनौती नई तकनीक खोजने की नहीं, बल्कि अपनी विकसित क्षमता पर विश्वास करने की है। परमाणु आत्मनिर्भरता की वास्तविक परीक्षा यही है कि वह अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों को केवल गर्व का विषय न बनाए, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय विकास और वैश्विक नेतृत्व का आधार भी बनाए।

गला रेतकर युवती की हत्या, पांच संदिग्ध व्यक्ति हिरासत में

रात में बहन के साथ सो रही थी जुगनी, बकरी चराने के विवाद में पड़ोसी परिवार पर आरोप, 2022 में भी इसी टोले में वार्ड सदस्य की इसी तरह हुई थी हत्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। जोकीहाट थाना क्षेत्र की मटियारी पंचायत के अझवा हैय्याधार गांव में सोमवार तड़के 20 वर्षीय युवती की गला रेतकर हत्या किए जाने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान मोहसीन की पुत्री जुगनी उर्फ जुमनी (20) के रूप में हुई है। घर के कमरे में खून से लथपथ शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची जोकीहाट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, अररिया भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी। परिजनों के अनुसार जुगनी रविवार रात अपनी 17 वर्षीय बहन आशियाना के साथ कमरे में सो रही थी, जबकि माता-पिता बरामदे में सोए थे। सुबह कमरे में उसका शव मिलने से परिवार के होश उड़ गए। युवती के गले पर धारदार हथियार से वार के गहरे निशान मिले हैं। कमरे से खून से सना तकिया और खून लगा कपड़ा भी बरामद हुआ है, जिसे पुलिस ने जांच के लिए सुरक्षित रखा है। मृतका के पिता मोहसीन ने पड़ोस के एक परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि दो अगस्त को खेत में बकरी चराने और घास काटने को लेकर दोनों परिवारों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। परिजनों का आरोप है कि उसी रंजिश में उनकी बेटी की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पांच लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बच रही है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष राजीव कुमार झा ने बताया कि युवती की मौत संदिग्ध परिस्थितियों में हुई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, वैज्ञानिक साक्ष्य और तकनीकी जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच के दौरान कई सवाल भी सामने आए हैं। वारदात के समय माता-पिता कुछ ही दूरी पर सो रहे थे, फिर भी उन्हें किसी प्रकार की आहट क्यों नहीं मिली। जिस कमरे में युवती सो रही थी, वहां उसकी बहन भी मौजूद थी। पुलिस उससे भी पूछताछ कर घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। घटनास्थल सुनसान इलाके में है, जहां केवल तीन परिवार रहते हैं और चारों ओर खेत-खलिहान फैले हैं। ऐसे में पुलिस बाहरी लोगों की भूमिका और सुनियोजित साजिश, दोनों पहलुओं पर जांच कर रही है। मृतका पांच बहनों और एक भाई में शामिल थी। उसकी तीन बहनों की शादी हो चुकी है। परिजनों का कहना है कि जुगनी शांत और सरल स्वभाव की थी तथा उसकी किसी से व्यक्तिगत दुश्मनी नहीं थी। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। पूर्व पंचायत समिति सदस्य सलाउद्दीन और स्थानीय मुखिया कमरूज्जमां ने दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अझवा हैय्याधार में गला रेतकर हत्या की यह चार वर्षों में दूसरी बड़ी वारदात है। इससे पहले 27 सितंबर 2022 को इसी टोले में वार्ड सदस्य मो. ईसुद्दीन (ईस) की घर में सोते समय धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या कर दी गई थी।

गोरखनाथ धाम में श्रावणी मेला का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सावन श्रावणी मेला को लेकर बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर में रविवार के देर संध्या पुर्व डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद, कदवा विधायक दुलाल चन्द्र गोस्वामी, बलरामपुर विधायक संगीता देवी, जिला परिषद अध्यक्ष रशिम सिंह सहित एसडीओ राजु कुमार, एसडीपीओ अजय कुमार आदि की कमेटी के पदेन अध्यक्ष सह एसडीओ राजु कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रत्येक महत्वपूर्ण स्थानों पर दंडाधिकारी,अतिरिक्त पुलिस बल, मेडिकल कैम्प, एम्बुलेंस, चलत शौचालय, पीने की पानी की व्यवस्था,दमकल , मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरा आदि की जानकारी दिये। किसी भी श्रद्धालुओं को

उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर पुजा मेले का शुभारंभ किया गया। साथ ही शिवभक्तों को प्रथम सोमवारी की हार्दिक बधाई दी। श्रावणी मास में बाबा गोरखनाथ धाम में प्रत्येक सोमवारी के मौके पर श्रद्धालुओं द्वारा मनिहारी से गंगा जल लाकर जलाभिषेक किया जाता है।इस अवसर पर भव्य मेला का आयोजन होता है। इस अवसर पर कदवा विधायक दुलाल चन्द्र गोस्वामी ने बताया की बाबा गोरखनाथ धाम मंदिर अति प्राचीन धार्मिक स्थल है। बिहार, बंगाल, उड़ीसा, झारखंड सहित नेपाल, भुटान आदि देश से शिवभक्त जलाभिषेक के लिए उपस्थित होते हैं। ऐसे में प्रथम सोमवारी से लेकर अंतिम सोमवारी तक एवं श्रावण पूर्णिमा में लगने वाले मेला में भक्तजनों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो। सभी को बाबा भोलेनाथ की असिम कृपा बना रहे। मौके कटिहार,बलरामपुर विधायक ने भी संबोधित किये। मंदिर परेशानी नहीं हो, लाखों लोगों का श्रद्धा यहां से जुड़ा है। जलाभिषेक के लिए आने वाले कांवरियों की सुविधा, सुरक्षा का पूर्ण व्यवस्था है। इस अवसर पर सुनील छैलाबिहारी के द्वारा रात भर भक्ति गीत प्रस्तुत कर सब का मन मोह लिया।सालमारी थानाध्यक्ष कुमारी जुली दल बल के साथ उपस्थित रहे। कमेटी के सचिव पिंटू यादव, उपाध्यक्ष अक्षय सिंह, दिलीप कुमार सिंह, श्याम अग्रवाल, पवन अग्रवाल, श्याम नाथ यादव, राधाकांत घोष, अशोक साह, निताई यादव, चन्दन यादव, प्रवीण शर्मा, पंचानंद यादव, सन्नी यादव, देवनारायण नुनिया, राजेश भगत, बजरंग चौधरी, फनी सिंह, रामविलास शर्मा, सुदीप्तो घोष, राजू घोष, नारायण बीन, गणेश बोसाक, पप्पू शर्मा, कविंद्र सिंह, प्रमोद अग्रवाल, पवन अग्रवाल, रत्न दास, प्रवेश सिंह सहित कमेटी सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

श्रावण मास की प्रथम सोमवारी में शिव मंदिर में जल चढ़ाने को उमड़ी भीड़

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। श्रावण मास के प्रथम सोमवारी के शुभ अवसर पर विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से ही शिवलिंग पर जल चढ़ाने को लेकर भीड़ उमड़ पड़ी हैं। इस मौके पर शिव मंदिर बड़ी बथना, जयनगर, मनसाही, बिशनपुर, मोहनपुर, हरिप्रसाद, भेड़मारा, घासीटोला, कजरा, बसंतपुर, गोरगामा, मटियारी, चित्तौरिया, अरमारा आदि शिव मंदिर में सुबह से ही कुंवारी कन्याएं, नवविवाहित महिलाएं,युवा वर्ग, नहा धोकर तैयार होकर डलिया में फल, फूल,बेलपत्र, भांग, धतूरा, गंगाजल आदि लेकर शिव मंदिर पहुंचे। शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर शिवलिंग पर जल चढ़ाकर जगत समाज एवं परिवार के कल्याण की कामना की गई। इस मौके पर शिव मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था जो काफी मनमोहन दिख रहा था। वहीं मनिहारी अवस्थित गंगा घाट से भी जल लेकर श्रद्धालु विभिन्न शिव मंदिर में जल चढ़ाने को लेकर फोरलेन सड़क में काफी भीड़ देखी जा रही हैं,जो विभिन्न शिव मंदिर में शिवलिंग पर जल अर्पण करेंगे।

कटिहार में चार तपस्वियों का हुआ अभिनंदन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। मुनिश्री प्रशांत कुमारजी मुनिश्री कुमुद कुमारजी के सान्निध्य में श्री श्रेयांस पुगलिया - आठ, श्रीमती सुधा सुराणा -आठ, श्रीमती रेखा बैंगवानी-नौ, श्रीमती प्रियंका बैंगाणी -नौ की तपस्या का अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। जनसभा को संबोधित करते हुए मुनिश्री प्रशांत कुमारजी ने कहा - तपस्या श्रेष्ठ उपाय है पिछले जन्मों के पाप को क्षय करने के लिए। इससे पुण्य भी बढ़ता है। तपस्या शुद्ध भाव से करनी चाहिए। तभी वह

सार्थक बनेगी। कामना की भावना न रहे। चमत्कार, कामना की भावना तपस्या के महत्व को कम कर देती है। हमारा लक्ष्य आत्मशुद्धि का होना चाहिए। निष्काम भाव से ही साधना करनी चाहिए। धर्म साधना में भावना सम्यक होने से ही उसका यथार्थ लाभ होता है। मुनिश्री कुमुद कुमारजी ने कहा - मनोबल जिसका मजबूत होता है वहीं व्यक्ति खाने में संयम कर सकता है। जिनशासन में छोटे छोटे बच्चे भी तपस्या करके अपनी आत्मा का कल्याण कर रहे है।सभी तपस्वी इसी धर्म के पथ पर आगे बढ़ते रहे।

जन सुराज के संस्थापक के बाकीपुर विधानसभा क्षेत्र से जीतने पर कार्यकताओं में खुशी की लहर

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। पटना के बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र से जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के जीत पर मनसाही जन सुराज पार्टी के कार्यकताओं में हर्ष का माहौल देखा गया। मौके पर मनिहारी विधानसभा क्षेत्र के जन सुराज पार्टी के पूर्व प्रत्याशी सह फुलहारा पंचायत के मुखिया बबलू सोरेन अपने कार्यकताओं के साथ जीत का जश्न मनाया और इसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध युवाओं की जीत बताया। प्रशांत किशोर की जीत पर विपक्ष में भी खुशी देखी गई और इसे भ्रष्टाचार, अफसरशाही एवं बेरोजगारी के खिलाफ जनता का जबाब बताया। इस अवसर पर महबूब सरकार आदि उपस्थित रहे।

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल ने सार्वजनिक दुर्गा स्थान में सदबुद्धि हवन का आयोजन

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। राम भक्त,संत समाज के श्रद्धालुओं एवं सनातन समाज के लोगों ने सहभागिता कर संतों के सम्मान, सामाजिक सद्भाव एवं सनातन संस्कृति की गरिमा की रक्षा का संकल्प लिया। बीतो दिनो पप्पू यादव एवं विपक्ष के नेताओ के द्वारा राम मंदिर मे चोरी के प्रकरण को संतो के वेशभूषा में प्रस्तुत कर संतो एवं सनातन का घोर अपमान किया,वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विपक्ष के इन नेताओ को भगवान सतबुद्धी दे इस उदेश्य से ये कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस हवन के माध्यम से समाज में संतों के प्रति आदर,मयार्दा और सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण का संदेश दिया गया।

दिव्यांगों के सामूहिक विवाह हेतु पंजीयन एवं परिचय समारोह का शुभारंभ

कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। शहर के होटल राजस्थान सभागार शहीद चौक में कोशी क्षेत्रीय विकलांग, विधवा, वृद्ध कल्याण समिति, कटिहार के तत्वावधान में दिव्यांगजनों के सामूहिक विवाह हेतु पंजीयन एवं परिचय समारोह का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस विशेष पहल के तहत कई दिव्यांगजनों ने शादी के लिए अपना-अपना रजिस्ट्रेशन कराया।जिसमें एक दिव्यांग युवती ने भी उत्साहपूर्वक अपना पंजीकरण करवाकर विवाह के लिए अपनी सहमति और तैयारी दर्ज की। कार्यक्रम का शुभारंभ सुधीर कुमार,राष्ट्रीय संगठन मंत्री, सेवा भारती ने की ।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजा राम प्रांत सेवा प्रमुख उत्तर बिहार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथिगण के रूप में डीडी. झा, अवकाश प्राप्त जिला आपूर्ति पदाधिकारी और जयदेव सिंह राव, अखिल भारतीय छात्रावास प्रमुख सेवा भारती नई दिल्ली ने रजिस्ट्रेशन के लिए आये दिव्यांग युवक युवती को अपना आशीर्वाद देकर उज्जवल भविष्य की नई शुरूआत की बधाई दी। इस कार्यक्रम के प्रमुख नेतृत्व एवं सहयोग के रूप में मोहन कुमार राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बोर्ड सदस्य, राष्ट्रीय न्यास, भारत सरकार, मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की और कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दिव्यांगजनों के सामूहिक विवाह में शामिल होने के लिए माता-पिता, अभिभावक और शुभचिंतकों से आग्रह किया गया है। इस अवसर पर विजय कुमार,जय जय राम पांडे, मृत्युंजय झा, गोपाल साह, पिंकी सिन्हा,नेहा ठाकुर,रवि कुमार दास , ऋषिकेश शाह, जूली शर्मा, आशा देवी, लेलु मंडल, लक्ष्मी देवी, मोनिका कुमारी, प्रशांत कुमार, मोहम्मद अफसर, आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे ।

युवाओं ने श्रमदान कर बनाई ढलान

बरारी/कटिहार(नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। सामाजिक सरोकार का परिचय देते हुए क्षेत्र के युवाओं ने सोमवार को कढ़ागोला 5 बी रेलवे अंडरपास के बाहरी हिस्से में बने ठोकर के दोनों ओर सीमेंट-कंक्रीट की ढलान तैयार कर वाहन चालकों को बड़ी राहत दी। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लकी सोढ़ी, जगदीप सिंह हनी, आईएमआई केयर फाउंडेशन के सदस्य सुमित कुमार छोटू, रिशु सिंह, मोहित यादव समेत अन्य युवाओं ने अपने निजी कोष से गिट्टी,बालू और सीमेंट की व्यवस्था की। इसके बाद सभी ने श्रमदान कर अंडरपास के दोनों ओर ढलान का निर्माण किया।

विद्यालय की जमीन की फर्जी जमाबंदी कराने का आरोप

जिला प्रशासन से जांच कर फर्जी जमाबंदी रद्द करने तथा दोषियों पर कार्रवाई की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। कदवा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धनगामा पंचायत अवस्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय सह उच्च विद्यालय की भूमि का विवाद बढता हीं जा रहा है। बताया जाता है कि उक्त विद्यालय को दान मे मिली भूमि को किसी ने फर्जी दस्तावेज के आधार पर अपने नाम करा लिया है।अगर वास्तव में ऐसा हुआ है। तो प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना लाजिमी है। मामले को लेकर धनगामा निवासी कामरु शर्मा ने जिला प्रशासन को आवेदन देकर आरोप लगाया है कि खाता संख्या-142, खेसरा संख्या-423, रकवा-98 की जमीन उनके दादा स्व. नुनाई शर्मा ने गांव में

बच्चों की शिक्षा के लिए विद्यालय स्थापना हेतु दान दिया था।लेकिन भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त जमीन का ऑनलाइन जमाबंदी अपने नाम कर लिया है। इतना ही नहीं उक्त जमीन की खरीद-बिक्री भी कर ली गयी है। अगर आवेदक का आरोप सही है तो यह सिर्फ विद्यालय के जमीन की हेराफेरी और अनैतिक कब्जा का मामला नहीं होकर बल्कि राजस्व विभाग, अंचल कार्यालय और शिक्षा विभाग की कार्य शैली पर भी गंभीर सवाल है। ऐसे में सवाल यह भी है कि अगर जमीन विद्यालय के उपयोग में थी, तो अंचल कार्यालय ने बिना भौतिक सत्यापन के नामांतरण को कैसे स्वीकृति दे दी? अगर सरकारी विद्यालय की भूमि थी, तो शिक्षा विभाग उसकी सुरक्षा एवं अभिलेखों के सुरक्षा के प्रति लापरवाह क्यों रहा। क्या विभागीय अधिकारियों की लापरवाही एवं राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का लाभ लेकर भू-माफिया सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने में सफल रहे हैं? वहीं मामले में सरकारी संपत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठने लगा है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने जिला पदाधिकारी से उच्चस्तरीय जांच कराकर फर्जी जमाबंदी को रद्द करने तथा दोषियों पर कठोर कारवाई करने की मांग की है।क्योंकि समय रहते यदि निष्पक्ष जांच और कारवाई नहीं हुई,तो भविष्य में इस तरह के मामलों में वृद्धि से इंकार नहीं किया जा सकता है।

सावन में शिवभक्ति से गूंजा शिव सेना मंदिर, उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। सावन माह के अवसर पर मनिहारी रेलवे स्टेशन के निकट स्थित शिव सेना मंदिर में सोमवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। वहीं शाम होते ही मंदिर परिसर ढोल-नगाड़ों और शिव स्तुति से भक्तिमय हो उठा। शिव सेना मंदिर समिति के अभय कुमार सिंह ने फीता काटकर भव्य शिव जागरण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके बाद गायक छविलाल की संगीत मंडली एवं प्रसिद्ध भजन गायक खगेश ब्यास ने भगवान शिव की मनमोहक स्तुतियों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को

भावविभोर कर दिया। भक्ति गीतों पर श्रद्धालु झूमते रहे और मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

गोरखनाथ धाम मंदिर में शिवभक्तों का उमड़ी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सालमारी (कटिहार)। सावन माह की पहली सोमवारी को लेकर जिला का गौरव मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर में दिनभर शिवभक्तों का तांता जलाभिषेक के लिए लगा रहा। मनिहारी से गंगाजल लाकर हजारों की संख्या में शिवभक्तों ने बाबा गोरखनाथ पर गंगाजल अर्पित कर पूजा अर्चना की। दूध,दही, बेलपत्र, फूल, सेव, केला, दूब, भांग, धतूरा का फूल चढ़ा कर पूजा की एवं अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए बाबा भोलेनाथ से आशीर्वाद लिया। मंदिर के पुजारी सुरजीत बनर्जी ने बताया कि सावन मास में भगवान शिव की पूजा करने का बहुत अधिक महत्व है। इस माह

में पूजा करने से भक्तों की मनोकामना पूर्ण होती है। महिलाओं ने युवतियों सहित अन्य इस मौके पर उपवास रखकर फलाहार का सेवन किया और अपनी मनोकामना की पूर्ति के लिए बाबा गोरखनाथ से आशीर्वाद मांगा। कमेटी की ओर से उमड़ने वाली भीड़ को लेकर रविवार को ही सारी तैयारियां पूरी कर ली गई थी। कमेटी के सचिव पिंटू यादव ने बताया कि पहली सोमवारी के मौके पर एक लाख से भी अधिक शिव भक्तों ने गोरखनाथ मंदिर में पूजा अर्चना की। बाबा गोरखनाथ कमेटी के सदस्यों के द्वारा भी मनिहारी से गंगाजल लाकर बाबा गोरखनाथ पर सावन की पहली सोमवारी के मौके पर जलाभिषेक किया है। वहीं गोरखनाथ धाम मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष अक्षय सिंह ने बताया कि अगले साल से भी अधिक भीड़ इस वर्ष देखने को मिल रही है। बारसोई एसडीओ सह मंदिर के अध्यक्ष राजू कुमार सोमवार को लगातार इस भीड़ की मोनिटरिंग करते रहे।

पहली सोमवारी को लेकर शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डंडखोरा (कटिहार)। सावन की सोमवारी को लेकर प्रखंड क्षेत्र में श्रद्धा और भक्ति का माहौल रहा।क्षेत्र के सभी शिवालयों में सुबह से हीं शिवभक्तों की भीड़ नजर आई। प्रबंधन की ओर से मंदिर परिसरों की विशेष सफाई की गई थी तो वहीं मंदिरों में बजने वाले शिव भजनों से वातावरण देर शाम तक भक्तिमय बना रहा। इस दौरान भक्त उपवास कर गंगाजल, दूध, फूल, चंदन, बेलपत्र, धूप दीप आदि पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे। जहॉ देवाधिदेव का जलाभिषेक और पूजन कर अपने तथा अपने परिवारजनों की कुशलता और समृद्धि के लिए

प्रार्थना की। इस दौरान महिला भक्तों की संख्या अधिक रही। जिसमें किशोरी एवं नवविवाहिता श्रद्धापूर्वक जलाभिषेक करती देखी गई। प्रखंड क्षेत्र के अति प्राचीन राजा-रानी मंदिर सौरिया, धार्मिक न्यास परिषद द्वारा अधिग्रहित बलुआ मंदिर, नकुलेश्वर महादेव मंदिर डुमरिया में सुबह से दूर दूर से भक्तों का जुटाई शुरू हो गया था। जबकि संगत टोला डंडखोरा, भट्ठाबाड़ी डंडखोरा, पटहरा, बिजैली, गोरफर, रघैली आदि शिव मंदिरों में भी काफी भीड़ देखी गई।अपनी मन्नत के मुताबिक भक्तों को कांवर में मनिहारी से गंगाजल लाकर भी चलाते देखा गया। जबकि विभिन्न सड़कों पर मनिहारी से गंगाजल लेकर मिनी बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर जाने वाले कांवरियों की कतार भी देखी गई। इस दौरान प्रशासन की भी चौकसी रही। डंडखोरा पुलिस को विभिन्न मंदिरों का जायजा लेकर प्रबंधन से आवश्यक पूछताछ करती तथा मुख्य सड़कों पर विशेष गश्ती करते देखा गया।

सावन की पहली सोमवारी को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार) । सावन की पहली सोमवारी को लेकर कदवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में हर्षोल्लास के साथ पूजा अर्चना किया गया। सोमवारी को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सोनैली, कदवा, कुम्हड़ी, चांदपुर, परभेली, दुगार्गंज, गोपीनगर, चौकी, भर्री सहित अन्य मंदिरों में अहले सुबह से ही श्रद्धालुओं की काफी भीड़ उमर पड़ी। भक्तजन पुरुष, महिला, कुमारी कन्या एवं नवविविहिता निर्जला उपवास कर भगवान भोलेनाथ को भांग, धतूरा, फूल, बेलपत्र, गंगाजल के साथ दूध, दही तथा मौसमी फल आदि चढ़ा कर

पूजा- अर्चना किया। पहली सोमवारी को लेकर क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों को दुल्हन की तरह सजाया गया है। वही हर-हर महादेव के जयकारे से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा जिससे माहौल भक्तिमय बन गया है। सावन में भोलेनाथ तथा माँ पार्वती का पूजा करने का अलग ही महत्व है। सावन में भोलेनाथ की पूजा अर्चना कर भक्त मनचाही मुराद पाते है। सावन के आते ही बाजार भगवा तथा हरे वस्त्रों से पट जाता है।

गंगा में डूबे किशोर का 24 घंटे बाद मिला शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार) । काढ़ागोला गंगा नदी में रविवार को डूबे 16 वर्षीय किशोर शानू कुमार का शव सोमवार दोपहर करीब 24 घंटे बाद एसडीआरएफ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बरामद कर लिया। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जबकि पूरे घुसकी गांव में मातम पसरा है।जानकारी के अनुसार रौनिया पंचायत के वार्ड संख्या-12 स्थित घुसकी गांव निवासी छोटे लाल यादव का पुत्र शानू कुमार रविवार दोपहर करीब 2:30 बजे भैंस चराने के लिए 8 नंबर ठोकर से गंगा पार दियारा जा रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह गंगा की तेज धारा में बह गया था। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों ने काफी देर तक तलाश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। सोमवार को लगातार चलाए गए सर्च अभियान के दौरान एसडीआरएफ ने किशोर का शव नदी से बाहर निकाला।

हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहे शिवालय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार) । सावन माह के प्रथम सोमवार पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु अहले सुबह मनिहारी गंगातट पहुंचे। जहां उन्होंने पवित्र गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर कांवरों में गंगाजल भरा। पूरे क्षेत्र में "हर-हर महादेव" और "बम-बम भोले" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। जलभरण के बाद कांवरियों का जत्था अपने-अपने गंतव्य स्थित शिवालयों की ओर रवाना हुआ। जिले भर के मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर बेलपत्र, धतूरा, भांग, पुष्प और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगल की कामना की। सावन के प्रथम सोमवार

के अवसर पर कई शिवालयों में भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक, हवन-पूजन एवं विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया, जिससे पूरा माहौल शिवमय हो गया। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए थे। गंगाघाट पर सुरक्षित स्नान, सुचारु आवागमन, भीड़ नियंत्रण तथा यातायात व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। जिले के पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने स्थानीय पुलिस पदाधिकारियों के साथ मनिहारी गंगाघाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का विगत दिनों जायजा ले चुके हैं।उन्होंने श्रद्धालुओं के सुरक्षित स्नान, जलभरण एवं यात्रा मार्ग पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए, ताकि किसी प्रकार की असुविधा या अप्रिय घटना न हो। वहीं मनिहारी नगर पंचायत के मुख्य पार्षद लाखो यादव भी अपने सहयोगी पार्षदों के साथ गंगाघाट और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय रहे। उन्होंने कांवरियों को पेयजल, विश्राम, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहयोग किया। श्रद्धालुओं ने प्रशासन एवं नगर पंचायत द्वारा की गई व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए इसे सफल और सुव्यवस्थित बताया।

संक्षिप्त समाचार

सोने-चांदी के भाव में आई तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। एमसीएक्स पर सोमवार, 3 अगस्त की सुबह सोने और चांदी के दाम बढ़त के साथ खुले। इस तेजी की मुख्य वजह

अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट रही। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के साथ सोमवार को बातचीत किए जाने की घोषणा के बाद तेल के दाम में तेज गिरावट दर्ज की गई। सुबह करीब 9:10 बजे एमसीएक्स पर गोल्ड के अक्टूबर फ्यूचर 0.13 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,43,557 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहे थे। वहीं, चांदी के सितंबर कॉन्ट्रैक्ट 0.40 प्रतिशत चढ़कर 2,18,061 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गए। कच्चे तेल का बेंचमार्क 5 प्रतिशत से अधिक लुढ़ककर करीब 83 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, डॉलर इंडेक्स 0.50 प्रतिशत फिसलकर 99.42 पर पहुंच गया, जिससे डॉलर में तय होने वाली सोने-चांदी की कीमतें दूसरी मुद्राओं के खरीदारों के लिए सस्ती हो गईं।

ट्रंप के बयान से बढ़ीं उम्मीदें

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अगस्त को कहा था कि ईरान के साथ बातचीत सोमवार को होगी, हालांकि उन्होंने किसी समझौते के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की। ट्रंप के इस बयान ने ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर उम्मीदें जगा दीं। इस समझौते से होर्मुज को फिर से खोलने और ईरान की परमाणु क्षमताओं को लेकर गतिरोध खत्म होने की संभावना है।

फेड की बैठक और ब्याज दरों पर संकेत

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने जुलाई नीति बैठक में ब्याज दरों को स्थिर रखा, लेकिन निकट भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना से इनकार नहीं किया। रॉयटर्स के अनुसार, तीन अमेरिकी फेड अधिकारियों ने जुलाई बैठक में 25 आधार अंकों की ब्याज दर बढ़ोतरी के पक्ष में असहमति जताई थी। उन्होंने पिछले शुक्रवार को चिंता व्यक्त की कि अल्पकालिक उधार लागत में तत्काल बढ़ोतरी के बिना, महंगाई फेड के 2 प्रतिशत टार्गेट से ऊपर बनी रहेगी। पिछले पांच वर्षों से महंगाई फेड के 2 प्रतिशत टार्गेट से ऊपर चल रही है।

गोल्ड-सिल्वर को लेकर क्या कह रहे एक्सपर्ट्स

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के मुख्य अनुसंधान अधिकारी रवि सिंह ने कहा, 'अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर नए सैन्य हमले को टालकर भू-राजनीतिक तनाव को कम किया है, जिससे तेल की कीमतों में करीब 7 डॉलर प्रति बैरल की तेज गिरावट आई है। ऊर्जा की कीमतों में नरमी से लगातार बढ़ती महंगाई की आशंका कम हुई है, जबकि डॉलर इंडेक्स 100 के स्तर से नीचे फिसलने से सोने को अतिरिक्त सपोर्ट मिला है।' अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष खत्म होना सोने की कीमतों के लिए एक बड़ा सकारात्मक संकेत हो सकता है। हालांकि, ब्याज दरों में बढ़ोतरी की संभावना सोने के लिए एक बड़ी बाधा बनी हुई है। रवि सिंह के अनुसार जब तक सोना 1,40,000 रुपये के स्तर से ऊपर बना रहता है, तब तक गिरावट पर खरीदारी की रणनीति अपनाना बेहतर होगा। अगर यह स्तर पार हो जाता है, तो सोना 1,46,700 रुपये तक जा सकता है, जो 55-दिवसीय ईएमए के साथ मेल खाता है। मनोज कुमार जैन (पृथ्वीफिनमार्ट कमोडिटी रिसर्च) के अनुसार एमसीएक्स पर सोने को 1,42,750 और 1,42,200 रुपये पर सपोर्ट है।

विदेशों में पढ़ाई पर बहुत खर्च होता है, नोएल टाटा ने प्रॉफिट वाले शिक्षण संस्थानों पर लगी पाबंदियों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने मुनाफा कमाने वाले शिक्षण संस्थानों पर लगी पाबंदियों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इन पाबंदियों की वजह से उस सेक्टर में निवेश कम होता है, जहां भारत को और ज्यादा अच्छे कॉलेज और यूनिवर्सिटीज की जरूरत है। देश को कई वर्ल्ड-क्लास संस्थान बनाने चाहिए ताकि छात्रों को अच्छी शिक्षा और करियर के मौकों के लिए देश छोड़कर न जाना पड़े।

टाटा ने बेंगलुरु में आईआईएम के पूर्व छात्रों के सम्मेलन में कहा कि देश के टॉप संस्थानों में बहुत कम छात्रों को एडमिशन मिल पाता है, जिससे कई होनहार छात्रों को हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाना पड़ता है। उन्होंने कहा, 'हम हर साल बच्चों को अमेरिका और यूरोप भेजने में बहुत ज्यादा पैसा खर्च करते हैं।' उन्होंने कहा, 'अदालतों का कहना है कि ने कहा है कि कोई भी शिक्षण संस्थान मुनाफा कमाने वाला नहीं हो सकता, जो कि दुखद है। मुझे लगता है कि इससे शिक्षा के क्षेत्र में और एजुकेशन सिस्टम को बेहतर बनाने के लिए आने वाला काफी पैसा रुक रहा है।' नोएल टाटा का बयान ऐसे समय आया है जब टाटा ट्रस्ट्स, बैंगलोर के साथ मिलकर अपना स्कूल ऑफ अंडरग्रेजुएट स्टडीज शुरू करने जा रहा है।

परोपकार मापने का तरीका

उन्होंने फिलनथ्रॉपी के प्रभाव को मापने के लिए ज्यादा सख्त तरीकों की भी मांग की। उन्होंने उन बड़े-बड़े दावों पर सवाल उठाए जिनमें कहा जाता है कि प्रोजेक्ट्स ने हजारों लोगों की जिंदगी को छुआ है लेकिन यह नहीं बताया जाता कि असल में उनकी जिंदगी में क्या बदलाव आया है। उन्होंने कहा, 'जब हम कहते हैं कि 'किसी की जिंदगी को छूना', तो हमारा क्या मतलब होता है, इसे लेकर हमें साफ होना चाहिए।

टाटा ने कहा कि एजुकेशन टाटा ट्रस्ट्स के लिए एक अहम फोकस एरिया होगा। ट्रस्ट्स फिर से संस्थान बनाने के काम पर ध्यान देना चाहता ठीक उसी तरह जैसा उसने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च और टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के मामले में किया था। उन्होंने कहा, 'मैं नए संस्थान बनाने पर अपना और पैसा खर्च करना शुरू करना चाहता हूं।'

हॉस्पिटल बनाने की योजना

टाटा ट्रस्टस के लिए हेल्थकेयर भी एक और प्राथमिकता है। ट्रस्ट्स की योजना पूरे भारत में 40-50 जनरल हॉस्पिटल बनाने की है। उन्होंने कहा, 'हम अब यह देख रहे हैं कि क्या हम पूरे भारत में 40 या 50 जनरल-पर्पज हॉस्पिटल बना सकते हैं। हमने तीन स्थान चुने हैं। हम इस पर काम शुरू करने जा रहे हैं।' ये हॉस्पिटल बिना मुनाफे के आधार पर चलेंगे और इनका मकसद सरकारी हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत मिलने वाली फ़ंडिंग के दायरे में काम करना होगा। ट्रस्ट्स एक क्रॉस-सब्सिडी मॉडल पर भी विचार कर रहा है। इसके तहत 20-30 प्रतिशत कमरों का किराया कमर्शियल रेट पर लिया जाएगा, जिससे बाकी मरीजों के इलाज के लिए सब्सिडी देने में मदद मिलेगी। टाटा ने कहा कि सभी मरीजों को एक जैसे डॉक्टर, दवाएं और ऑपरेशन थिएटर मिलेंगे। जो लोग ज्यादा पैसे देंगे, उन्हें मुख्य रूप से प्राइवेट कमरे और उनके परिवारों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं मिलेंगी।

16 गुना से अधिक का सब्सक्रिप्शन, जीएमपी दिखा रहा है 115 रुपये का फायदा

नईदिल्ली, एजेंसी। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स आईपीओ पर दांव लगाने की होड़ सी मची हुई है। आईपीओ को दोपहर 12 बजे तक 16 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। ग्रे मार्केट में यह मेनबोर्ड आईपीओ शानदार प्रदर्शन कर रहा है। जिसकी वजह से मजबूत लिस्टिंग के संकेत मिल रहे हैं। एमवी इलेक्ट्रोसिस्टम्स आईपीओ पर दांव लगाने का आज आखिरी दिन है। यह आईपीओ 30 जुलाई को खुला था। निवेशकों के पास आज यानी 3 अगस्त तक का समय है। कंपनी के आईपीओ का प्राइस बैंड 400 रुपये से 425 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इस आईपीओ का लॉट साइज 34 शेयरों का बनाया गया है। जिसकी वजह से निवेशकों को कम से कम 14450 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा। एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 29 जुलाई को खुला था। एंकर निवेशकों से कंपनी ने 130.50 करोड़ रुपये जुटाए थे। बता दें, कंपनी ने केफिन टेक्नोलॉजी लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया है। इनवेस्टर्स गेन की रिपोर्ट के अनुसार ग्रे मार्केट में कंपनी का आईपीओ आज 115 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा था। मौजूदा जीएमपी 27 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन को दिखा रहा है। कल के मुकाबले आज जीएमपी में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सबसे अधिक जीएमपी 133 रुपये रहा है। और सबसे कम जीएमपी 60 रुपये रहा है।

डॉलर के मुकाबले रुपये एक महीने के हाई पर

आरबीआई की एमपीसी से पहले कहां से मिली गुड न्यूज

नई दिल्ली, एजेंसी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की मीटिंग आज से शुरू हो रही है और इसमें लिए गए फैसलों की घोषणा 5 अगस्त को की जाएगी। इस बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 31 पैसे की मजबूती के साथ 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। यह 8 जुलाई के बाद इसका उच्चतम स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर हमले टालने के फैसले के बाद डॉलर के कमजोर होने से रुपये को सपोर्ट मिला।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश, देश के विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के समर्थन से भी स्थानीय मुद्रा को मजबूती मिली। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 95.15 पर खुला। बाद में 95.12 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 31 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया शुक्रवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त में रहा और सात पैसे मजबूत होकर 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

डॉलर हुआ कमजोर

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत टूटकर 99.74 पर रहा। घरेलू शेयर बाजारों में सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 470.06 अंक चढ़कर 78,564.70 अंक पर जबकि निफ्टी 150 अंक की बढ़त के साथ 24,532.95 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय तेल स्टैंडर्ड ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव 5.0 प्रतिशत की गिरावट के साथ 83.66 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 277.48 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। इस बीच शेयर बाजार में आज लगातार चौथे सत्र में तेजी आई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स में 600 अंक और निफ्टी में 200 अंक की तेजी आई।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री में रेकॉर्ड उछाल, दोपहिया का रजिस्ट्रेशन पहली बार 2 लाख के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों की बिक्री अब रफ्तार पकड़ने लगी है। जुलाई में मार्केट ने नया रिकॉर्ड बनाया। तेल की ऊंची कीमत, ज्यादा विकल्पों और बढ़ते डीलर नेटवर्क के बीच, सभी कैटेगरी में रजिस्ट्रेशन 66 प्रतिशत से ज्यादा बढ़कर लगभग 3.3 लाख यूनिट हो गए। पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 2 लाख यूनिट से थोड़ा कम था। आंकड़ों के मुताबिक जून में देश भर में 3.1 लाख श्वङ्क रजिस्टर हुए थे। इस ग्रोथ में इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का सबसे बड़ा योगदान रहा। जुलाई में पहली बार एक महीने में इनका रजिस्ट्रेशन 2 लाख का आंकड़ा पार कर गया। पिछले महीने इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन बढ़कर 2,04,201 यूनिट रहा जबकि जून में यह आंकड़ा लगभग 1.95 लाख था। पिछले साल जुलाई में यह आंकड़ा 1.1 लाख यूनिट था। जुलाई में रजिस्टर हुई सभी दोपहिया गाड़ियों

में इलेक्ट्रिक मॉडल की हिस्सेदारी लगभग 11.2 प्रतिशत रही। इससे पहले जून में यह 10.6 प्रतिशत थी। इस साल अब तक इलेक्ट्रिक दोपहिया गाड़ियों का एवरेज मंथली रजिस्ट्रेशन बढ़कर लगभग 1.7 लाख यूनिट हो गया, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 1.1 लाख यूनिट था। कारों की बिक्री

हीरो मोटोकॉर्प के बिक्री जून के 21,893 यूनिट से बढ़कर जुलाई में 22,883 यूनिट रही जबकि ओला इलेक्ट्रिक के रजिस्ट्रेशन 16,249 से घटकर 14,102 यूनिट रह गए। हालांकि इलेक्ट्रिक पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री जुलाई में थोड़ी कम हुई है। जून में यह 33,441 यूनिट थी लेकिन जुलाई में 32,660 यूनिट रह गई। टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक कार और सेगमेंट में अपनी बढ़त बनाए रखी है।

पेपर लीक बिल पर लोकसभा में अखिलेश यादव का दमदार भाषण

दोपहिया ईवी में टीवीएस मोटर ने अपनी लीडरशिप बनाए रखी। जुलाई में कंपनी ने 55,465 इलेक्ट्रिक टू-वीलर रजिस्टर किए। जून में यह संख्या 47,418 थी। इसी तरह बजाज ऑटो का चेतक ईवी का रजिस्ट्रेशन 45,562 यूनिट रहा जबकि जून में यह आंकड़ा 43,505 यूनिट था। एथर एनर्जी तीसरे स्थान पर रही। हालांकि जून में इसके रजिस्ट्रेशन में गिरावट आई है। जून में उसकी बिक्री 31,440 यूनिट रही थी जो जुलाई में घटकर 30,317 यूनिट रह गई।

जुलाई में पेट्रोल और डीजल की बिक्री में उछाल, एलपीजी की डिमांड में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की तीन पेट्रोलियम मार्केटिंग कंपनियों की पेट्रोल और डीजल की बिक्री में जुलाई के दौरान जोरदार उछाल आया।

उद्योग के प्रारंभिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। कमजोर मॉनसून के कारण किसानों और वाहन चालकों की ओर से ईंधन की मांग बढ़ने से ऐसा हुआ। हालांकि इस दौरान एलपीजी की बिक्री में गिरावट देखने को मिली इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की पेट्रोल बिक्री जुलाई में 9.7 प्रतिशत बढ़कर 34.5 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 31.4 लाख टन थी। यह मात्रा जुलाई, 2024 में बेचे गए 29.9 लाख टन से 15.1 प्रतिशत अधिक और 2023 की समान अवधि में दर्ज स्तर से 36.1 प्रतिशत अधिक रही। हालांकि, जून की तुलना में पेट्रोल की बिक्री 34.8 लाख टन से 1.1 प्रतिशत घट गई। डीजल की बिक्री सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत बढ़कर 71.2 लाख टन हो गई, जो एक साल पहले 64.3 लाख टन थी।

लैंड सीलिंग में चली गई थी 90 प्रतिशत जमीन, फिर खड़ी कर दी 500 करोड़ रुपये की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफएमसीजी सेक्टर की दिग्गज कंपनी नीलॉन्स की शुरुआत अचार से हुई थी और आज इसका टर्नओवर करीब 500 करोड़ रुपये है। कई फूड कैटेगरी में यह आज मार्केट लीडर है। इसका बिजनेस पूरे देश में फैला है और यह कंपनी 35 देशों को एक्सपोर्ट भी करती है। नीलॉन्स की स्थापना 1962 में महाराष्ट्र के जलगांव जिले के उतरन गांव में सुरेश बी. सांघवी और उनके भाई प्रफुल्ल सांघवी ने की थी। दरअसल 1961 में लैंड सीलिंग एक्ट के कारण उन्हें अपनी 1,500 एकड़ जमीन का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा गंवाना पड़ा था। इसके बाद ही उन्हें बिजनेस में उतरने का आइडिया आया था। सुरेश और प्रफुल्ल साघंवी ने उतरन गांव में घर की रसोई से यह बिजनेस शुरू किया था। प्रफुल्ल अपने पिता की असमय मौत के कारण ज्यादा नहीं पढ़ पाए और खेती बाड़ी के कामों में लगे रहे। लेकिन सुरेश ने 1962 में एग्रीकल्चर में ग्रेजुएशन किया। प्रफुल्ल ने सुरेश को नौकरी करने के बजाय एग्रीकल्चर में अपने अनुभव का फायदा एग्रीकल्चर प्रोसेसिंग में करने की सलाह दी। परिवार के पास नींबू के बागान थे जो 1,500 एकड़ में फैले हुए थे। लेकिन महाराष्ट्र में लैंड सीलिंग एक्ट के कारण परिवार की 90 प्रतिशत से ज्यादा जमीन चली गई। लेकिन इससे गुजारा करना मुश्किल था। ऐसे में दोनों भाइयों ने फूड प्रोसेसिंग में उतरने की सोची। दोनों भाइयों ने किचन को ही प्रयोगशाला बना दिया। अनानास, शहतूत, आम और दूसरे फलों से स्क्वैश बनाया। धीरे-धीरे, उन्होंने जेली, जैम, केचप और दूसरे प्रोडक्ट बनाना शुरू किया और उन्हें नीलॉन्स ब्रांड नाम से बेचा।

ज्यादा रिस्पॉन्स नहीं मिला।

1965 में एक समय ऐसा भी आया जब प्रफुल्ल ने सुरेश को बिजनेस बंद करने की सलाह दी लेकिन सुरेश धुन के पक्के थे। आखिर 1966 में कंपनी को एक बड़ा कॉन्ट्रैक्ट हाथ लगा और उसके बाद उसके पीछे मुड़कर नहीं देखा। सरकार मिलिट्री कैंटीन में अपने प्रोडक्ट बेचने के लिए कंपनियों से टेंडर मंगा रही थी। दोनों भाइयों को अचार की चारों वैरायटी यानी मिर्च, आम, मिक्स और नींबू के लिए कॉन्ट्रैक्ट मिल गए।

एसबीआई ग्राहक ने फ्रॉड में गंवाया 1.64 लाख दिलवाया

एसबीआई ग्राहक ने फ्रॉड में गंवाया 1.64 लाख, कंज्यूमर कोर्ट ने मुआवजे के साथ वापस दिलवाया

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टेट बैंक के एक ग्राहक को कंज्यूमर फोरम से भारी राहत मिली है। वह एक अनऑथराइज्ड ऑनलाइन बैंकिंग ट्रांजेक्शन में एक लाख 64,000 रुपये गंवा चुका था। उन्होंने इसकी तत्काल सूचना बैंक की शाखा, एसबीआई हेल्पलाइन, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल और पुलिस को दी थी। लेकिन उन्हें पैसे वापस नहीं मिले। अब जा कर उन्हें कंज्यूमर कोर्ट से पैसे की भरपायी हुई है।

हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब का एक एसबीआई ग्राहक ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी का शिकार हो गया। उसके अकाउंट से 1.64 लाख रुपये निकल गए। इसकी सूचना तुरंत बैंक, पुलिस और नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर दी। लेकिन उनके पैसे वापस नहीं मिले।

कोर्ट का क्या है कहना

आयोग ने नोट किया कि बैंक ने सर्वर लॉग्स, आईपी एड्रेस का विवरण, फोरेंसिक रिपोर्ट, तकनीकी जांच रिकॉर्ड या कोई भी इलेक्ट्रॉनिक सबूत नहीं जमा किए ताकि यह दिखाया जा सके कि ग्राहक ने लेन-देन को स्वेच्छा से प्रमाणित किया था। कोर्ट ने यह भी देखा कि 2017 के सर्कुलर के तहत, अनधिकृत इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग लेन-देन के मामलों में सुरक्षा से इनकार करने का प्रयास करता है, तो ग्राहक की लापरवाही साबित करने की जिम्मेदारी बैंक की होती है। कोर्ट ने यह भी कहा कि दावा खारिज करने का निर्णय कानूनी सबूतों के बजाय अनुमानों पर आधारित प्रतीत होता है।

यह दिया आदेश

उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष चरणजीत सिंह और सदस्य निधि वर्मा और वी.पी.एस. सैनी ने बीते 28 जुलाई को इस मामले का फैसला सुनाया। आयोग ने स्टेट बैंक को पूरी राशि के रिफंड और मुआवजे का आदेश दिया। आयोग ने याची की शिकायत को स्वीकार करते हुए एसबीआई को निर्देश दिया कि उपभोक्ता आयोग का यह भी कहना था कि जब कोई ग्राहक अनधिकृत लेन-देन की तुरंत रिपोर्ट करता है, तो बैंकों की उम्मीद होती है कि वे निष्पक्ष और

जो कोई भी सीखना बंद कर देता है, वह बूढ़ा हो जाता है, चाहे वह बीस साल का हो या अस्सी का

नई दिल्ली, एजेंसी। हेनरी फोर्ड अमेरिका के एक प्रभावशाली उद्योगपति और फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक थे। उन्होंने असेंबली लाइन प्रोडक्शन की शुरुआत करके ऑटोमोटिव इंडस्ट्री में धूम मचाई थी। 1863 में मिशिगन के एक फार्म में जन्मे फोर्ड को बचपन से ही मैकेनिक्स में गहरी दिलचस्पी थी। वह अक्सर घर की चीजों को खोलकर यह समझने की कोशिश करते थे कि वे कैसे काम करती हैं। सीमित औपचारिक शिक्षा के बावजूद, वह एक जाने-माने इंजीनियर और आविष्कारक बने। यही कारण है कि उन्हें पिछली शताब्दी की अहम हस्तियों में शुमार किया जाता है। फोर्ड के नए प्रोडक्शन तरीकों ने लागत को काफी कम किया और काम की क्षमता बढ़ाई। इससे कंपनी की मॉडल टी इतिहास की सबसे ज्यादा बिकने वाली कारों में से एक बन गई। उन्हें मजदूरों के प्रति प्रगतिशील सोच के लिए भी याद किया जाता है। खास तौर पर 1914 में रोजाना 5 की न्यूनतम मजदूरी लागू करना। इसे उस समय एक अभूतपूर्व कदम माना गया था। हालांकि, फोर्ड का जीवन और करियर विवादों से भी घिरा रहा। बिजनेस पार्टनर्स के साथ उनके रिश्ते जटिल थे। इंडस्ट्रियलिस्ट के लिए एक ही नियम है: सबसे अच्छी क्वालिटी का सामान कम से कम कीमत पर बनाओ और सबसे ज्यादा मजदूरी दो। एक साथ आना एक शुरुआत है; साथ रहना तरक्की है; साथ मिलकर काम करना कामयाबी है। गलती मत ढूंढो, इलाज ढूंढो। नाकामी बस फिर से शुरू करने का मौका है, इस बार ज्यादा समझदारी से काम करो। चाहे आपको लगे कि आप कर सकते हैं, या आपको लगे कि आप नहीं कर सकते - आप सही हैं। जो कोई भी सीखना बंद कर देता है, वह बूढ़ा हो जाता है, चाहे वह बीस साल का हो या अस्सी का।

मैं वापस आऊंगा के बाद फिर साथ में काम करने के लिए तैयार शरवरी और वेदांग रैना?

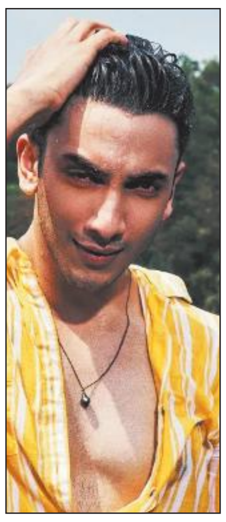

फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में दर्शकों की दिल जीतने के बाद शरवरी वाघ और वेदांग रैना एक बार फिर एक नए प्रोजेक्ट में एक-साथ नजर आने वाले हैं। खबरों की मानें तो इन कलाकार को निर्देशक इम्तियाज अली की अगली रोमांटिक फिल्म में लीड रोल के लिए साइन किया गया है। इसकी शूटिंग नवंबर में शुरू हो सकती है।

प्री-प्रोडक्शन आखिरी स्टेज में

लंबे समय तक चली राइटिंग प्रोसेस के बाद बिना नाम वाली फिल्म की पटकथा पूरी हो गई है। इसका मुख्य डेवलपमेंट का काम पूरा हो चुका है। कास्टिंग भी पूरी हो गई है और अब प्रोडक्शन टीम लोकेशन खोजने, शेड्यूल बनाने और दूसरी योजना पर ध्यान देगी। ताकि इस साल के आखिर में शूटिंग शुरू हो सके।

सब कुछ सही चल रहा है

प्रोजेक्ट से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मेकर्स को भरोसा है कि सब कुछ सही चल रहा है। टीम अब प्री-प्रोडक्शन के आखिरी स्टेज में है और यह पक्का कर रही है कि नवंबर में प्रोडक्शन शुरू होने से पहले सभी क्रिएटिव और टेक्निकल इंतजाम पूरे हो जाएं।

लीड जोड़ी की वापसी

इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि इम्तियाज अली को लगता है कि शरवरी और वेदांग रैना फिल्म के इमोशनल माहौल के लिए एकदम सही हैं। दोनों एक्टर्स ने हाल के कुछ परफॉर्मेंस से अपनी अच्छी पहचान बनाई है। उनका साथ आना इस प्रोजेक्ट की सबसे बड़ी खूबियों में से एक होगा।

इंटीमेट सीन के चक्कर में हाथ से गई फिल्म

कंटेंट क्रिएटर के तौर पर अपनी पहचान बनाने वाली निहारिका एनएम ने साल 2023 में अमेरिकी सिटकॉम 'बिग माउथ सीजन 7' में गेस्ट वॉइस रोल के साथ अपने करियर को ग्लोबल लेवल पर पहुंचाया। उनके एक्टिंग सफर की शुरुआत पिछले साल तमिल फिल्म 'पेरुसु' से हुई थी। इसके बाद उन्होंने 'मित्रा मंडली' और 'इधयम मुरली' में भी काम किया। अब वे बॉलीवुड में डेब्यू करने की तैयारी कर रही हैं।

निहारिका एनएम फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में बोहनी कर रही हैं। वे राघव जुयाल के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी। कॉमेडी फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में राघव जुयाल लीड रोल में हैं और निहारिका उनकी लव-इंटरेस्ट के रोल में हैं। फिल्म 30 जुलाई को रिलीज हो रही है। इस बीच अभिनेत्री ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उनका कहना है कि इंटीमेसी क्लॉज की वजह से उन्हें एक फिल्म से हाथ धोने पड़े थे। वे बोल्ड सीन करने के तैयार नहीं थीं। निहारिका का कहना है कि उनके लिए फिल्मी सफर आसान नहीं था। उन्हें कई बार रिजेक्शन झेलना पड़ा।

हीरो की शर्त के चक्कर में छोड़नी पड़ी फिल्म

निहारिका के मुताबिक, 'मुझे रिजेक्ट किए जाने के कई कारण थे। अब सोचने पर यह सब बहुत मजेदार लगता है'। एक घटना को याद करते हुए वे बताती हैं, 'एक फिल्म मुझे करनी थी। इसे एक बहुत बड़े डायरेक्टर बना रहे थे। उन्होंने मुझे खुद चुना था। मैंने उस रोल के लिए ऑडिशन दिया था और लुक टेस्ट भी हो गया था'। निहारिका ने आगे कहा, 'मेरे घर पर कॉन्ट्रैक्ट भेजा गया था और मैंने उस पर साइन कर दिया। उसमें इंटीमेट सीन से जुड़ी एक शर्त थी और मैंने उन्हें बता दिया था कि मैं ऑन-स्क्रीन इंटीमेसी करने में सहज नहीं हूं। वे इसके लिए तैयार थे और बॉडी डबल का इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे। लेकिन एक्टर बॉडी डबल के साथ वह सीन करने के लिए तैयार नहीं थे। उनकी इसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। यह उनका फैसला था। फिर स्थिति ऐसी बन गई कि या तो यह करो या वह'। इसके बाद उन्होंने वह फिल्म छोड़नी पड़ी।

शुरुआती सफर कैसा रहा?

निहारिका एनएम ने मायानगरी में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात की। उन्होंने बताया, 'जब मैं तीन-चार साल पहले मुंबई आई थी, तो मैंने एक प्रोडक्शन हाउस के साथ तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। मैं फिल्म स्कूल गई थी और मेरा थिएटर का बैकग्राउंड भी है। वे आगे कहती हैं, 'मैं एक्टिंग में हाथ आजमाना चाहती थी। मुझे नहीं पता था कि यह कहां तक जाएगा या मैं असल में क्या करना चाहती हूं। बस इतना पता था कि मुझे इसमें मजा आता है और मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं'। हालांकि, बाद में उन्होंने बॉलीवुड में करियर बनाने का विचार छोड़ दिया और साउथ फिल्म इंडस्ट्री में ऑडिशन देने पर फोकस किया।

इस बात का अब तक है अफसोस

निहारिका ने कहा, 'मैंने पहले हिंदी फिल्मों में कोशिश की थी, लेकिन मुझे महिलाओं के लिए तय किए गए मानक पसंद नहीं आए। जैसे कि उन्हें कैसा दिखना चाहिए या उनकी स्किन टोन कैसी होनी चाहिए'। निहारिका कहती हैं, 'मुझे लगा कि यह वह जगह नहीं है, जहां मुझे मुकाबला करना चाहिए। यह बहुत भीड़-भाड़ वाली जगह भी थी'। इसके बाद उन्होंने कार्तिक सुब्बाराज के प्रोडक्शन हाउस, 'स्टोन बेंच फिल्म्स' के साथ तीन फिल्मों का करार किया। निहारिका बताती हैं, 'लेकिन उनके साथ ट्रेनिंग के दौरान, मैंने साउथ की कुछ बहुत अच्छी फिल्मों के ऑफर ठुकरा दिए, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त कमाई की। मुझे तो यकीन ही नहीं हुआ। मैं कॉन्ट्रैक्ट से बंधी हुई थी। मुझे इसका बहुत अफसोस रहेगा, लेकिन जिन लोगों ने वे फिल्में कीं, उनके लिए मैं खुश हूं। फिर, एक बार जब कॉन्ट्रैक्ट खत्म हो गया, तो मुझे कोई रोक नहीं पाया। फिर तो मैंने अलग-अलग भाषाओं की फिल्मों में जमकर काम किया'।

ऐसे रोल चुनना चाहती हूं जहां मैं सिर्फ 'फर्नीचर' न बनूं

अब एक्ट्रेस अविका गौर ऐसे रोल करना चाहती हैं जहां उन्हें सिर्फ स्क्रीन पर दिखने के लिए नहीं, बल्कि अपनी एक्टिंग दिखाने का मौका मिले।

लोग मुझसे अच्छी एक्टिंग की उम्मीद करते हैं

बातचीत में अविका ने कहा कि अब वह स्क्रिप्ट और किरदार चुनते समय ज्यादा ध्यान रखती हैं। उन्होंने कहा, 'लोग मुझसे अच्छी एक्टिंग की उम्मीद करते हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं जहां मुझे परफॉर्म करने का मौका मिले, जहां मैं दिखा सकूं कि मैं एक एक्टर के तौर पर क्या कर सकती हूं। मैं ऐसे रोल नहीं करना चाहती जहां मैं फिल्म में सिर्फ 'फर्नीचर' बनकर रह जाऊं। इसलिए मैं हमेशा सही स्क्रिप्ट और सही किरदार चुनने पर ध्यान दूंगी।'

'बालिका वधू' को लेकर बोलीं अविका

अविका गौर को बालिका वधू से खास पहचान मिली थी। इतने समय बाद भी लोग उन्हें आनंदी के रूप में याद करते हैं, जिस पर अविका खुद को खुशकिस्मत मानती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत अच्छा लगता है। ऐसा लगता है कि मैंने कुछ खास किया है।'

अविका अब एक बार फिर 'खतरों के खिलाड़ी 15' में नजर आने वाली हैं। उन्होंने बताया कि यह शो हमेशा की तरह काफी मुश्किल और चैलेंजिंग है। उन्होंने कहा, 'ये शो आसान नहीं है। बहुत मुश्किल होता है। लेकिन मेरे लिए मेरा पिछला सीजन ज्यादा कठिन था। उस समय जो स्टंट मिले थे, वो मेरे लिए ज्यादा डरावने थे।' अविका ने आगे बताया कि इस बार स्टंट उतने डरावने नहीं लगे, लेकिन बाकी कंटेस्टेंट्स को देखकर वह इमोशनल हो जाती थीं। उन्होंने कहा, 'जब मैं दूसरों को स्टंट करते देखती थी, तो बहुत इमोशनल हो जाती थी। कई लोग घायल हो रहे थे या इमोशनल ब्रेकडाउन हो रहा था, ये सब देखना आसान नहीं था।' 'खतरों के खिलाड़ी 15' को फिल्ममेकर रोहित शेट्टी होस्ट कर रहे हैं। यह शो कलर्स और जियो होटस्टार पर प्रसारित होगा।

आइकॉनिक गाने को रीक्रिएट करना आसान नहीं होता

90 के दशक के कई गाने आज भी लोगों की जुबान पर हैं। इनमें से एक है फिल्म 'करण अर्जुन' का मशहूर गीत 'मुझको राणाजी माफ करना', जिसने जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की थी। अब इस सदाबहार गाने को नए अंदाज में 'राणाजी 2.0' के नाम से पेश किया गया है। नए वर्जन में अभिनेत्री माहिरा शर्मा नजर आ रही हैं। इस पर माहिरा का कहना है कि इतने लोकप्रिय गाने को रीक्रिएट करना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही बहुत बड़ी थीं। माहिरा शर्मा ने कहा, ''जब आप किसी आइकॉनिक गाने से जुड़ते हैं तो थोड़ा दबाव जरूर होता है, क्योंकि उन गानों से लोगों की पुरानी यादें जुड़ी होती हैं। मेरी कोशिश रही कि मैं अपनी अलग एनर्जी लेकर आऊं, लेकिन गाने की असली पहचान और एहसास को भी बरकरार रखूं।''

उन्होंने कहा, '''राणाजी 2.0' की म्यूजिक, कोरियोग्राफी और वीडियो का पूरा लुक मिलकर एक नया अनुभव देता है। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह पूरी टीम ने इस गाने को बनाते समय आनंद लिया, उसी तरह दर्शक भी इसे देखकर खूब पसंद करेंगे।'' इस गाने की कोरियोग्राफी मशहूर डांस डायरेक्टर रेमो डिसूजा ने की है। उन्होंने कहा, ''समय के साथ डांस का अंदाज काफी बदल गया है और यही बात 'राणाजी 2.0' को खास बनाती है। हमारी कोशिश थी कि गाने के विजुअल्स नए और मनोरंजक हों, लेकिन उसकी पुरानी पहचान भी बनी रहे। हम चाहते थे कि जिन्होंने सालों से इस गाने को पसंद किया है और जो पहली बार इसे सुन रहे हैं, दोनों ही इसे देखने का आनंद लें।''

वहीं, संगीतकार तनिष्क बागची ने कहा, ''किसी क्लासिक गाने को नए रूप में तैयार करना आसान नहीं होता। जब किसी पुराने लोकप्रिय गाने पर काम करते हैं तो सबसे बड़ी जिम्मेदारी उसकी एहसास को सुरक्षित रखना होता है। इस गाने की धुन और आवाज की अपनी अलग विरासत है। मेरा पूरा ध्यान इसे नया साउंड देने पर था, लेकिन इस तरह कि लोगों को वही पुरानी यादें भी महसूस हों। मैं चाहता था कि यह आज के दौर के हिसाब से भी ताजा लगे और साथ ही लोगों को याद दिलाए कि यह गाना आखिर इतना क्लासिक क्यों बना।'' 'राणाजी 2.0' को टिप्स म्यूजिक ने रिलीज किया है। इस नए वर्जन में इला अरुण और अलका याज्ञनिक की आवाज को बरकरार रखा गया है। यह गाना आधुनिक संगीत और पुराने जादू का मेल बनकर सामने आया है।

'मुझको राणाजी माफ करना' साल 1995 में आई सुपरहिट फिल्म 'करण अर्जुन' का हिस्सा था। इस फिल्म में शाहरुख खान, सलमान खान, राखी, काजोल और ममता कुलकर्णी जैसे कलाकार नजर आए थे।

कई कास्टिंग वालों ने मुझे ब्लैकलिस्ट कर दिया था

दिव्येंदु बॉलीवुड के उन कलाकारों में से हैं, जिन्होंने इंडस्ट्री में बिना किसी गॉडफादर के, एक नॉन फिल्मी परिवार से आते हुए अपनी अलग पहचान बनाई है। हालांकि, उनका यह सफर आसान भी नहीं रहा है। फिल्मी दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए कैसे-कैसे पापड़ बेलने पड़ते हैं, यह बात किसी से छिपी नहीं है। फिर चाहे आप भले ही कितने टैलंटेड हैं। पुणे के फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट से एक्टिंग सीखकर आए दिव्येंदु को भी रिजेक्शन के लंबे दौर से गुजरना पड़ा। यही नहीं, साल 2011 में 'प्यार का पंचनामा' से वाहवाही बटोरने के बावजूद अपने अपने हिस्से की लाइमलाइट के लिए 2018 का इंतजार करना पड़ा, जब 'मिर्जापुर' आई। बीते दिनों वेब सीरीज 'ग्लोरी' और फिल्म 'पेद्दी' में तारीफ पाने के बाद अब वह आगे 'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से मुन्ना भैया बनकर आ रहे हैं।

पिछले दिनों आई सीरीज 'ग्लोरी' में देव के किरदार के लिए सराहे गए दिव्येंदु बताते हैं, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमारी इंडस्ट्री काफी डिसआर्गेनाइज्ड थी। तब एक ही पैटर्न पर फिल्में बनती थीं। कुछ जब हिट हो जाता था तो वैसी ही कहानियां और बनने लगती थीं। कास्टिंग जैसा प्रॉसेस तब बिल्कुल नहीं था। आज जैसे कास्टिंग डायरेक्टर तब होते नहीं थे, तो बड़ी मुश्किल होती थी कि जाएं तो जाएं कहां।'

कोविड महामारी से एक अच्छी चीज हुई

दिव्येंदु कहते हैं, 'कोई गॉडफादर नहीं हैं इंडस्ट्री में, किसी से जान पहचान नहीं है। मैं थिएटर और फिल्म स्कूल से एक्टिंग सीखकर आया था। कई बार जब ऑडिशन में बताया जाता था कि सीन को ऐसे ही करना है तो कई मौकों पर ये लड़ाई होती थी कि जब तुम ही बताओगे कि सीन कैसे करना है, तो मेरा टैलंट कहां है? सच कहूं तो कोविड महामारी वैसे तो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी, पर जैसे सागर मंथन से कुछ अच्छी, कुछ बुरी चीजें भी निकलती है। उसमें अच्छी चीज ये हुई कि लोगों ने अलग-अलग तरह की चीजें देखनी शुरू की।'

शुरआत में रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था

दर्शकों के बदले रुझान पर बात करते हुए वह कहते हैं, 'कोविड से पहले, एक सेट थाली मिलती थी कि दाल, चावल, रोटी, सब्जी, यही फिल्म है। एक गाना होगा, ये इमोशन सीन है, ये बदला होगा, लेकिन महामारी के दौरान लोगों ने दुनिया भर का सिनेमा देखा, जिससे यहां भी अलग-अलग तरह की चीजें भी बनने लगीं। उसका बहुत फायदा मिला। मेरे करियर के शुरुआती दौर में ये चीजें नहीं थीं, तो रास्ता खोजना बहुत मुश्किल था।'

गुस्सा आता था, लड़ता भी था

दिव्येंदु आगे बताते हैं उनके संघर्ष का दौर खासा निराशाजनक था। बकौल दिव्येंदु, 'ऑडिशन में ज्ञान देने वालों पर मुझे बहुत गुस्सा आता था। मेरी बहुत लड़ाइयां भी होती थीं और मैं कई जगह से ब्लैकलिस्टेड भी था। तब खुद पर विश्वास बनाए रखने के लिए मैं मिर्जा गालिब का एक शेर है, 'बाज़ीचा-ए-अतफ़ाल है दुनिया मिरे आगे, होता है शब-ओ-रोज़ तमाशा मिरे आगे।', मैं वो पढ़ता था और मैं खुद से यही बोलता था कि अरे, इन लोगों को समझ नहीं है कि मैं कौन हूं। इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए खुद पर यह भरोसा जरूरी है।'

मुन्ना भैया ने मेरी टाइप कास्टिंग तोड़ी है

वेब सीरीज 'मिर्जापुर' का मुन्ना भैया हो या पिछली सीरीज 'ग्लोरी' का देव, दिव्येंदु डार्क किरदारों में ज्यादा नजर आते हैं। यह टाइप कास्टिंग है या उनकी चॉइस, यह पूछने पर वह कहते हैं, 'मुझे तो लगता है कि मुन्ना के बाद मुझे ज्यादा अलग-अलग किरदार ऑफर हुए। 'अग्नि', 'मडगांव एक्सप्रेस', 'लाइफ हिल गई' जैसे अलग-अलग काम मिले, तो मेरे लिए मुन्ना भैया ने टाइप कास्टिंग तोड़ी। वरना उससे पहले मैं कॉमेडी ही कर रहा था। जबकि, कॉमेडी मुझे ज्यादा मुश्किल लगती है। मेरी जो थिएटर में ट्रेनिंग रही है, फिल्म इंस्टीट्यूट में जो मेरी पढ़ाई रही है, मुझे ड्रामा, हैवी किरदार करना ज्यादा पसंद है।'

बीवी ने बताया कि तुम बदल गए हो

डार्क किरदार कई बार कलाकार के निजी व्यक्तित्व पर भी हावी हो जाते हैं। इस बारे में दिव्येंदु खुद का अनुभव साझा करते हैं, 'कुछ किरदार आप पर बहुत गहरी छाप छोड़ जाते है, जिससे निकलना मुश्किल होता है। मुन्ना के बाद ऐसा हुआ था कि मेरे बर्ताव में बदलाव आने लगे थे और मुझे यह अहसास भी नहीं हुआ। मेरी वाइफ आकांक्षा ने मुझे ध्यान दिलाया, तब मुझे लगा कि मैं अलग बिहेव कर रहा हूं तो हां, डार्क किरदार निभाते वक्त हर एक्टर को थोड़ा ध्यान रखना चाहिए। अगर कोई किरदार आपको बहुत डिस्टर्ब करता है तो उससे खुद को थोड़ा से दूर रखें। मैं इससे निकलने के लिए हॉलिडे पर गया। लुक बदलने से मुझे बहुत ज्यादा फर्क पड़ा।'

संक्षिप्त समाचार

‘मैं जहां भी हूं खुश हूं’, भारतीय टीम में वापसी के सवाल पर बोले भुवनेश्वर कुमार

नई दिल्ली। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने कहा है कि उन्हें भारतीय टीम का हिस्सा नहीं होने से फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि इस सच्चाई को स्वीकार करने में परिवार ने मदद की। 36 साल के भुवनेश्वर ने भारत का आखिरी बार 2022 में प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने कहा कि घर पर खेल के बारे में कोई चर्चा न होने से यह पक्का हुआ कि उन्हें कोई पछतावा न हो। भुवनेश्वर कुमार ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (ऋष्क्र) के पॉडकास्ट पर कहा, ‘मैं खुश हूं और इसका क्रेडिट मैं अपने परिवार को देता हूं। घर पर, हम कभी क्रिकेट

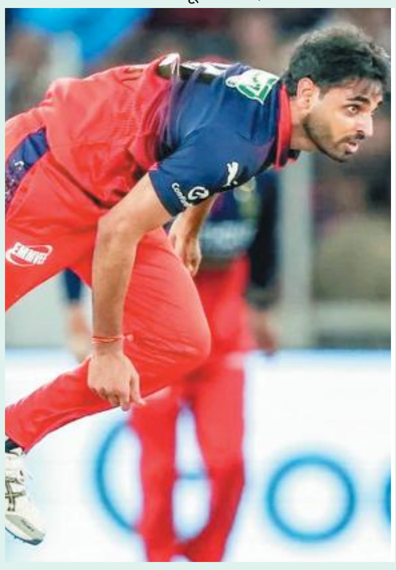

के बारे में बात नहीं करते। हम कभी इस बारे में बात नहीं करते कि मैं भारतीय टीम में वापस आऊंगा या नहीं, मुझे क्यों नहीं चुना गया, या क्या गलत हुआ। इसका बहुत बड़ा रोल था और कोई अफसोस नहीं है। जब आप किसी टीम के कोर मेंबर होते हैं, तो हर कोई कहता है कि टीम सबसे पहले आती है, लेकिन जब आप टीम में नहीं होते तो जाहिर है आपको लगता है शायद मुझे अभी भी वहां होना चाहिए था।’

बदलाव खेल का हिस्सा– भुवनेश्वर कुमार ने कहा, ‘मैं समझता हूं कि बदलाव खेल का हिस्सा हैं। मैं समझता हूं कि पीढ़ियां बदलती हैं। मैं ऐसा अनुभव करने वाला पहला खिलाड़ी नहीं हूं और निश्चित रूप से मैं आखिरी भी नहीं होऊंगा। यह खेल का हिस्सा है। परिवार एक बड़ी भूमिका निभाता है। मैं जहां हूं, वहीं खुश हूं। मैं पहले भी इंडिया के लिए खेल चुका हूं। यह कुछ ऐसा नहीं है जिसे मुझे अभी हासिल करना है। अगर मुझे एक और मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा, लेकिन मैं खेल चुका हूं।’

तिलक वर्मा कप्तान, करुण नायर को भी मौका

ये है दलीप ट्रॉफी के लिए साउथ जोन की टीम

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी 2026–27 के लिए साउथ जोन टीम की घोषणा हो गई है। तिलक वर्मा को 15 सदस्यों वाली टीम का कप्तान बनाया गया। आंध्र के बैटर रिकी भुई उप–कप्तान होंगे। टीम में करुण नायर भी शामिल हैं, जो पिछले साल एंडरसन–

तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान भारत के लिए खेले थे। यह जोनल टूर्नामेंट 23 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन साउथ जोन पिछले एडिशन में फाइनल में पहुंचने की वजह से 30 अगस्त को सेमीफाइनल में सीधे खेलेगा। इंडिया ए के खिलाड़ी शेख रशीद भी टीम मे हैं। कर्नाटक के रविचंद्रन स्मरण और हैदराबाद के के हिमतेजा भी टीम का हिस्सा हैं। वह पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने कर्नाटक के लिए 86.36 के औसत से 950 रन बनाए थे। एन जगदीसन भी टीम का हिस्सा हैं।

श्रेयस गोपाल भी टीम में

चेन्नई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले इस खिलाड़ी को पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम में ऋषभ पंत के विकल्प के तौर पर चुना गया था। हालांकि, उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला। ध्रुव जुरेल ने विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली। बाएं हाथ के स्पिनर तनय त्यागराजन और लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि के साई तेजा, त्रिपुराना विजय, वेद्वथ कवरप्पा और एमडी निदेश तेज गेंदबाजी के विकल्प हैं।

दलीप ट्रॉफी 2026–27 के लिए साउथ जोन की टीम
तिलक वर्मा (कप्तान), रिकी भुई (उप–कप्तान), अभिनव तेजराणा, एसके रशीद, के हिमतेजा, आर स्मरण, एन जगदीसन, करुण नायर, टी त्यागराजन, श्रेयस गोपाल, के साई तेजा, टी विजय, वी कवरप्पा, अमन खान, एम डी निदेश।

● शानदार क्लोजिंग सेरेमनी के साथ सीडब्ल्यूजी 2026 का समापन

भारत को सौंपी गई मेजबानी

ग्लासगो । कॉमनवेल्थ गेम्स (सीडब्ल्यूजी) 2026 का समापन रविवार को क्लोजिंग सेरेमनी के साथ हुआ। भारत को सीडब्ल्यूजी 2030 के लिए मेजबानी सौंपी गई। क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान भारत के शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की झलक देखने को मिली। इसके साथ ही भारतीय गायक शंकर महादेवन, ऋषभ शर्मा और भूमि त्रिवेदी ने अपनी आवाज से समां बांधा। ग्लासगो के ओवीओ हाइड्रो में हुई क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान स्टेडियम खचाखच भरा रहा। ‘वंदे मातरम’, ‘शिव स्तोत्र’ और मशहूर गाना ‘सुनो गौर से दुनिया वालों’ पर हजारों भारतीय दर्शक अपनी जगह पर खड़े होकर झूमते नजर आए। विदेशी दर्शकों ने भी भारतीय कार्यक्रमों का लुत्फ उठाया। कॉमनवेल्थ गेम्स का बैटन स्कॉटलैंड से भारत को सौंपे जाने के दौरान स्टेडियम का माहौल देखने लायक रहा। इस शानदार समारोह ने खेलों के 11 यादगार दिनों का समापन किया और कॉमनवेल्थ मूवमेंट के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत की। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को कॉमनवेल्थ गेम्स का झंडा प्रतीकात्मक रूप से सौंपे जाने के साथ ही, 2030 में अहमदाबाद में खेलों के ऐतिहासिक शताब्दी संस्करण की मेजबानी की दिशा में भारत की यात्रा की शुरुआत हुई। भारतीय स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा और आईओए अध्यक्ष पीटी उषा को भी सीडब्ल्यूजी ध्वज थमाया गया।

शाम की शुरुआत स्कॉटिश संस्कृति के जीवंत जश्न के साथ हुई, जिसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रॉक बैंड ‘सिंपल माइंड्स’, डांस ग्रुप ‘डायवर्सिटी’ और कई मशहूर स्थानीय कलाकारों ने संगीत, नृत्य और विजुअल स्टोरीटेलिंग के जरिए ओवीओ हाइड्रो में धूम मचाई। औपचारिक रूप से झंडा सौंपे जाने के बाद, हर किसी की नजर भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों पर रही । 18 मिनट 27 सेकंड के सांस्कृतिक प्रदर्शन में देश की समृद्ध विरासत, खेलों के प्रति जुनून और अहमदाबाद 2030 के लिए भविष्य की सोच का अनूठा संगम देखने को मिला।

भारत के कार्यक्रमों की शुरुआत एक दमदार वॉयस-ओवर के साथ हुई, जिसमें कहा गया, ‘भारत, जहां खेल जीवन जीने का एक तरीका है।’ इसने तुरंत ही देश की विविधता, संस्कृति और खेल विरासत का जश्न मनाने वाले इस कार्यक्रम का माहौल बनाया। यह प्रस्तुति चार अलग-अलग हिस्सों में हुई। शुरुआती कार्यक्रम ‘वसुधैव कुटुंबकम’ (दुनिया एक परिवार है) की थीम पर ‘वंदे मातरम’ की 150वीं वर्षगांठ पर आधारित था, जिसमें भारत के शांति, एकता और समावेशिता के संदेश को दिखाया गया। इसके बाद एक खास तौर पर बनाई गई फिल्म दिखाई गई, जिसमें कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत के सफर, यादगार उपलब्धियों और अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर

देश की बढ़ती अहमियत को दिखाया गया।

तीसरे हिस्से में भारतीय संगीतकार ऋषभ शर्मा और स्कॉटिश कलाकार रॉस एन्सली के बीच एक अनोखी संगीत जुगलबंदी हुई। यह भारतीय और स्कॉटिश परंपराओं के शानदार मेल के जरिए ग्लासगो से अहमदाबाद तक गेम्स के सहज बदलाव का प्रतीक था। भव्य समापन समारोह में पूरा स्टेडियम भारतीय संगीत और संस्कृति के जश्न में डूबा नजर आया।

शंकर महादेवन, ऋषभ शर्मा और भूमि त्रिवेदी ने जबरदस्त परफॉर्मेंस दी, जिससे दर्शक तालियां बजाने, नाचने और गाने पर मजबूर हुए। इससे कॉमनवेल्थ परिवार को 2030 में अहमदाबाद में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम की एक शानदार झलक मिली।

चौथे स्थान पर रहा भारत

13 गोल्ड के साथ जीते कुल 39 मेडल

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 मेडल टैली (टॉप-5 देश)

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	टोटल
1	ऑस्ट्रेलिया	70	45	56	171
2	इंग्लैंड	29	45	36	110
3	कनाडा	19	20	23	62
4	भारत	13	17	9	39
5	स्कॉटलैंड	13	09	17	39

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा और भारतीय खिलाड़ियों ने पूरी दुनिया के सामने खुद को साबित किया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 का समापन हो गया और इसमें भारतीय खिलाड़ियों ने कुल 39 मेडल अपने नाम किया। भारत ने इस सीजन में 13 गोल्ड, 17 सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया और मेडल टैली में चौथे स्थान पर रहा।

बॉक्सिंग में भारत ने जीते कुल 10 मेडल– कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत ने सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल बॉक्सिंग में जीता और इसकी संख्या कुल 7 रही साथ ही भारत को इस इवेंट में 3 सिल्वर मेडल भी मिले यानी बॉक्सिंग में भारत के मेडल की कुल संख्या 10 रही। इसके अलावा भारत ने एथलेटिक्स में 3 गेल्ड, 7 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज समेत कुल 16 मेडल अपने नाम किए। जूडो में भारत के कुल 4 पदक मिले जिसमें 2 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे।

महिला खिलाड़ियों ने जीते 8 गोल्ड, पुरुष खिलाड़ियों के नाम रहे 5 गोल्ड

इन गेम्स के अलावा भारत ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में एक गोल्ड, 6 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल समेत कुल 8 पदक जीते जबकि पैरा पावरलिफ्टिंग में भारत को एक ब्रॉन्ज मेडल मिला। महिला खिलाड़ियों की बात करें तो उन्होंने इस बार कुल 16 मेडल जीते जिसमें 8 गोल्ड, 4 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल रहे तो वहीं पुरुष खिलाड़ियों ने कुल 22 मेडल जीते जिसमें 5 गोल्ड, 13 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल रहे।

हार्दिक पंड्या को नहीं खरीदना चाहिए, CSK को पूर्व भारतीय ओपनर ने दी सलाह और बताया इसका कारण

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले भारत के पूर्व बल्लेबाज सदागोपन रमेश ने हार्दिक पांड्या के ट्रेड मामले पर अपनी राय दी। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के साथ कप्तान और ऑल-राउंडर के तौर पर खराब सीजन बिताने के बाद खबरें हैं कि हार्दिक पांड्या फ्रेंचाइजी छोड़ने वाले हैं और कई दूसरी टीमों ने उन्हें अपनी टीम में शामिल करने में दिलचस्पी दिखाई है।

सदागोपन रमेश का मानना है कि भले ही हार्दिक पांड्या के ट्रेड डील के जरिए चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होने की चर्चा हो रही है, लेकिन फ्रेंचाइजी को यह डील नहीं करनी चाहिए। सीएसके को मिडिल-ऑर्डर में एक भरोसेमंद ऑल-राउंडर की सख्त जरूरत है और हार्दिक पांड्या ने पिछले कुछ सालों में यह भरोसा दिलाया है।

हार्दिक अगर टीम में आते हैं को कप्तान ना बनाएं– अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए रमेश ने कहा कि सीएसके के पास शिवम दुबे, आयुष म्हात्रे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी हैं, जिनके नाम हार्दिक जैसे खिलाड़ी को टीम में शामिल करने के लिए ट्रेड डील में चर्चा में हैं। उन्होंने मैनेजमेंट से यह भी कहा कि वे हार्दिक जैसे खिलाड़ी के लिए किसी युवा खिलाड़ी को ट्रेड न करें और अगर हार्दिक टीम में आते हैं, तो उन्हें कप्तान भी न बनाएं।

फिटनेस संबंधी समस्या बरकरार

श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह

नई दिल्ली। जसप्रीत बुमराह अगस्त में होने वाली भारत की दो-टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए श्रीलंका नहीं जाएंगे। क्रिकइन्फो के मुताबिक बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने बुमराह को सलाह दी है कि वो जल्दबाजी में वापसी ना करें क्योंकि उन्हें इस साल की शुरुआत में हुए टी20 वर्ल्ड कप के समय से ही बाएं घुटने की समस्या है और उससे पूरी तरह ठीक होने के लिए उन्हें और समय चाहिए। अभी तक उनके रिप्लेसमेंट (उनकी जगह लेने वाले खिलाड़ी) का नाम तय नहीं किया गया है।

● **टेस्ट सीरीज से बाहर हुए बुमराह–** बुमराह ने 16 जुलाई को कार्डिफ में इंग्लैंड सीरीज के दूसरे वनडे के बाद से कोई गेंद नहीं फेंकी है। उन्हें लॉर्ड्स में खेले गए सीरीज के आखिरी मैच से बाहर कर दिया गया था और बीसीसीआई ने बताया था कि कार्डिफ वनडे में फील्डिंग के दौरान लगी चोट इसकी वजह थी। रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड सीरीज खत्म होने के तुरंत बाद बुमराह ने अपनी लंबे समय की फिटनेस के लिए बीसीसीआई की मेडिकल टीम की योजना के अनुसार घुटने में इंजेक्शन लगवाया था।

बुमराह नहीं हुए हैं पूरी तरह से फिट

बुमराह इस हफ्ते बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे और फिटनेस टेस्ट से गुजरे। माना जा रहा है कि मेडिकल टीम को लगा कि अगर बुमराह तुरंत बॉलिंग शुरू करते हैं, तो उन्हें लंबे समय तक बाहर बैठना पड़ सकता है क्योंकि इससे उनकी चोट और गंभीर हो सकती है। चोट की असल वजह और गंभीरता के बारे में अभी तक कोई पक्की जानकारी नहीं मिली है, लेकिन बुमराह मार्च के आखिर में भी आईपीएल के लिए कंडीशनिंग और फिटनेस मंजूरी लेने सीईओ गए थे। यह मंजूरी उन्हें मुंबई इंडियंस के सीजन के पहले मैच से एक दिन पहले मिली थी। बुमराह ने आईपीएल 2026 में 13 मैच खेले थे लेकिन मुंबई के लिए आखिरी मैच में नहीं खेले थे।

शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम पहले से ही हर्षित राणा और नितीश कुमार रेड्डी के बिना खेलेगी जो हैमस्ट्रिंग और क्वाड्रिसेप्स की चोटों के कारण टीम से बाहर हैं

बुमराह की जगह टेस्ट टीम में 29 साल के गेंदबाज की हो सकती है एंट्री, 43 फर्स्ट क्लास मैचों में ले चुका है 162 विकेट

नई दिल्ली। दुनिया के नंबर 1 टेस्ट बॉलर जसप्रीत बुमराह भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में नहीं खेल पाएंगे। यह सीरीज 15 अगस्त को गॉल में शुरू होने वाली है। क्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक बुमराह को अभी भी अपने बाएं घुटने में तकलीफ महसूस हो रही है और भारतीय क्रिकेट बोर्ड उन्हें जल्दबाजी में वापस नहीं लाना चाहता और उन्हें पूरी तरह ठीक होने की सलाह दी गई है।

आकिब नबी को मिल सकती है टेस्ट टीम में जगह– बुमराह ने भारत के लिए अपना आखिरी टेस्ट मैच नवंबर 2025 में गुवाहाटी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था और श्रीलंका के खिलाफ होने वाले टेस्ट सीरीज से उनका बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका है। उम्मीद है कि टीम इंडिया के चयनकर्ता आने वाले दिनों में बुमराह की जगह लेने वाले खिलाड़ी का ऐलान करेंगे। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली कैपिटल्स के 29 साल के तेज गेंदबाज आकिब नबी भारतीय टीम में उनकी जगह लेने के लिए सबसे आगे हैं।

43 मैचों में ले चुके हैं 162 विकेट– आकिब नबी जिन्होंने अब तक भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है ने घरेलू क्रिकेट में अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया है। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के 2025–26 सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष स्थान हासिल किया था और जम्मू–कश्मीर को उनका पहला रणजी ट्रॉफी खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। बारामूला के 29 साल के तेज गेंदबाज जिन्होंने अब तक 43 फर्स्ट–क्लास मैचों में 162 विकेट लिए हैं।

आकिब नबी पिछले महीने इंडिया ए टीम के साथ श्रीलंका दौरे पर गए थे और श्रीलंका ए के खिलाफ दोनों फर्स्ट–क्लास मैच खेले थे।

फिर कैसे बदला फैसला; भारत की गोल्डन गर्ल की अनसुनी कहानी

मीराबाई चानू ने बना लिया था वेटलिफ्टिंग छोड़ने का मन

नई दिल्ली। मीराबाई चानू...शायद आज यह नाम किसी पहचान का मोहताज नहीं है। भारत में गोल्डन ब्वॉय की बात अक्सर होती है, लेकिन मणिपुर के एक छोटे शहर से आकर ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स के पोडियम तक का सफर तय करने वाली मीराबाई चानू हैं भारत की गोल्डन गर्ल। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वालीं भारतीय वेटलिफ्टर मीराबाई चानू के स्वर्णिम सफर के पीछे की कहानी भी बेहद प्रेरणादायक है। कॉमनवेल्थ खेलों में यह उनका लगातार तीसरा गोल्ड मेडल है यानी उन्होंने हैट्रिक पूरी की है।

इस हैट्रिक की जहां से 2018 में शुरुआत हुई थी वहां मीराबाई चानू के जीवन का एक बड़ा टर्निंग पॉइंट भी आया था। उस वक्त उन्होंने इस स्पोर्ट को छोड़ने तक की बात सोच ली थी। टोक्यो ओलंपिक में सिल्वर मेडल जीतने के बाद हर किसी ने उनके जीवन के शुरुआती स्ट्रगल, गरीबी के बारे में जाना था। अब ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में इतिहास

रचने के बाद गोल्डन गर्ल ने जनसत्ता के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में अपने जीवन का वह अनसुना किस्सा सुनाया जब उन्होंने वेटलिफ्टिंग छोड़ने का मन बना लिया था। यह वाकया था 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद का जब मीराबाई चानू गोल्ड मेडल जीतने के बाद तकरीबन 5,6 महीने ट्रेनिंग नहीं कर पाई थीं। उन्होंने बताया, ‘मेरा सबसे मुश्किल समय हुआ था जीवन का 2018 कॉमनवेल्थ गेम्स के बाद जहां मैंने पहला गोल्ड मेडल जीता था। मुझे उसके बाद बैक इंजरी हुआ था और मैं एकदम टूट गई थी। मैंने 5 महीने रिकवरी की, फिर कमबैक किया। लेकिन उस वक्त मैं इतना परेशान थी कि मैंने सर (कोच विजय शर्मा) को भी बोल दिया था कि सर अब मैं नहीं कर पाऊंगी। ‘

मीराबाई चानू ने इस बारे में आगे बताया, ‘वही समय था मेरे जीवन का सबसे मुश्किल समय। आगे बहुत सारे कम्पटीशन थे सबकी मुझसे उम्मीदें थीं। उस इंजरी ने मुझे तोड़ दिया था। उसके बाद मेरी फैमिली ने मुझे बहुत सपोर्ट किया, खासतौर से मेरी मम्मी ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। उन्होंने समझाया कि प्लेयर हैं तो ऐसा होगा, जीवन में मुश्किल का कैसे सामना करते हैं, ऐसा बहुत कुछ होगा लेकिन आपको आगे जाना है।

सरकार से की मीराबाई चानू ने खास मांग

इसके बाद मीराबाई चानू ने देश में वेटलिफ्टिंग को आगे बढ़ाने के लिए और इस खेल में सामने आने वाली मुश्किलों का जिक्र करते हुए सरकार से भी कुछ मांग की। उन्होंने कहा, ‘वेटलिफ्टिंग में एक समय हम बहुत नीचे चले गए थे, लेकिन अब कई युवा खिलाड़ी आ रहे हैं, ज्ञानेश्वरी है, मार्टिना है, मगर इन सभी खिलाड़ियों को खास सपोर्ट की जरूरत है। मैं उन्हें सिखा सकती हूं, टिप्स दे सकती हूं, लेकिन खाने, रहने और ट्रेनिंग सेंटर की जरूरत गवर्नमेंट की तरफ से ही पूरी हो सकती है। मैं सरकार से उनके लिए इन सुविधाओं की मांग करूंगी।’ मीराबाई चानू ने आगे कहा, ‘मैं ही मणिपुर से हूं वहां कोई ट्रेनिंग सेंटर नहीं हैं। हमें घर से बहुत दूर रहना पड़ता है ट्रेनिंग के लिए। वहां कोई सुविधाएं नहीं हैं। मैने पटियाला (पंजाब) में पहले ट्रेनिंग की।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों के प्रमुखों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से की बैठक

● फॉर्म-6 के माध्यम से सभी पात्र युवा छात्रों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु व्यापक जागरूकता अभियान चलाने का किया आह्वान

● राज्य का कोई भी पात्र भारतीय नागरिक, मतदाता सूची से नहीं छुटे, के. रवि कुमार, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

रांची, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री के. रवि कुमार ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के अंतर्गत राज्य के सभी पात्र भारतीय नागरिक का मतदाता सूची में शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित करना है। राज्य के अधिकांश युवा मतदाता किसी न किसी उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थान से जुड़े हुए हैं।

इसलिए सभी उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों की यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे पात्र विद्यार्थियों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए प्रेरित करें तथा भारत निर्वाचन आयोग के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक सहयोग प्रदान करें। के. रवि कुमार सोमवार को निर्वाचन सदन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं तकनीकी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद फॉर्म-6 के माध्यम से नए पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने हेतु राज्यभर में व्यापक जन-जागरूकता एवं प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक तक मतदाता पंजीकरण की जानकारी पहुँचाना निर्वाचन तंत्र की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, तकनीकी संस्थानों में विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान चलाने का आह्वान किया। के. रवि कुमार ने कहा कि शिक्षा संस्थानों के प्राचार्य/निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के समन्वय से अपने-अपने परिसर में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम, पंजीकरण शिविर तथा हेल्प डेस्क का आयोजन करें, ताकि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अथवा 1 अक्टूबर, 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में दर्ज किया जा सके। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा सभी जिलों को युवा मतदाताओं से संबंधित प्रचार-प्रसार सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध करा दी गई है। शैक्षणिक संस्थान जिला निर्वाचन कार्यालय से समन्वय स्थापित कर इन प्रचार-प्रसार सामग्रियों का उपयोग अपने परिसर में आयोजित पंजीकरण शिविरों एवं जागरूकता कार्यक्रमों में कर सकते हैं। के. रवि कुमार ने कहा कि वर्तमान समय के अधिकांश नए मतदाता सोशल मीडिया का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। इसलिए उन्हें विभिन्न सोशल मीडिया माध्यमों के जरिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र भारतीय नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो तथा कोई भी अपात्र अथवा विदेशी नागरिक मतदाता सूची में सम्मिलित न हो, इसके लिए व्यापक जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है।

बैठक में उच्च शिक्षा निदेशक श्री सुधीर बाड़ा, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुबोध कुमार, तकनीकी शिक्षा विभाग के निदेशक श्री जॉर्ज कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री धीरज कुमार ठाकुर, उप निर्वाचन पदाधिकारी (लोहरदगा) श्री संजय कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी श्री सुनील कुमार सिंह तथा वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राज्य के विभिन्न उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, संस्थानों के प्राचार्य/निदेशक उपस्थित थे।

मरांची दक्षिणी पंचायत में 5 दिनों से नल-जल योजना ठप

मोकामा/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मरांची दक्षिणी पंचायत के ताजपुर गांव की लगभग आधी आबादी पिछले 5 दिनों से गंभीर पेयजल संकट से जूझ रही है।

नल-जल योजना का मुख्य पंप पिछले 5 दिनों से खराब पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा विभाग को सूचना देने के बावजूद अब तक मरम्मत के लिए कोई टीम मौके पर नहीं पहुंची है।बरसात के इस मौसम में हालात और भी गंभीर बने हुए हैं। अधिकांश चापाकलों का पानी पीने योग्य नहीं रहा है। ऐसे में नल-जल योजना ही ग्रामीणों का एकमात्र सहारा थी, उसके भी बंद हो जाने से लोगों में भारी आक्रोश है।मौके पर पंचायत के सरपंच नागेन्द्र कुमार पप्पू, मुखिया प्रतिनिधि प्रदुमन सिंह के सहयोगी रंजन कुमार, मनोज सिंह, अजय सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने अपनी समस्या रखी और जल्द से जल्द पंप चालू कराने की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा।इस संबंध में जब विभागीय जेई मनोज मंडल जी से बात की गई तो उन्होंने समस्या को स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया है कि कल तक पंप को ठीक करा दिया जाएगा।अब देखना होगा कि विभाग का यह आश्वासन कितनी जल्दी धरातल पर उतरता है, या फिर ग्रामीणों को ऐसे ही पानी के लिए भटकना पड़ेगा।

आम्रेश्वर धाम खूंटी में पूजा के लिए उमड़ा जनसैलाब, चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पावन सावन माह भगवान भोलेनाथ का पूजन - अर्चन करने के लिए लिए सबसे पवित्र माना जाता है। खूंटी जिले के मुरहू - तोरपा सीमा पर अंगराबाड़ी में अवस्थित महादेव शंकर का पार्थिव शिवलिंग, भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। आसपास क्षेत्रों के अलावे रांची, तमाड़, बंदगांव, सरायकेला,नगड़ी, बुंडू आदि स्थानों से भक्तजन कांवड़ यात्रा करके आम्रेश्वर धाम अंगराबाड़ी शिवालय पहुंचते हैं । यह सिलसिला प्रतिदिन रहता है, पर खासकर सोमवार को भक्तों की भीड़ अत्यधिक होती है।श्रावण मास की पहली सोमवारी पर भोर तीन बजे से ही कांवड़िए बनई नदी बिचना से स्नान करके, कांवड़ द्वारा और अपने हाथ में जल -पुष्प - प्रसाद लेकर आम्रेश्वर भोलेनाथ के दरवाजे पर पहुंच गए। शिवालय खुलते ही भक्तों की भीड़ पूजन के लिए उमड़ पड़ी। विधि-व्यवस्था के लिए आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के वालेंटियर नियुक्त है। मुरहू - खूंटी पुलिस जवान भी कैंप करके व्यवस्था संभाल रहे हैं। भीड़ अधिक होने के कारण भक्तों की कतार देखी गई। महिलाओं के लिए अलग कतार है,जिसका संचालन बड़े ही ध्यान देकर किया गया है।सारा दिन भक्तों का लगातार आना जारी है और पूजन कार्य शांति पूर्वक संपन्न हो रहा है। आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव ने बताया कि व्यवस्था बहुत बढ़िया की गई है, समिति के सभी सदस्य अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। प्रशासन की मुस्तैदी और भक्तों के सहयोग के लिए किए गए प्रबंध भी बहुत बढ़िया हैं। मुरहू के शिवभक्त डॉ डीएन तिवारी ने बताया कि मंदिर में प्रसाद फल- फूल शुद्ध पानी की उत्तम व्यवस्था है। विभिन्न तरह के दुकान, पूजन सामग्री,खिलौने, बर्तन,होटल सहित बच्चों के लिए भी खेल सामग्री से पूजा का आनंद को मनभावन मेला कई गुना बढ़ा रहा है। सदस्य मिथिलेश ठाकुर ने बताया कि आम्रेश्वर बाबा हर मनोकामना पूरी करते हैं, सबके दुःख हरते हैं।हर वर्ष भोले बाबा की सेवा करने से मै सालभर बड़े आनन्द में रहता हूं। अर्जुन साव, ध्रुवेन्द्र भास्कर,विष्णु देव चौधरी, रामहरि साव, राधेश्याम भगत ने कहा कि सावन में भगवान भोलेनाथ का सच्चे मन से पूजन करने से मनुष्य हर बाधा को पार कर जाता है। भक्ति के बयार के साथ साथ मेला का रौनक देखते ही बन रहा है।सभी भक्त भावविभोर होकर बोल बम, हर-हर महादेव, शंकर भगवान की जयकारे से सारा आम्रेश्वर धाम गूंज रहा है।स्वतंत्र देश में सबकी खुशहाली, समृद्धि और उत्थान के लिए अपने कार्यों,लेखनी के धार से देशवासियों को सदा प्रेरित करते रहने वाले मुरहू के महान समाजसेवी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने कविता को ब्रजभाषा से निकालकर खड़ी बोली में प्रतिष्ठित किया,देश की संस्कृति, सामाजिक कुरीतियां के साथ साथ गुलामी काल में देशभक्ति से परिपूर्ण रचनाओं से स्वतंत्रता की लड़ाई में शामिल रहे। इन्होंने श्री राम के जीवन पर आधारित महाकाव्य, लक्ष्मण जी की पत्नी उर्मिला के विरह को पहली बार गहराई से दशार्या।भारत भारती काव्य जिसमें गुप्त जी ने देश के अतीत,वर्तमान और भविष्य तीनों का चित्र खींचा,यही कृति इन्हें "राष्ट्रकवि"बनने का कारण बनी। जयद्रथ वध, यशोधरा, पंचवटी, द्वापर,नहुष जैसी रचनाएं आज भी पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं।उनकी पंक्तियां आज भी रगो में दौड़ती हैं। मानवता सबसे बड़ा धर्म है,जो भरा भावों से,बहती जिसमें रसधार नहीं। वह हृदय नहीं,वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। गुप्त जी के काव्य, रचनाएं हम सबके लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।

राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की 140वीं जयंती मनाई गई

खूंटी, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मुझे तोड़ लेना वनमाली, उस पथ पर देना तुम फेंक। मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक। कविता के रचयिता देशप्रेम से ओतप्रोत राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त की 140वीं जयंती शहीद भगत सिंह चौक पर जिले के साहित्य प्रेमियों द्वारा चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर मनाई गई।

कार्यक्रम का आयोजन मधुर ध्वनि संगीत निकेतन के तत्वावधान में किया गया। साहित्य प्रेमियों ने राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त के कविताओं के माध्यम से देशभक्ति और सामाजिक संदेश पर अपने-अपने स्तर पर प्रकाश डाला। मौके पर मधुर ध्वनि संगीत निकेतन के अध्यक्ष डॉ दीपक कुमार घोष ने अपने उद्गार में कहा कि राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त कवि, लेखक, निबंधकार और स्वतंत्रता संग्राम के प्रेरणास्त्रोत थे।इनका जन्म 3अगस्त 1886ई , चिरगांव, झांसी, उत्तर प्रदेश में हुआ। गुप्त जी ने कविताओं में नारी शक्ति, देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव को अपने रचनाओं का केंद्र बनाया।

स्वतंत्रता संग्राम में इनके लेखन ने देशभक्तों में नया जोश भर दिया।इनकी देश के प्रति समर्पण के लिए महात्मा गांधी ने इन्हें

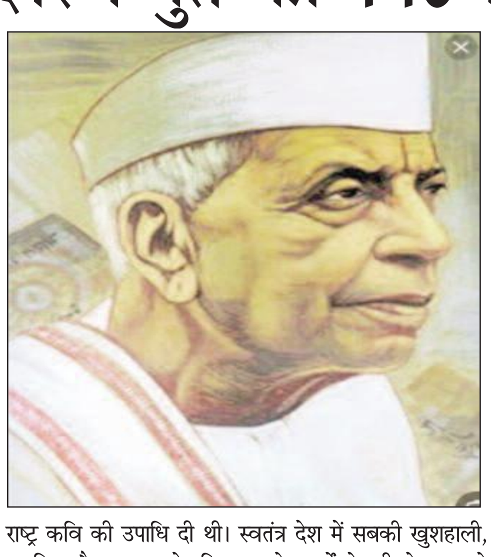

राष्ट्र कवि की उपाधि दी थी। स्वतंत्र देश में सबकी खुशहाली, समृद्धि और उत्थान के लिए अपने कार्यों,लेखनी के धार से देशवासियों को सदा प्रेरित करते रहने वाले मुरहू के महान समाजसेवी डॉ धर्मेंद्र नाथ तिवारी ने कहा कि राष्ट्र कवि मैथिलीशरण गुप्त ने कविता को ब्रजभाषा से निकालकर खड़ी बोली में प्रतिष्ठित किया,देश की संस्कृति, सामाजिक कुरीतियां के साथ साथ गुलामी काल में देशभक्ति से परिपूर्ण रचनाओं से स्वतंत्रता की लड़ाई में शामिल रहे। इन्होंने श्री राम के जीवन पर आधारित महाकाव्य, लक्ष्मण जी की पत्नी उर्मिला के विरह को पहली बार गहराई से दशार्या।भारत भारती काव्य जिसमें गुप्त जी ने देश के अतीत,वर्तमान और भविष्य तीनों का चित्र खींचा,यही कृति इन्हें "राष्ट्रकवि"बनने का कारण बनी। जयद्रथ वध, यशोधरा, पंचवटी, द्वापर,नहुष जैसी रचनाएं आज भी पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं। उनकी पंक्तियां आज भी रगो में दौड़ती हैं। मानवता सबसे बड़ा धर्म है,जो भरा भावों से,बहती जिसमें रसधार नहीं।

वह हृदय नहीं,वह पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं। गुप्त जी के काव्य, रचनाएं हम सबके लिए हमेशा प्रेरणास्त्रोत रहेंगे।इस अवसर पर शोधकर्ता अनुप कुमार राय, तुलसी प्रजापति, ध्रुवेन्द्र भास्कर, जितेन्द्र पांडे, राधेश्याम भगत, कृष्णा भगत, विष्णु देव,टुनू मुंडा सहित अन्य ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

200 लीटर अवैध देशी शराब के साथ 1 गिरफ्तार, ऑटो जब्त

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। अवैध शराब के कारोबार पर लगाम कसने के लिए पिपरा पुलिस लगातार अभियान चला रही है। इसी कड़ी में सोमवार को पिपरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 200 लीटर अवैध देशी शराब बरामद की है।पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ऑटो से शराब की तस्करी की जा रही है। सूचना पर पिपरा थाना की टीम ने वाहन जांच के दौरान ऑटो को रोका। तलाशी में ऑटो से 200 लीटर अवैध देशी शराब बरामद हुई। इस मामले में पुलिस ने 1 अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार कर लिया। शराब परिवहन में प्रयुक्त ऑटो को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

सोनालीका ने जुलाई में सर्वाधिक 11442 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की

पटना, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। सोनालीका ट्रैक्टर्स ने वित्त वर्ष 2027 में अपनी मजबूत रफ्तार बनाए रखते हुए जुलाई की अब तक की सर्वाधिक 11442 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने घरेलू उद्योग में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27.2 प्रतिशत वृद्धि दर्ज करते हुए घरेलू बाजार के प्रदर्शन को 1.3 गुना से पीछे छोड़ दिया है। किसानों की जरूरतों के हिसाब से समाधान देने के कारण, कंपनी घरेलू बाजार में सबसे ज्यादा मार्केट शेयर में बढ़ोतरी हासिल करने वाली कंपनी भी बन गई है। इस रिकॉर्ड प्रदर्शन पर बात करते हुए रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड ने कहा कि हमें बेहद खुशी है की हमने जुलाई की अब तक की सर्वाधिक 11442 कुल ट्रैक्टर बिक्री दर्ज की है, जो किसानों को सर्वश्रेष्ठ देने की हमारी रणनीतिक प्रतिबद्धता की मजबूती से दशार्ता है। ज्यादा एचपी वाले ट्रैक्टरों की ओर मांग बढ़ने के साथ आज किसान ऐसे ट्रैक्टरों में भारी निवेश कर रहे हैं जो कुशल हों, भरोसेमंद प्रदर्शन दें और अपने भविष्य को सुरक्षित करते हुए ज्यादा पैदावार दिलाएं। हम यह सुनिश्चित करते रहेंगे कि हमारे प्रोडक्ट आने वाले त्योहारों के सीजन में किसानों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार हों।

न्यायालय परिसर से पोस्को एक्ट का विचाराधीन बंदी पुलिस को चकमा देकर हुआ फरार

समस्तीपुर, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। स्थानीय व्यवहार न्यायालय में सोमवार को पेशी के दौरान एक विचाराधीन बंदी पुलिस अभिरक्षा से चकमा देकर फरार हो गया. जानकारी मिलने के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गई. सूचना पर नगर पुलिस और डीआईयू की टीम मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुटी है. कोर्ट कैंपस और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है. पुलिस अभिरक्षा से फरार हुए विचाराधीन बंदी की पहचान जिले के उजियारपुर थाना क्षेत्र के नाजिरपुर निवासी विजय सिंह के पुत्र रोशन कुमार उर्फ. साजन के रूप में बताई गई है. जानकारी के अनुसार पिछले 1 साल से उक्त आरोपित पास्को एक्ट के मामले में मंडल कारा में बंद था. सोमवार को स्थानीय व्यवहार न्यायालय में पास्को कोर्ट में उसकी पेशी थी. दोपहर करीब 12:00 बजे के बाद कोर्ट हाजत की पुलिस उसे अभिरक्षा में लेकर पेशी के लिए पास्को कोर्ट पहुंची. बताया जाता है कि जैसे ही पुलिस उक्त आरोपित की हाथ से हथकड़ी खोलकर कोर्ट में उपस्थित करने वाले थी. इसी दरमियान उक्त आरोपित पुलिस को चकमा देकर वहाँ से फरार हो गया. अधिवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि आरोपित के विरुद्ध थाना में पोस्को एक्ट का मामला दर्ज है. इसी मामले में पहले पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था. सोमवार को उसकी पेशी थी इसी दरम्यान वह पुलिस अभीरक्षा से फरार हो गया. पुलिस और डीआईयू की टीम आरोपित की तलाश में जुटी है. समाचार प्रेषण तक आरोपित का कोई सुराग नहीं मिला था. बता दे की पूर्व में भी कोर्ट कैंपस से बंदी के फरार होने की घटना घटित हो चुकी है।

तारेगना एवं पुनपुन स्टेशन पर टिकट चेकिंग अभियान, 201 यात्रियों से 1.14353 जुर्माना वसूला

मसौढ़ी/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पूर्व मध्य रेल के दानापुर मंडल ने उचित टिकट के साथ यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा और राजस्व सुरक्षा को लेकर सोमवार को पटना-गया रेलखंड के तारेगना रेलवे स्टेशन एवं पुनपुन स्टेशन पर विशेष टिकट चेकिंग अभियान चलाया। जहाँ वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अभिनव सिद्धार्थ के निर्देशन में वाणिज्य विभाग और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने लाल गाड़ी यानी विशेष टिकट चेकिंग स्पेशल ट्रेन के साथ सघन जांच अभियान चलाया। इस दौरान यात्रियों के बीच हड़कंप मची रही, टिकट जांच दल सबसे पहले सुबह 6:00 बजे जनशताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन से तारेगना रेलवे स्टेशन पर पहुंची, उसके बाद 1 घंटे तक अभियान चला उसके बाद फिर पुनपुन रेलवे स्टेशन पर सुबह 9.00 तक, 63243, 63244 सभी सवारी गाड़ी ट्रेनों को अतिरिक्त ठहराव देकर प्रमुखता से चेक किया गया। उसके बाद सभी जांच दल पटना की ओर रवाना हो गए, अभियान में कुल 201 बिना टिकट और अनियमित टिकट वाले यात्री पकड़े गए। उनसे जुमार्ने के रूप में 1,14,355 रुपये रेल राजस्व अर्जित किया गया। रेल अधिकारियों ने बताया की दानापुर मंडल में बिना टिकट यात्रा के विरुद्ध लगातार सघन टिकट चेकिंग कराई जा रही है। इस विशेष अभियान का असर तुरंत देखने को मिला। चेकिंग की सूचना मिलते ही पटना-गया रेलखंड के सभी स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर यात्रियों की भीड़ बढ़ गई। बड़ी संख्या में लोग टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक हुए।रेल प्रशासन ने कहा कि यात्रियों की सुविधा और राजस्व की सुरक्षा के लिए आगे भी इस तरह के विशेष अभियान जारी रहेंगे।

अवैध मादक पदार्थ के साथ 1 अभियुक्त गिरफ्तार

दानापुर/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। पुलिस ने स्मैक जैसा मादक पदार्थ की खरीद विकृत करने वाला एक बदमाश को गिरफ्तार किया है गिरफ्तार बदमाश दानापुर के सगुण नदी पर रहने वाला शिव कुमार है। डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की एक व्यक्ति मोटरसाईकिल से स्मैक जैसा मादक पदार्थ लेकर आरा (भोजपुर) की तरफ से आ रहा है, जो खरीद बिक्री करने दानापुर गोला रोड की ओर जा रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में अपर थानाध्यक्ष दानापुर थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्राप्त सूचना के अनुसार दानापुर थाना अन्तर्गत गोला रोड गजाधर चक के आस-पास सघन वाहन जांच किया गया। वाहन जांच के क्रम में मोटरसाईकिल से एक व्यक्ति शिव कुमार, को पकड़ा गया। जिसका विधिवत तालाशी लिया गया तो इनके पास से कुल 500 पुड़िया स्मैक जैसा जिसका वजन करीब 300 ग्राम, बरामद करते हुए उसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश का पहले भी अपराधी की इतिहास रह चुका है।

अवैध खनन. 10 ट्रैक्टर जप्त, 7 गिरफ्तार

दानापुर/नवबिहार संवाददाता। अवैध बालू उत्खनन से खिलाफ स्थानीय पुलिस ने छापेमारी करते हुए 10 बालू लदा ट्रैक्टर जप्त करते हुए 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। डीएसपी अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली की अवैध बालू का खनन कर दानापुर थाना अन्तर्गत सगुना मोड़ खगौल रोड के पास भारी मात्रा में ट्रैक्टर से बिक्री करने ले जाया जा रहा है। प्राप्त सूचना के आलोक में थानाध्यक्ष दानापुर थाना के द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए सगुना मोड़ खगौल रोड के पास से कुल 7 व्यक्ति को पकड़ा गया तथा कुल 10 ट्रैक्टर बालू लदा जिसकी मात्रा करीब 1200 उत्रळ्ळ बालू जप्त किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति पोखरा मनेर का सुग्रीव राय, लोदीपुर का हलचल राय, मुकेश कुमार, मुबारकपुर का रमेश कुमार, रामाशंकर कुमार, कृष्ण कुमार, मुबारकपुर कृषि फार्म का बबन कुमार है। इस संदर्भ में खनन निरीक्षक के द्वारा जप्ती सूची तैयार कर थाना में दिया गया। जिसके आलोक में दानापुर थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

बाराडीह में पेट्रोल छिड़ककर युवक को जलाने का आरोप

● शव रखकर साढ़े तीन घंटे सड़क जाम

गिरिडीह (बिरनी), नवबिहार टाइम्स संवाददाता। बिरनी प्रखंड के भरकट्टा ओपी क्षेत्र के बाराडीह में बीते 23 जुलाई को जमीन विवाद में रूपलाल यादव व गोपी यादव के परिवार के बीच खूनी संघर्ष हो गया था. इसमें रूपलाल यादव के पुत्र ढालो यादव का आरोप था कि जमीन विवाद के कारण विपक्षी लोगों ने मेरे भाई सहोदर यादव पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी.

इस घटना में गंभीर रूप से घायल सहोदर यादव की मौत इलाज के दौरान बीते शुक्रवार को रांची के एक निजी अस्पताल में हो गयी थी. बीते शुक्रवार की देर रात्रि को सहोदर का शव रांची से पोस्टमार्टम के बाद घर बाराडीह लेकर परिवार के लोग पहुंचे. शव को देखते ही परिवार के लोग दहाड़ मारकर रोने लगे. हो हल्ला सुनकर ग्रामीणों की भारी भीड़ वहां लग गयी. शनिवार सुबह 6 बजे मृतक के परिवार ने ग्रामीणों के सहयोग से बागोडीह जुठहाआम मोड़ पर मुख्य मार्ग के बाराडीह चोक के पास सड़क पर शव को रखकर पथ को जाम कर दिया. सूचना मिलते ही बिरनी के बीडीओ फणीश्वर रजवार, सरिया के पुलिस निरीक्षक अजय कुमार सिंह, बिरनी थाना प्रभारी आकाश भारद्वाज, भरकट्टा ओपी के एसआई जितेंद्र सिंह समेत कई लोगों ने आंदोलन कर रहे लोगों से मिलकर वार्ता की,

लेकिन वार्ता विफल हो गयी. आक्रोशित लोगों के द्वारा किसी तरह की अप्रिय घटना न हो जाए, उसे रोकने के लिए जिले से पुलिस बल को भी स्थल पर लगाया गया था.

साढ़े 3 घंटे के बाद सड़क जाम हटाने एसडीपीओ पहुंचे

बगोदर सरिया के एसडीपीओ धनंजय राम ने स्थल पर पहुंचकर लोगों से जाम हटाने का आग्रह किया. इस दौरान मृतक सहोदर यादव के भाई ढालो यादव ने कहा कि गोपी यादव के साथ 5 वर्षो से उनका जमीन विवाद चल रहा है. वर्ष 2025 में सरकारी अमीन के द्वारा जमीन की मापी कर दी गयी थी,

16 लाख की 3700 बोतल विदेशी शराब जब्त

भूसे में छिपाकर भेजा जा रहा था बिहार

चतरा, नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जिले में शराब तस्करी के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. सदर थाना क्षेत्र में वाहन जांच के दौरान पुलिस ने करीब 16 लाख रुपये मूल्य की 3700 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद की है. तस्कर शराब की खेप ट्रक में धान के भूसे के नीचे छिपाकर बिहार ले जा रहे थे. पुलिस की कार्रवाई के दौरान चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया.

सदर थाना में आयोजित प्रेसवार्ता में एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को गुप्त सूचना मिली थी कि एक ट्रक से भारी मात्रा में अवैध विदेशी शराब बिहार भेजी जा रही है. सूचना के आधार पर एसपी के निर्देश पर विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया.

पुलिस टीम को कुचलने का किया प्रयास

टीम में सदर थाना प्रभारी अनिल उरांव, पुअनि

राहुल सिंह, सअनि रवि रंजन कुमार एवं प्रवीण कुमार शामिल थे. पुलिस ने शेरेगड़ा के पास वाहन जांच अभियान शुरू किया. इसी दौरान संदिग्ध ट्रक वहां पहुंचा. पुलिस ने चालक को रुकने का संकेत दिया, लेकिन उसने वाहन की रफ्तार बढ़ा दी और पुलिस टीम को कुचलने का प्रयास करते हुए भाग निकला.

पीछा करने पर पलटा ट्रक, सड़क पर बिखर गई शराब

पुलिस टीम ने ट्रक का पीछा किया. भागने के दौरान संघरी घाटी मोड़ के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा और ट्रक सड़क किनारे पलट गया. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया. पुलिस जब घटनास्थल पर पहुंची तो ट्रक का डाला धान के भूसे से भरा मिला. जांच के दौरान भूसे के नीचे बड़ी संख्या में शराब की पेटियां छिपाकर रखी गई थीं. ट्रक पलटने से भूसा हट गया और शराब की बोतलें सड़क पर बिखर गईं. तस्करों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए बेहद शातिर तरीके से शराब की खेप को भूसे के अंदर छिपाया था.

16 लाख की शराब जब्त, तस्करों की तलाश जारी

एसडीपीओ ने बताया कि ट्रक से कुल 3700 बोतल अवैध विदेशी शराब बरामद की गई है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 16 लाख रुपये है. ट्रक के रजिस्ट्रेशन नंबर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर तस्करों की पहचान की जा रही है. पुलिस यह भी जांच कर रही है कि शराब की खेप किस राज्य से लाई गई थी और बिहार में किस गिरोह तक पहुंचाई जानी थी. फरार चालक और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है.

संक्षिप्त समाचार

बोकारो में दो बाइकों की भिड़ंत, तीन युवक घायल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो जिले के पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कूड़ा मोड़ के समीप सोमवार दोपहर दो बाइकों के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के रहने वाले तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पिंड्राजोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। घायलों में दो का इलाज बोकारो सदर अस्पताल में चल रहा है, जबकि एक युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, घायलों में दो की पहचान सुभाष महतो और गौतम महतो के रूप में हुई है। दोनों पुरुलिया जिले के केंदा थाना क्षेत्र के बिंदुडीह गांव के निवासी हैं। तीसरे घायल की पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने नशे के कारोबार पर बड़ी कार्रवाई करते हुए माराफारी थाना क्षेत्र से ब्राउन शुगर बेचने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से दो पुड़िया ब्राउन शुगर और 8,450 रुपये नकद बरामद किए हैं। आइए सुनते हैं, इस कार्रवाई को लेकर हेड क्वार्टर डीएसपी पवन कुमार ने क्या कहा... हेड क्वार्टर डीएसपी पवन कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि माराफारी थाना क्षेत्र के डुमरो में ब्राउन शुगर की बिक्री की जा रही है। सूचना के सत्यापन के बाद उनके नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया गया और छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान 50 वर्षीय गनी अंसारी को दो पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसके पास कुल 20 पुड़िया ब्राउन शुगर थी, जिनमें से 18 पुड़िया वह पहले ही बेच चुका था। पुलिस ने उसके पास से बिक्री से मिले 8,450 रुपये भी बरामद किए हैं। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। बोकारो पुलिस के लिए इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा।

जिप अध्यक्ष शारदा सिंह के प्रयास से बलियापुर जलापूर्ति कर्मियों के बकाये वेतन का हुआ भुगतान

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बलियापुर जलापूर्ति योजना से जुड़े कर्मचारियों के लिए लगभग 13 माह से लंबित वेतन का भुगतान जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह के विशेष प्रयासों से सुनिश्चित हो गया। समाहरणालय सभागार, धनबाद में जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सभी कर्मचारियों का बकाया वेतन तत्काल भुगतान कराया गया। वेतन मिलने की खबर से कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ गई। बैठक में वेतन पाकर कर्मचारियों ने जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शारदा सिंह ने कहा, कर्मचारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना मेरी प्राथमिकता है। जनहित और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए मैं सदैव प्रतिबद्ध हूं। बैठक में उप विकास आयुक्त, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, जिला परिषद सदस्य उषा महतो, बलियापुर प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

ब्रह्मर्षि परिवार बोकारो की क्षेत्रीय बैठक संपन्न

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ब्रह्मर्षि परिवार, बोकारो की क्षेत्रीय बैठक सेक्टर-9 में बैजनाथ प्रसाद शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक गतिविधियों को गति देने तथा समाज के सर्वांगीण विकास को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से सेक्टर-9 के लिए 21 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। नवगठित समिति में बैजनाथ प्रसाद शर्मा को संयोजक तथा अवधेश कुमार सिंह को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई। समिति के अन्य प्रमुख सदस्यों में सुशील कुमार ठाकुर, प्रमोद कुमार सिंह, आर्यन कुमार, संजय कुमार शर्मा (चंदू जी), नवल शर्मा, एस.एन. शर्मा, प्रमोद कुमार, अवनीत कुमार राज (राजा), अभय कुमार चौधरी, राम प्रवेश सिंह, सुनील कुमार, प्रवीण कुमार, संदीप कुमार चौधरी, प्रभात कुमार, अभय प्रसाद एवं संतोष कुमारी चौधरी सहित अन्य सदस्यों को शामिल किया गया। बैठक में नाग नारायण प्रसाद शाही, श्याम मनोहर सिंह, साधु शरण सिंह, हेमंत कुमार चौधरी, शशिकांत, सुरेंद्र कुमार सिंह, मिथिलेश कुमार, एन.के. सिंह, डी.पी. चौधरी, नवल किशोर प्रसाद, देवेंद्र नाथ शर्मा, संदीप कुमार, शिव कुमार, सुचित प्रसाद, अनुरंजन कुमार चौधरी, राजीव रंजन, बिनोद कुमार, मनोज कुमार सिंह, अखिलेश सिंह, बिट्टू कुमार एवं कमलेश चौबे सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे। बैठक का संचालन देव नारायण सुधांशु ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन अवधेश कुमार सिंह ने किया।

श्रावणी मेला के लिए मेडिकल मोबाइल यूनिट 'इस्पात संजीवनी' को किया रवाना

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र द्वारा श्रावणी मास के दौरान कांवरियों की सुविधा एवं स्वास्थ्य देखभाल हेतु पिछले तीन दशकों से बैद्यनाथ धाम (देवघर) के समीप निरंतर प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी क्रम में बोकारो इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) विभाग के तहत पीरामल स्वास्थ्य के द्वारा संचालित मेडिकल मोबाइल यूनिट 'इस्पात संजीवनी' को इस्पात भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर बैद्यनाथ धाम के लिए रवाना किया गया। इस पहल के दौरान निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशकगण, सीएसआर विभाग व अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बैद्यनाथ सेवा ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे। रवानगी से पूर्व आयोजित कार्यक्रम में चिकित्सा शिविर हेतु की गई तैयारियों, आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की गई। बोकारो जनरल अस्पताल (बीजीएच) के तत्वावधान में प्राथमिक चिकित्सा हेतु दवाओं, मरहम-पट्टी एवं अन्य आवश्यक चिकित्सा सामग्रियों से सुसज्जित यह दल चिकित्साकर्मियों और स्वयंसेवियों के साथ 'बोल-बम' के जयघोष के बीच देवघर के लिए रवाना हुआ।

जैनामोड़-फुसरो सड़क की बदहाली पर भाजपा का धरना, शीघ्र निर्माण की मांग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जैनामोड़-फुसरो मार्ग की जर्जर स्थिति, लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं तथा आम लोगों को हो रही परेशानियों के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को एक दिवसीय धरना कार्यक्रम आयोजित किया। धरना में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक शामिल हुए। धरना को संबोधित करते हुए भाजपा नेताओं ने कहा कि जैनामोड़-फुसरो मार्ग की बदहाल स्थिति क्षेत्र के विकास में बड़ी बाधा बन गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और क्षतिग्रस्त हिस्सों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे लोगों की जान-माल की सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्षों से सड़क की मरम्मत और निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन सरकार की उदासीनता के कारण अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। कार्यक्रम को भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज, रोहित लाल सिंह, अर्जुन सिंह, योगेश्वर महतो बटुल, रविन्द्र कुमार पांडेय तथा विवेक सिंह ने संबोधित किया। वक्ताओं ने राज्य सरकार से अविलंब सड़क निर्माण कार्य शुरू करने तथा क्षेत्रवासियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण सड़क उपलब्ध कराने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार शीघ्र इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाती है तो भाजपा जनहित में आंदोलन को और व्यापक करेगी। धरना कार्यक्रम के उपरांत भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त के माध्यम से राज्य सरकार को एक ज्ञापन सौंपकर जैनामोड़-फुसरो मार्ग के शीघ्र निर्माण की मांग की। कार्यक्रम में आशा प्रकाश सिंह, जय नारायण मरांडी, फूलचंद किस्कू, लालचंद मरांडी, मधुसूदन सिंह, रामलाल सोरेन, मनोज ठाकुर, विक्रम गोस्वामी, वासुदेव मिश्रा, लक्ष्मण नायक, अर्चना सिंह, अनीता गुप्ता, रश्मि सिंह, रंजीत महतो, सतीश राय, अभय विश्वकर्मा, दिनेश महतो, जितेंद्र गोस्वामी, प्रमोद दास, चंद्रशेखर महथा, अशोक दास, जगतपति सिंह, मनोज सिंह, विनोद महतो, सुनील मंडल, ईश्वर महतो, एंजेला सिंह, विभीषण चौधरी एवं शंकर रजक सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वेतन समझौता 2027 का मसौदा शीघ्र तैयार कर सेल प्रबंधन को सौंपें एनजेसीएस नेता : प्रेम कुमार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ की एक बैठक सोमवार को सेक्टर-4जी स्थित संघ के प्रधान कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी अध्यक्ष एन.के. सिंह ने की, जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री सुरेंद्र महतो ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए संघ के महामंत्री प्रेम कुमार ने कहा कि एनजेसीएस की उदासीनता के कारण वर्ष 2017 के वेतन समझौते से जुड़े कई मुद्दे आज भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को अब तक एरियर की बकाया राशि का पूर्ण भुगतान नहीं हो सका है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। प्रेम कुमार ने कहा कि भारतीय इस्पात कर्मचारी संघ लगातार सेल प्रबंधन को पत्र लिखकर अधूरे वेतन समझौते को शीघ्र पूरा करने तथा 1 जनवरी 2027 से नए वेतन समझौते को लागू करने की मांग करता रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हित में आवश्यक है कि आगामी वेतन समझौते की प्रक्रिया समय पर शुरू हो और किसी प्रकार की देरी न हो। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि सभी एनजेसीएस नेताओं को पत्र भेजकर आग्रह किया जाएगा कि वे एकमत होकर वर्ष 2027 के वेतन समझौते का मसौदा तैयार करें और उसे शीघ्र सेल प्रबंधन के समक्ष प्रस्तुत करें, ताकि निर्धारित समय पर समझौता लागू हो सके तथा कर्मचारियों को उसका लाभ मिल सके। बैठक में कोषाध्यक्ष राम कुमार श्रीवास्तव, सहायक कोषाध्यक्ष सुशील कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष कमलेश कुमार, उपाध्यक्ष सत्यनारायण ठाकुर, संगठन मंत्री राकेश कुमार, दिलीप कुमार, शैलेन्द्र कुमार, गोपी किशन, राम अशोक शर्मा, राजेंद्र कुमार, बी.डी. राम, राजेंद्र महतो तथा रमेश कुमार कर्ष सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

जीटी रोड पर स्टंट कर रील बना रहे 7 युवक हिरासत में, 3 कार भी जब्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय राजमार्ग पर कारों से खतरनाक स्टंट कर सोशल मीडिया के लिए रील बनाना कुछ युवकों को महंगा पड़ गया। मामले की सूचना वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार को मिली। सूचना मिलते ही एसएसपी ने तत्काल कार्रवाई का निर्देश दिया जिसके बाद पुलिस ने नाकेबंदी कर सभी आरोपियों को धर दबोचा। एसएसपी के निर्देश पर तोपचांची थाना प्रभारी लव कुमार ने जीटी रोड पर बेरिकेडिंग कर विशेष जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान स्टंट कर रहे 3 कारों को जब्त कर लिया गया। वहीं वाहनों में सवार कुल 7 युवकों को हिरासत में लिया गया। पुलिस के अनुसार युवक राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार एवं खतरनाक तरीके से वाहन चलाते हुए स्टंट कर रहे थे और उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर रील डालने वाले थे। इस तरह की लापरवाही से न केवल उनकी अपनी जान जोखिम में थी बल्कि राष्ट्रीय राजमार्ग से गुजर रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही थी। पुलिस ने तीनों वाहनों को जब्त कर लिया है तथा हिरासत में लिए गए सभी सात लोगों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई की जा रही है। इस मामले में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि सड़क पर स्टंट करने अथवा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से धनबाद पुलिस पूरी सख्ती से निपटेगी। कुछ लोगों की लापरवाही न केवल उनके स्वयं के लिए बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एसएसपी प्रभात कुमार ने सभी वाहन चालकों विशेषकर युवाओं से अपील की है कि सोशल मीडिया पर लोकप्रियता या रील बनाने के लिए अपनी और दूसरों की जान जोखिम में न डालें।

वित्त मंत्रालय की तर्ज पर इस्पात मंत्रालय भी सेल में तिमाही यूनियन-प्रबंधन बैठक सुनिश्चित करे : बीएकेएस

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात कामगार यूनियन (बीएकेएस) ने इस्पात मंत्रालय से मांग की है कि वित्त मंत्रालय की तर्ज पर स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा उसकी सभी इकाइयों में यूनियनों और प्रबंधन के बीच प्रत्येक तीन माह पर नियमित औद्योगिक संबंध (आईआर) बैठकें आयोजित करने का निर्देश जारी किया जाए। बीएकेएस के महासचिव हरिओम ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 8 मई 2026 को नए श्रम कानूनों को अधिसूचित किया गया है, जिनमें औद्योगिक संबंध संहिता-2026 भी शामिल है। इस संहिता के तहत आने वाले प्रतिष्ठानों में कर्मचारी संगठनों और प्रबंधन के बीच नियमित संवाद एवं परामर्श की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रावधान है। यूनियन ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने हाल ही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को निर्देश दिया है कि वे मान्यता प्राप्त कर्मचारी यूनियनों एवं एसोसिएशनों के साथ नियमित आईआर बैठकें आयोजित करें तथा इसके लिए वार्षिक कैलेंडर भी जारी करें। साथ ही अल्पसंख्यक मान्यता प्राप्त यूनियनों के साथ भी प्रत्येक तिमाही में अलग बैठक आयोजित करने की व्यवस्था करने को कहा गया है। बीएकेएस ने इस्पात सचिव, श्रम सचिव एवं मुख्य श्रमायुक्त (केंद्रीय) को पत्र भेजकर मांग की है कि सेल प्रबंधन एवं उसकी सभी इकाइयों को भी इसी प्रकार का निर्देश दिया जाए। यूनियन ने सेल की सभी इकाइयों में निर्धारित अंतराल पर सीक्रेट बैलेट के माध्यम से मान्यता प्राप्त यूनियन के चुनाव कराने, सभी मान्यता प्राप्त यूनियनों के साथ प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक बैठक आयोजित करने तथा इसके लिए वार्षिक कैलेंडर जारी करने की मांग की है। यूनियन ने यह भी मांग की है कि बहुमत वाली यूनियनों के अलावा अल्पसंख्यक एवं अन्य पंजीकृत यूनियनों को भी संवाद प्रक्रिया में शामिल किया जाए और तिमाही अनुपालन रिपोर्ट इस्पात मंत्रालय को भेजी जाए। बीएकेएस महासचिव हरिओम ने आरोप लगाया कि सेल के मानव संसाधन विभाग के उच्च अधिकारियों द्वारा यूनियनों के साथ संवाद और परामर्श की प्रक्रिया को प्रभावी रूप से लागू नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि यूनियनों के मांग पत्रों पर समयबद्ध कार्रवाई नहीं होती तथा कर्मचारी कल्याण से जुड़े मुद्दों पर पर्याप्त संवाद का अभाव है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संबंधों में सौहार्द एवं विश्वास बनाए रखने के लिए नियमित प्रबंधन-यूनियन बैठकें आवश्यक हैं और इस दिशा में इस्पात मंत्रालय को शीघ्र हस्तक्षेप करना चाहिए।

उपायुक्त की पहल पर यूआईडीएआई ने सुविधाओं के विस्तार के लिए उठाए बड़े कदम

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की पहल पर धनबाद में आधार सेवा केन्द्र पर भीड़ प्रबंधन एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए यूआईडीएआई ने बड़े कदम उठाए हैं। उपायुक्त के आग्रह पर निदेशक, यूआईडीएआई क्षेत्रीय कार्यालय, राँची ने आधार सेवा केंद्र में सेवा क्षमता एवं किट में वृद्धि की है। वर्तमान में धनबाद आधार सेवा केन्द्र पर प्रतिदिन औसतन 460 निवासी सेवाएँ प्राप्त कर रहे हैं। यहाँ संचालित 08 किटों के अतिरिक्त शीघ्र ही 02 नई अतिरिक्त किट स्थापित की जा रही हैं, जिससे किटों की संख्या 10 हो जाएगी। इसके अलावा कॉमन सर्विस सेंटर द्वारा समाहरणालय परिसर में एक नया जिला स्तरीय आधार सेवा केन्द्र स्थापित किया जा रहा है। जिसे प्रारंभ में 01 किट से शुरू कर आवश्यकतानुसार 02 किट तक विस्तारित किया जाएगा। साथ में धनबाद के समीपवर्ती बोकारो, गिरिडीह एवं देवघर जिले में यूआईडीएआई आधार सेवा केन्द्र पूर्ण रूप से संचालित हो चुके हैं, जिससे अन्य जिलों के निवासी अपने स्थानीय स्तर पर ही सेवाएँ प्राप्त कर रहे हैं और धनबाद केंद्र पर भीड़ का विकेंद्रीकरण हो रहा है। धनबाद जिले के गोविंदपुर एवं बाघमारा प्रखंडों में शीघ्र ही नए आधार सेवा केन्द्र शुरू किए जा रहे हैं। भविष्य में धनबाद के पंचायतों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। पुराने ई.सी.एम.पी. सॉफ्टवेयर के स्थान पर चरणबद्ध तरीके से यूनिवर्सल क्लायंट लागू किया जा रहा है, जिससे आधार नामांकन और अद्यतन प्रक्रिया अधिक सरल, तेज और दक्ष होगी तथा प्रति व्यक्ति लगने वाला समय घटेगा। धनबाद मुख्य केंद्र के अलावा जिले में विभिन्न बैंकों, डाकघरों, आईपीपीबी एवं सीएससी आदि के माध्यम से कुल 148 नामांकन, अपडेट किट संचालित हैं, जहाँ नागरिक आसानी से सेवा ले सकते हैं। उपायुक्त ने नागरिकों से अपील की है कि वे लंबी कतारों से बचने के लिए यूआईडीएआई पोर्टल से ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेकर पूर्व निर्धारित समय पर ही केंद्र पहुँचें।

राजापुर कोलियरी में राष्ट्रीय जनता कामगार संघ की नई शाखा का गठन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राष्ट्रीय जनता कामगार संघ के केंद्रीय कार्यालय में सोमवार को केंद्रीय सचिव प्रशांत कुमार की अध्यक्षता में एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से राजापुर कोलियरी में राष्ट्रीय जनता कामगार संघ की नई शाखा का गठन किया गया। इस दौरान शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का चयन किया गया। नवगठित शाखा में सुधिर कुमार यादव को अध्यक्ष, कैलास नोनिया एवं कामेश्वर भुईंया को उपाध्यक्ष, सुबोध कुमार सिंह को सचिव, सुजित गोराई एवं दीपक कुमार सिंह को सह सचिव, सेयद राजा मुराद अख्तर को संगठन सचिव, नितिश कुमार को कोषाध्यक्ष तथा गुड्डू लाल केवट को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं कार्यकारिणी समिति में पंकज पाण्डे, मो. असलम अंसारी, दुखराम चौधरी, शिवमुनी भर, भादुन विश्वास, शुभम कुमार, भीम रावत, यम्पा दास, जगदेव तुरी, हारु रजवार एवं सुधीर कुमार साव को सदस्य के रूप में शामिल किया गया। संघ के महामंत्री आशनी सिंह ने प्रबंधन से आग्रह किया है कि औद्योगिक संबंधों को सौहार्दपूर्ण बनाए रखने के उद्देश्य से नवगठित शाखा के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी समिति के सदस्यों को आवश्यक सहयोग प्रदान किया जाए।

सीआइएसएफ ने जब्त किया 20 टन अवैध कोयला, माफियाओं में हड़कंप

कारीपानी बस्ती से 1.190 टन अवैध कोयला जब्त

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो थाना क्षेत्र में कोयला माफियाओं के खिलाफ सीआईएसएफ का छापेमारी अभियान लगातार जारी है। एमएमडीआर एक्ट के तहत अवैध कोयले के भंडारण, खनन और परिवहन के विरुद्ध सीआईएसएफ एवं सीसीएल की संयुक्त कार्रवाई में कुल 20.810 टन अवैध कोयला जब्त किया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर सीआईएसएफ, सीसीएल करगली के कमांडेंट राज प्रताप सिंह को जानकारी मिली थी कि ढोरी एरिया के अंतर्गत कारीपानी बस्ती और रानीबाग क्षेत्र में अवैध रूप से कोयले का भंडारण किया गया है। सूचना मिलते ही सीआईएसएफ की छापेमारी टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए कारीपानी बस्ती से 1.190 टन अवैध कोयला जब्त किया। इसके बाद कमांडेंट राज प्रताप सिंह ने ढोरी क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव कुमार सिंह को मामले से अवगत कराया। उनके निर्देश पर सीआईएसएफ और सीसीएल की संयुक्त टीम का गठन किया गया। संयुक्त कार्रवाई के दौरान रानीबाग क्षेत्र में छापेमारी कर 19.620 टन अवैध कोयला बरामद किया गया। जब्त किए गए अवैध कोयले का विधिवत वजन कराने के उपरांत उसे सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया। इस संयुक्त अभियान में एएसओ सुरेश सिंह, उप कमांडेंट दिनेश कुमार, इंस्पेक्टर एस.आर. नायक, सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, सहायक उप-निरीक्षक बी.डी. शर्मा, क्यूआरटी टीम, सीसीएल सुरक्षा कर्मी शीलचंद एवं उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सीआईएसएफ ने पुनः स्पष्ट किया है कि खनन क्षेत्रों एवं आसपास किसी भी प्रकार के अवैध कोयला भंडारण, अवैध खनन तथा अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा एजेंसियां पूर्ण सतर्कता के साथ कार्य कर रही हैं। संबंधित एजेंसियों के आपसी समन्वय से इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। सीआईएसएफ की लगातार छापेमारी से कोयला माफियाओं में हड़कंप मचा गया है। राज प्रताप सिंह, कमांडेंट ने कहा सीआईएसएफ सीसीएल करगली एमएमडीआर एक्ट के उल्लंघन पर हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है। अवैध कोयले के कारोबार में शामिल लोगों पर आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भर्रा क ने जीता 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में आयोजित 'पीटर थंगराज मेमोरियल' ग्रामीण युवा फुटबॉल चैंपियनशिप 2026-27' का खिताब भर्रा क की टीम ने जीत लिया है। ट्रेनीज हॉस्टल मैदान में आयोजित फाइनल मुकाबले में भर्रा क की टीम ने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए पारटांड़ को 3-1 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर बीएसएल के निदेशक प्रभारी, अधिशासी निदेशक, अन्य वरीय अधिकारी, क्रीड़ा एवं नागरिक सुविधाएं के वरीय अधिकारी व उनकी टीम तथा खेल प्रेमी उपस्थित थे। समापन समारोह के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के साथ-साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। विजेता टीम को ट्रॉफी, 10,000 रुपये की नगद पुरस्कार तथा खिलाड़ियों व टीम प्रबंधन हेतु ट्रैक सूट प्रदान किए गए, जबकि उपविजेता टीम को ट्रॉफी, 5,000 रुपये नगद पुरस्कार तथा ट्रैक सूट देकर सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में नकीब हसन शाह (सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर), कुंदन तुरी (सर्वोच्च स्कोरर - 3 गोल), राजीव हंसदा (सर्वश्रेष्ठ स्ट्राइकर), शिवराम टुडू (सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर), सुब्रत महतो (सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर), सुजय मुर्मू (फाइनल मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) तथा सुशील सोरेन (टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी) को 1,000 रुपये प्रति खिलाड़ी व सेल सेलम स्टील गिफ्ट प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही अन्य टीमों के कोच, मैनेजर व रेफरी दल को टी-शर्ट दिया गया। उल्लेखनीय है कि इस टूर्नामेंट का आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र के पूर्व कर्मचारी (1976-1997), अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित, पूर्व ओलंपियन फुटबॉलर तथा वर्ष 1958 में 'एशिया के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर' रहे स्वर्गीय पीटर थंगराज की स्मृति में किया गया। प्रतियोगिता में बोकारो ग्रामीण फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 की 8 शीर्ष टीमों - भर्रा क तुपकाडीह, परटांड़, झोपड़ो, नरकरा, राधानगर, शिबुटांड़ और सेल फुटबॉल अकादमी ने भाग लिया। प्रतियोगिता के अंतर्गत 29 जुलाई को राउंड ऑफ ऐट्स मुकाबले खेले गए, जबकि 31 जुलाई को रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले आयोजित किए गए, जिसमें टीमों ने अपने खेल कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन किया।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती वर्ष के उपलक्ष्य पर बोकारो पहुंच रही कलश यात्रा का भाजपाई करेंगे स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य कलश वंदन अभियान के सफल आयोजन को लेकर भारतीय जनता पार्टी, बोकारो जिला की तैयारी बैठक आज बोकारो परिसदन में जिला अध्यक्ष सुरेंद्र राज की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में कल -4 अगस्त को रांची से आने वाली पावन कलश यात्रा का स्वागत, भ्रमण संबंधित रूपरेखा एवं तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष ने कहा कि रांची से आने वाली पावन कलश यात्रा का बोकारो जिले में विभिन्न स्थानों पेटरवार, जैनामोड़, नयामोड़ एवं संत रविदास मोड़ सेक्टर -4 पर भव्य स्वागत, पुष्पवर्षा एवं पूजन-अर्चन किया जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश कार्यसमिति सदस्य जयदेव राय, अर्जुन सिंह, संजय सिन्हा, रामलाल सोरेन, संजय त्यागी, अनिल स्वर्णकार, मुकेश राय, वीरभद्र सिंह, राकेश मधु, मनोज ठाकुर, विभीषण सिंह, जयनारायण मरांडी, चंद्रशेखर महथा, शंकर रजक, ए के वर्मा, भानु प्रताप सिंह, प्रीति गुप्ता, अशोक दास, जगतपति सिंह, ब्रज दुबे, राजेश घोषाल, विक्रम गोस्वामी समेत सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा नवबिहार टाइम्स प्रिंटिंग प्रेस बियाडा परिसर, जसोडया, औरंगाबाद से मुद्रित तथा प्लॉट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक- कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865, 7295863300
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com